जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBiT

The Wonder Of Travel

It feels less like we have been looked after, and more like we have been included. It's clear that this is Fort Barli's true distinction

World Egg Day

World Egg Day is celebrated every year to highlight the importance of eggs in our diet and daily lives. Eggs are a rich source of high-quality protein, vitamins, minerals, and healthy fats

राहुल ने वेणुगोपाल से उन सांसदों की लिस्ट मांगी, जो प्रदर्शन स्थल पर मौजूद नहीं थे

पार्टी के इन अनुपस्थित सांसदों से पत्र लिखकर गंभीरता से उनकी गैर मौजूदगी का कारण पूछा जा रहा है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। राहुल गांधी आज लगातार तीसरे दिन दिल्ली की सड़कों पर अपनी बहन प्रियंका गांधी के साथ प्रदर्शन करते रहे और यह सुनिश्चित किया कि ज्ञानेश कुमार के खिलाफ संदेश जोरदार तरीके से लोगों तक पहुंचे। इसी दौरान दिल्ली पुलिस ने उन्हें आज फिर से हिरासत में ले लिया।

- राहुल गांधी का मानना है कि जब कांग्रेस, पूरे विपक्ष को मिलजुल कर एक साथ लाना चाह रही है तो किसी भी कांग्रेस के सांसद का कोई बहाना चलने वाला नहीं है, वे सरकार की व चुनाव आयुक्त की ''वोट चोरी'' के प्रयास को उजाकर करने में किसी प्रकार की बहानेबाजी न करें।
- पर, दिक्कत यह है कि हालांकि, राहुल गांधी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ धरना-प्रदर्शन को अंतिम परिणाम तक ले जाना चाहते हैं, लेकिन, इण्डिया ब्लॉक के अन्य घटकों की इस मुद्दे पर विशेष रूचि नहीं है, क्योंकि, इन पार्टियों का मानना है कि इस मुहिम से उनको इतना लाभ नहीं, जितना कांग्रेस पार्टी को है।

राहुल गांधी ने इस विरोध प्रदर्शन को बहुत गंभीरता से लिया है।

उन्होंने केसी वेणुगोपाल से उन सभी कांग्रेस सांसदों की सूची मांगी है, जो प्रदर्शन स्थलों पर मौजूद नहीं थे। साथ ही, उन्होंने उनके न आने की वजह भी पूछी है।

अगर किसी सांसद के पास प्रदर्शन में शामिल नहीं होने का कोई बहुत जरूरी और उचित कारण नहीं था, तो राहुल गांधी चाहते हैं कि ऐसे अनुपस्थित सांसदों को पत्र भेजकर उनसे जवाब मांगा जाए कि वे प्रदर्शन में क्यों मौजूद नहीं थे।

राहुल गांधी का कहना है कि जब कांग्रेस पूरे विपक्ष को एकजुट करने की कोशिश कर रही है, तो कांग्रेस सांसदों का विरोध-प्रदर्शन में शामिल न होने का कोई बहाना नहीं हो सकता।

राहुल गांधी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इस आंदोलन को और आगे बढ़ाना चाहते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि विपक्षी गठबंधन में शामिल दलों को लगता है कि इस पूरे आंदोलन का फायदा और चर्चा गांधी परिवार को ज्यादा मिल रही है, जबकि विपक्षी सहयोगी दलों को उतना महत्व नहीं मिल रहा।

भारी मुनाफे के नाम पर 1.61 करोड़ रु. के जवाहरात की ठगी करने वाला गिरफ्तार

जयपुर, 8 अक्टूबर। आदर्श नगर थाना पुलिस ने कीमती जवाहरात खरीदकर ठगी करने के मामले में आरोपी अलजेब खान (24) निवासी रामगंज जयपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपी, व्यापारियों को विदेश में कारोबार और बड़ा मुनाफा होने का झांसा देकर महंगे जवाहरात खरीदता था। बाद में उन्हें बाजार में कम कीमत पर बेचकर प्राप्त राशि का इस्तेमाल महंगी पार्टियों, अय्याशी और विदेश यात्राओं में करता था।

- अलजेब खान ने व्यापारी शुजात अंसारी से 1.61 करोड़ रुपये के कीमती पत्थर खरीदे और ठगी कर फरार हो गया।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि आरोपी अच्छे परिवार से ताल्लुक रखता है। वह शुरुआत में व्यापारियों के साथ छोटे स्तर पर अच्छा कारोबार कर उनका विश्वास जीतता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'पुरानी भारतीय कम्पनियाँ मुझे भारत में काम करने से रोक रही हैं'

एलन मस्क का आरोप है कि भारत में काम करने के लिए उनकी कंपनी ने पूरा आधारभूत ढांचा खड़ा कर लिया है, पर, इस लाइन की पुरानी भारतीय कंपनियाँ उनको काम करने की इजाज़त लेने में भारी रूकावटें डाल रही हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। एलन मस्क ने ''एक्स'' पर आरोप लगाया है कि ''कुछ ताकतवर लोग'' (ओलिगार्क्स) भारत में स्टारलिंक के लॉन्च को रोक रहे हैं, ताकि वे अपना ''एकाधिकार बनाए रख सकें। उन्होंने इसे ''भारत के लोगों के खिलाफ अपराध'' बताया। यह आरोप स्पेस एक्स के एक अधिकारी के यह कहने के बाद लगाया गया कि स्टारलिंक ने इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार कर लिया है और वह लॉन्च के लिए तैयार है। मस्क का आरोप बिना किसी का नाम लिए भारत की प्रमुख दूरसंचार कंपनियों की ओर इशारा करता है।

संचार मंत्रालय ने इस दावे को ''बेबुनियाद और गलतफहमी पर आधारित'' बताते हुए खारिज कर दिया। मंत्रालय ने कहा कि सभी दूरसंचार सेवाओं, जिनमें सैटेलाइट संचार भी शामिल है, के लिए निष्पक्ष और बिना भेदभाव वाला ऑथराइज़ेशन फ्रेमवर्क लागू होता है।

- ये पुरानी कंपनियाँ, इस क्षेत्र में एकाधिकार को बनाए रखना चाहती हैं, चाहे उनकी इस हरकत से देश को जो भी नुकसान हो तो हो।
- दूरसंचार मंत्रालय ने मस्क के आरोपों को बेबुनियाद बताया और कहा कि किसी भी विदेशी कंपनी को इस क्षेत्र में काम करने की इजाज़त देने में देश की सुरक्षा के कई मुद्दे जुड़े हैं।
- अभी तक कोई भी विदेशी कंपनी इन सुरक्षा के मुद्दे पर भारत सरकार को संतुष्ट नहीं कर पाई है, अतः उन्हें देश में काम करने की इजाज़त नहीं मिली है।

तीन कंपनियों के पास ग्लोबल मोबाइल पर्सनल कम्युनिकेशन बाय सैटेलाइट (जीएमपीसीएस)

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फिल्म अभिनेता नाना पाटेकर की मृत्यु

बुधवार को रात को ढाई बजे उनकी तबियत खराब हुई तथा उन्होंने अपने मित्र को बुलाने व सूचित करने का प्रयास किया था

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। जाने-माने एक्टर और फिल्ममेकर नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह गोवा स्थित उनके घर पर कार्डियक अरेस्ट (दिल का दौरा पड़ने) से निधन हो गया। वे 75 साल के थे।

गोवा के मणिपाल अस्पताल में ऑंकोलॉजी के प्रमुख डॉ. सालकर के अनुसार, नाना पाटेकर ने सुबह करीब 2:30 बजे अपने दोस्त को मैसेज किया था कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है। देर रात होने के कारण दोस्त मैसेज नहीं देख पाए, जब तक कि पाटेकर ने उन्हें फोन नहीं किया।

डॉ. सालकर ने कहा, ''करीब 2:30 बजे उन्होंने अपने दोस्त को मैसेज भेजा कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है। लेकिन रात का समय होने के कारण दोस्त मैसेज नहीं देख पाए। फिर उन्होंने उन्हें फोन किया। वे (दोस्त) सुबह करीब 4 बजे उनके घर पहुंचे।'' ''तब उन्हें (पाटेकर को) पसीना आ रहा

था... और वे होश खो रहे थे।''

डॉक्टर ने बताया कि पाटेकर मणिपाल अस्पताल के पास ही रहते थे। उनके केयरटेकर को एम्बुलेंस लाने के लिए अस्पताल भेजा गया। वे हमारी एम्बुलेंस लेकर आए और हमारी इमरजेंसी रूम टीम ने तुरंत कार्रवाई की। उन्होंने कार्डियक मसाज शुरू की, क्योंकि पाटेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहे थे। पाटेकर को सुबह करीब 4:20-4:30 बजे हमारे अस्पताल लाया गया। हमने पूरी कोशिश की, लेकिन उन्हें मृत

- पर, जब तक एम्बुलेंस आई और अस्पताल पहुँचे, बहुत देर हो चुकी थी तथा उन्हें बचाने के प्रयास विफल ही रहे।

अवस्था में ही लाया गया था।

डॉक्टर ने बताया कि सुबह करीब 5:30 बजे पाटेकर को मृत घोषित कर दिया गया।

चूंकि यह एक मेडिको-लीगल केस था, इसलिए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। अब शव को पोस्टमार्टम के लिए गोवा मेडिकल कॉलेज ले जाया गया है।

नाना पाटेकर का शुक्रवार को पुणे में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केन्द्रीय गृहमंत्री सहित, तमाम नेताओं और फिल्म जगत की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाहरगढ़ अभ्यारण्य का वनपाल व वनरक्षक रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर, 8 अक्टूबर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की स्पेशल यूनिट-द्वितीय जयपुर ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए, नाहरगढ़ अभयारण्य की काला महादेव चौकी पर तैनात वनपाल और वनरक्षक को 50 हजार

- शूटिंग की सिक्योरिटी राशि वापस करने की एवज में 50 हजार की रिश्वत ले रहे थे।

रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोपी वनपाल श्याम सिंह को 20 हजार रुपए तथा वनरक्षक शिवकिशोर को 30 हजार रुपए रिश्वत लेते पकड़ा गया।

एसीबी पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि परिवादी ने शिकायत दी थी कि उसने आमेर के मावठा में शूटिंग का कार्य किया था। इस कार्य से संबंधित सिक्योरिटी राशि वापस दिलाने की एवज में काला महादेव चौकी, नाहरगढ़ अभयारण्य में पदस्थ पुलिसकर्मी श्याम सिंह और शिवकिशोर रिश्वत की मांग कर रहे थे। शिकायत के अनुसार, श्याम सिंह पहले ही परिवादी से 15 हजार रुपए रिश्वत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गुरुग्राम का स्पोर्ट्स स्टेडियम ''गैराज'' कैसे बन गया?

इस स्टेडियम में ट्रेनिंग कर रहे कोच व खिलाड़ी महीने में दो-चार दिन अन्यत्र कोचिंग के लिए स्थान ढूंढते नज़र आते ही हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। गुरुग्राम के ताऊ देवी लाल स्टेडियम में अभ्यास कर रहे एथलीट्स चार दिनों तक स्टेडियम की सुविधा का इस्तेमाल नहीं कर पाए, क्योंकि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को ले जाने वाला हेलिकॉप्टर स्टेडियम के मैदान में पार्क किया हुआ था।

सैनी तीन दिन के सिंगापुर दौरे पर गए थे और गुरुग्राम लौटने के बाद, उन्हें हेलिकॉप्टर से चंडीगढ़ जाना था। गुरुग्राम में फिलहाल राज्य सरकार या नागरिक उड्डयन मंत्रालय का कोई हेलिपैड नहीं है, जबकि हेलिकॉप्टर को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पार्क करने में अतिरिक्त खर्च आता।

इस घटना के बाद खिलाड़ियों और कोचों ने खेल सुविधा का इस्तेमाल वीआईपी हेलिकॉप्टरों के लिए किए जाने पर चिंता जताई है। ''टाइम्स ऑफ इंडिया'' ने खिलाड़ियों के हवाले से बताया कि ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। उनके अनुसार, लगभग हर महीने एक-दो दिन के लिए स्टेडियम में हेलिकॉप्टर खड़ा किया जाता है।

- जब भी हरियाणा के मु.मंत्री दो-चार दिन की विदेश यात्रा पर जाते हैं, उनका हैलिकॉप्टर गुरुग्राम के स्टेडियम पर पार्क रहता है।
- कारण शायद यह है कि अभी तक हरियाणा सरकार का हैलिकॉप्टर पार्क करने के लिए कोई स्थान आरक्षित या विकसित नहीं है।
- तथा हैलिकॉप्टर को पालम के हवाई अड्डे पर पार्क करना काफी महंगा सौदा है, राज्य सरकार के लिए। अतः सबकी सहूलियत इसी में मानी गई कि कुछ दिन खिलाड़ी व एथलीट अन्यत्र ट्रेनिंग कर लें तथा हैलिकॉप्टर को स्टेडियम में सुरक्षित रखा जाए।

सैनी के मीडिया सलाहकार ने टाइम्स ऑफ इण्डिया को बताया कि हेलिकॉप्टर, मशीन में खराबी आ जाने के कारण स्टेडियम में रुका था और उसे स्टैण्डबाय के तौर पर वहाँ नहीं रखा गया था।

तथापि, स्थानीय खिलाड़ियों और कोचों ने ''इंडिया टुडे डॉट इन'' को बताया कि हेलिकॉप्टरों के लिए स्टेडियम का इस्तेमाल नियमित रूप से होता है। उन्होंने कहा कि ऐसी हेलिकॉप्टर गतिविधियों के कारण स्टेडियम हर महीने करीब दो दिनों तक खिलाड़ियों के लिए बंद रहता है।

इन अलग-अलग दावों से यह सवाल उठता है कि वीआईपी हेलिकॉप्टरों के लिए स्टेडियम का इस्तेमाल कितनी बार किया जाता है और वहां ट्रेनिंग करने वाले एथलीटों पर इसका कितना असर पड़ता है।

इस सुविधा का इस्तेमाल ऐसे राज्य में खासतौर पर ध्यान देने लायक है, जहाँ खेलों की उल्लेखनीय परंपरा है और बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भारत के पदक जीतने में राज्य का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। 2026 के एशियाई खेलों में भारत ने कुल 85 पदक जीते, जिनमें से 32 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते। इनमें 14 स्वर्ण, नौ रजत और नौ कांस्य पदक शामिल थे। खेलों से पदक लेकर लौटे 207 भारतीय खिलाड़ियों में से 45 हरियाणा के थे।

गुरुग्राम की यह घटना ऐसा पहला अवसर नहीं है, जब अधिकारियों की गतिविधियों या अन्य गैर-खेल आयोजनों के कारण खेल सुविधाओं तक देश के खिलाड़ियों की पहुंच प्रभावित हुई हो। सन् 2022 में दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम के खिलाड़ियों और कोचों ने आरोप लगाया था कि उन्हें अपना अभ्यास समय से पहले खत्म करने के लिए कहा गया था, ताकि दिल्ली के तत्कालीन प्रधान सचिव (राजस्व) संजीव खिरवार वहां अपने कुत्ते को घुमा सकें।

खिरवार ने इस बात से इनकार किया था कि उन्होंने इस कारण से खिलाड़ियों को स्टेडियम छोड़ने के लिए कहा था। वहीं, स्टेडियम के प्रशासक ने कहा था कि आधिकारिक ट्रेनिंग का समय शाम 7 बजे तक था। इस विवाद के बाद, खिरवार का तबादला लद्दाख और उनकी पत्नी तथा आईएएस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जेडीए आयुक्त और उपायुक्त के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

जयपुर, 8 अक्टूबर। जिला उपभोक्ता आयोग क्रम-2 ने भूमि आवंटन से जुड़े मामले में जेडीए आयुक्त सिद्धार्थ महाजन और जेडीए के

- जिला उपभोक्ता आयोग ने पुलिस कमिश्नर को दोनों अधिकारियों को गिरफ्तार कर 12 अक्टूबर को पेश करने के निर्देश दिये।

जोन-9 के उपायुक्त सूर्यकांत शर्मा के गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। आयोग ने पुलिस कमिश्नर को कहा है कि दोनों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'चुनाव आयोग, न्यायपालिका तथा अन्य संवैधानिक संगठनों को बार-बार चोर व भ्रष्ट कहना व मानना खतरे से खाली नहीं'

42 पूर्व न्यायाधीशों ने खुला खत लिखकर इस प्रवृत्ति पर भारी चिन्ता व्यक्त की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष के बढ़ते विरोध के बीच, 42 पूर्व न्यायाधीशों ने एक कड़ा खुला पत्र जारी किया है। इसमें उन्होंने चुनाव आयोग, न्यायपालिका और अन्य संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने के लिए चलाए जा रहे अभियान पर गंभीर चिंता जताई है।

पूर्व न्यायाधीशों ने बिना किसी ठोस सबूत के लगाए जा रहे ''वोट चोरी'' के आरोपों पर सवाल उठाया। उन्होंने चेतावनी दी कि संवैधानिक संस्थाओं को बार-बार ''चोर'' और ''समझौता करने वाला'' बताने से लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का भरोसा कमजोर हो सकता है।

पूर्व न्यायाधीशों ने पत्र में लिखा, हमारी चिंता गंभीर है। भारत की संवैधानिक संस्थाएं लगातार हमलों का सामना कर रही हैं। भारत का चुनाव आयोग इस हमले के केन्द्र में

- इन पूर्व न्यायाधीशों के अनुसार, अब तक, जो भी आरोप लगाये गए हैं, उनके बारे में किसी भी न्यायालय में आरोप सही सिद्ध नहीं हुए हैं।
- पर, इन अफसरों व सरकारी अधिकारियों का बार-बार यह कहना, कि सरकार बदलेगी और तब उनकी खैर नहीं, यह अनुचित व गैर वाज़िब है।

है। यहां तक कि जिस उच्च न्यायपालिका का हम बहुत सम्मान करते हैं, उसे और वैधानिक एजेंसियों को भी नहीं बख्शा गया है।

पत्र में आगे कहा गया, ''संस्थाओं की आलोचना करना लोकतांत्रिक अधिकार है। लेकिन उन्हें नीचा दिखाना सही नहीं है।''

पूर्व न्यायाधीशों ने अपने खुले पत्र में कहा, अब सार्वजनिक मंचों से संवैधानिक अधिकारियों को ''चोर'', ''कठपुतली'' और ''समझौता करने वाला'' कहा जाता है। चुनाव कराने वाले अधिकारियों का नाम लेकर उन्हें बदनाम व शर्मिंदा किया जाता है और सत्ता बदलने पर कार्रवाई की खुली चेतावनी दी जाती है। उल्लेखनीय है कि किसी भी अदालत ने इन आरोपों को अब तक सही नहीं पाया है।''

पूर्व न्यायाधीशों ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इन्टेन्सिव रिविजन-एसआईआर) का भी समर्थन किया। उन्होंने इसे कानून के तहत तय की गई प्रक्रिया बताया, जिसका उद्देश्य साफ और सही मतदाता सूचियां सुनिश्चित करना है। उन्होंने चेतावनी दी कि चुनावों की वैधता पर सवाल उठाने की कोशिशों से अशांति बढ़ सकती है

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर कलैक्टर दो साल से सूरज मैदान पर निर्णय क्यों नहीं ले रहे- हाईकोर्ट

जयपुर, 8 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर कलेक्टर को 13 अक्टूबर को पेश होकर यह बताने को

- आदर्श विद्या मंदिर प्रबंध समिति द्वारा बिना किसी अधिकार के सूरज मैदान किराये पर देने के मामले में 13 अक्टूबर को कलैक्टर से जवाब मांगा।

कहा है कि आदर्श नगर स्थित सूरज मैदान को आदर्श विद्या मंदिर प्रबंध समिति की ओर से किराए पर देने के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

योग्य पति अपनी पत्नी को सम्मान की अधिकारिणी बना देता है। –मनु

राजस्थान में कलाओं के विस्तार में ललित कला अकादमी की भूमिका

राजस्थान का नाम लेते ही आँखों के सामने रंगों, रेखाओं, आकृतियों और लोक-स्मृतियों से सजा हुआ एक विराट सांस्कृतिक संसार उभरता है। यहाँ की हवेलियों की भित्तिचित्रकारी, किशनगढ़ की बणी-ठणी, बूंदी और कोटा की चित्रशैली, मेवाड़ की लघुचित्र परंपरा, फड़ चित्रांकन, मांडणा, कठपुतली, लोकमूर्तियाँ, धातु-कला, मृण्मूर्ति और आधुनिक चित्रकला ये सभी राजस्थान की बहुरंगी कला-परंपरा के जीवंत प्रमाण हैं। इस समृद्ध विरासत को संरक्षित करने, कलाकारों को प्रोत्साहन देने तथा कला को समाज के व्यापक वर्ग तक पहुँचाने में राजस्थान ललित कला अकादमी की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण रही है।

राजस्थान ललित कला अकादमी की स्थापना वर्ष 1957 में हुई। इसका उद्देश्य प्रदेश में ललित कलाओं का प्रचार-प्रसार करना, कलाकारों की रचनात्मक क्षमता को विकसित करना, कला-परंपराओं का संरक्षण करना और नए कलाकारों को उचित मंच उपलब्ध कराना है। अकादमी जयपुर स्थित अपने परिसर से चित्रकला, मूर्तिकला, ग्राफिक कला, छायाचित्रण, लोक एवं समकालीन कला जैसी विविध विधाओं को प्रोत्साहित करती है। यह संस्था कलाकार और समाज के बीच एक सृजनात्मक सेतु का कार्य करती है।

राजस्थान की कला-परंपरा का स्वरूप अत्यंत विस्तृत और विविधतापूर्ण है। मरुस्थलीय जीवन, लोकविश्वास, धार्मिक आख्यान, वीरगाथाएँ, प्रकृति, पशु-पक्षी, ग्रामीण जीवन और राजसी संस्कृति यहाँ की कला के प्रमुख विषय रहे हैं। विभिन्न क्षेत्रों की अपनी विशिष्ट चित्रशैलियाँ विकसित हुईं। मेवाड़ की चित्रकला में धार्मिकता और लोकजीवन की सहजता दिखाई देती है, जबकि बूंदी और कोटा की चित्रशैली में प्रकृति, शिकार और राजदरबार के दृश्य प्रमुख हैं। किशनगढ़ शैली अपनी कोमल भावाभिव्यक्ति और सौंदर्यबोध के लिए प्रसिद्ध है। शेखावाटी की हवेलियों के भित्तिचित्र सामाजिक इतिहास और लोक-संस्कृति के दस्तावेज हैं।

ऐसी समृद्ध परंपराओं को केवल संग्रहालयों तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। उन्हें वर्तमान जीवन से जोड़ना भी आवश्यक है। राजस्थान ललित कला अकादमी इसी दिशा में कार्य करती है। अकादमी पारंपरिक कलाओं के साथ-साथ आधुनिक और प्रयोगधर्मी कला को भी मंच प्रदान करती है। इससे कलाकारों को अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए नए माध्यमों, नई तकनीकों और नए विचारों के साथ सृजन करने का अवसर मिलता है।

अकादमी की सबसे प्रमुख गतिविधियों में कला-प्रदर्शनियों का आयोजन शामिल है। वार्षिक कला प्रदर्शनी के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत कलाकारों को अपनी कृतियाँ प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। इन प्रदर्शनियों में चित्रकला, मूर्तिकला, ग्राफिक कला और अन्य दृश्य कलाओं का समावेश होता है। अनुभवी निर्णायकों द्वारा कृतियों का चयन किया जाता है और श्रेष्ठ कलाकारों को पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। इससे कलाकारों को पहचान, सम्मान और आर्थिक प्रोत्साहन प्राप्त होता है।

वार्षिक कला प्रदर्शनी केवल पुरस्कार देने का आयोजन नहीं होती, बल्कि यह प्रदेश के कला-परिदृश्य का वार्षिक मूल्यांकन भी प्रस्तुत करती है। इसमें यह देखा जा सकता है कि कलाकार किन विषयों पर काम कर रहे हैं, उनकी तकनीक में क्या परिवर्तन आ रहे हैं और समाज की बदलती परिस्थितियाँ कला में किस प्रकार अभिव्यक्त हो रही हैं। उदाहरण के लिए, हाल के आयोजनों में शहरी जीवन, पर्यावरण, स्त्री-अनुभव, लोकपरंपरा, बचपन, ग्रामीण जीवन और सामाजिक परिवर्तन जैसे विषयों को स्थान मिला है। इससे स्पष्ट होता है कि राजस्थान की कला परंपरा स्थिर नहीं, बल्कि निरंतर विकसित होने वाली जीवंत धारा है।

अकादमी का दूसरा महत्त्वपूर्ण योगदान युवा कलाकारों को प्रोत्साहन देना है। किसी भी कला-परंपरा की निरंतरता तभी बनी रह सकती है, जब नई पीढ़ी उससे जुड़े। अनेक युवा कलाकार प्रतिभाशाली होते हुए भी आर्थिक कठिनाइयों, उचित मार्गदर्शन और प्रदर्शन के अवसरों के अभाव में पीछे रह जाते हैं। अकादमी प्रदर्शनियों, प्रतियोगिताओं, कला शिविरों, कार्यशालाओं और पुरस्कारों के माध्यम से ऐसे कलाकारों को आगे बढ़ने का अवसर देती है।

युवा कलाकारों के लिए कला-शिविर विशेष रूप से उपयोगी होते हैं। शिविरों में विभिन्न क्षेत्रों से आए कलाकार एक-दूसरे की कार्यशैली को समझते हैं और अनुभवों का आदान-प्रदान करते हैं। वरिष्ठ कलाकारों के मार्गदर्शन से युवा कलाकारों को तकनीकी ज्ञान, विषय-विस्तार और प्रस्तुतीकरण की नई दृष्टि प्राप्त होती है। कला केवल एकांत में बैठकर चित्र बनाने की प्रक्रिया नहीं है; यह संवाद, प्रयोग और सामूहिक अनुभव से भी विकसित होती है। अकादमी के शिविर इस संवाद को संभव बनाते हैं।

अकादमी कला-व्याख्यानों, संगोष्ठियों और परिचर्चाओं के माध्यम से कला के सैद्धांतिक पक्ष को भी मजबूत करती है। कला इतिहास, आधुनिक कला, लोक कला, संरक्षण, संग्रहालय-विज्ञान, कला-बाजार और डिजिटल माध्यमों पर आयोजित कार्यक्रम कलाकारों, विद्यार्थियों और कला-प्रेमियों के लिए ज्ञानवर्धक होते हैं। इससे कला केवल प्रदर्शन की वस्तु न रहकर विचार और विमर्श का विषय बनती है।

राजस्थान की लोक और पारंपरिक कलाओं के संरक्षण में भी अकादमी की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। मांडणा, फड़, लघुचित्र, भित्तिचित्र, लोकमूर्तिकला और पारंपरिक हस्तकला जैसी विधाएँ केवल सौंदर्य की अभिव्यक्ति नहीं हैं; उनमें समुदायों की स्मृतियाँ, धार्मिक आस्थाएँ, सामाजिक मान्यताएँ और जीवन-पद्धतियाँ भी सुरक्षित रहती हैं। आधुनिकता और बाज़ार के दबाव में अनेक पारंपरिक कलाएँ धीरे-धीरे कमजोर हो रही हैं। अकादमी इन कलाओं को प्रदर्शनियों और कार्यशालाओं के माध्यम से नए दर्शकों तक पहुँचाने का प्रयास करती है।

> **राजस्थान ललित कला अकादमी ने प्रदेश की कला-यात्रा में एक महत्त्वपूर्ण आधार तैयार किया है। उसने कलाकारों को मंच दिया, प्रदर्शनियों की परंपरा विकसित की, युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित किया और कला को सार्वजनिक जीवन का हिस्सा बनाया। आज आवश्यकता है कि अकादमी अपने कार्यक्षेत्र को और व्यापक बनाए तथा कला को राजधानी से निकालकर प्रदेश के गाँवों, कस्बों और छोटे शहरों तक पहुँचाए।**

लोक कला को समकालीन संदर्भों से जोड़ना भी आवश्यक है। यदि पारंपरिक कला केवल अतीत की वस्तु बनकर रह जाए, तो उसकी जीवंतता समाप्त हो सकती है। अकादमी की भूमिका इस बात में है कि पारंपरिक कलाकारों को नए विषयों, नए बाजारों और नए माध्यमों से जोड़ा जाए। पारंपरिक शैली में पर्यावरण, जल-संरक्षण, महिला सशक्तीकरण, ग्राम्य विकास और सामाजिक सद्भाव जैसे विषयों को चित्रित कराया जा सकता है। इससे लोक कला अपने मूल स्वरूप को बनाए रखते हुए वर्तमान समय से संवाद कर सकेगी।

अकादमी कलाकारों के सम्मान और प्रोत्साहन की परंपरा को भी आगे बढ़ाती है। पुरस्कार किसी कलाकार के लिए केवल आर्थिक सहायता नहीं होते, बल्कि वे उसकी साधना की सामाजिक स्वीकृति का प्रतीक होते हैं। एक कलाकार वर्षों तक अभ्यास, संघर्ष और आत्मानुशासन के बाद अपनी पहचान बनाता है। जब किसी संस्थागत मंच पर उसकी कृति को सम्मान मिलता है, तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है और वह अधिक गंभीरता से सृजन करता है। वरिष्ठ कलाकारों का सम्मान युवा पीढ़ी को यह संदेश देता है कि कला-साधना समाज में प्रतिष्ठित और महत्त्वपूर्ण कार्य है।

अकादमी कला-संग्रह और अभिलेखीकरण के क्षेत्र में भी उपयोगी भूमिका निभा सकती है। किसी भी प्रदेश की कला-धरोहर को सुरक्षित रखने के लिए कृतियों का संग्रह, कलाकारों का परिचय, कला-शैलियों का दस्तावेजीकरण और प्रदर्शनियों का अभिलेख आवश्यक है। राजस्थान के अनेक कलाकारों ने दशकों तक महत्वपूर्ण कार्य किया, लेकिन उनके जीवन और कृतियों का पर्याप्त दस्तावेजीकरण नहीं हो सका। अकादमी द्वारा कलाकारों की कृतियों का व्यवस्थित अभिलेख तैयार किया जाना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ प्रदेश की कला-यात्रा को समझ सकें।

डिजिटल युग में अकादमी की भूमिका और भी व्यापक हो गई है। डिजिटल माध्यमों के कारण कला अब किसी एक शहर या प्रदेश तक सीमित नहीं रहती। ऑनलाइन प्रदर्शनी, डिजिटल संग्रहालय, कलाकारों की डिजिटल प्रोफाइल, आभासी दीर्घाएँ और सामाजिक माध्यमों पर कला-प्रस्तुति के माध्यम से राजस्थान के कलाकारों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दर्शक मिल सकते हैं।

अकादमी को विद्यालयों और महाविद्यालयों के साथ भी सक्रिय संबंध स्थापित करने चाहिए। कला शिक्षा केवल चित्र बनाने की तकनीक सिखाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। इससे विद्यार्थियों में संवेदनशीलता, कल्पनाशक्ति, अवलोकन क्षमता और सौंदर्यबोध विकसित होता है। यदि अकादमी विद्यालयों में कला-शिविर, चित्रकला प्रतियोगिता, लोककला परिचय कार्यक्रम और कलाकारों से संवाद आयोजित करे, तो बड़ी संख्या में विद्यार्थी कला से जुड़ सकते हैं। ग्रामीण और छोटे शहरों के विद्यार्थियों तक पहुँचना इस प्रयास की विशेष प्राथमिकता होनी चाहिए।

कला के विस्तार में भौगोलिक विकेंद्रीकरण भी आवश्यक है। जयपुर राज्य का प्रमुख कला-केंद्र है, लेकिन कला केवल राजधानी तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जोधपुर, उदयपुर, बीकानेर, कोटा, अजमेर, बूंदी, भरतपुर, अलवर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, जैसलमेर और श्रीगंगानगर जैसे शहरों में भी कला की समृद्ध परंपराएँ हैं। अकादमी को संभागीय और जिला स्तर पर नियमित प्रदर्शनियाँ, कार्यशालाएँ और कला संवाद आयोजित करने चाहिए। इससे छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के कलाकारों को जयपुर तक आने की कठिनाई से मुक्ति मिलेगी।

राजस्थान में कला के विकास के लिए अन्य संस्थाओं के साथ समन्वय भी जरूरी है। जवाहर कला केंद्र, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय लोक कला मंडल, राजस्थान विश्वविद्यालय, कला महाविद्यालय, संग्रहालय, निजी कला दीर्घाएँ और स्वयंसेवी संस्थाएँ अपने-अपने स्तर पर कार्य कर रही हैं। यदि इन संस्थाओं के बीच साझा कार्यक्रम, संयुक्त प्रदर्शनियाँ, कलाकार विनिमय और शोध परियोजनाएँ संचालित हों, तो कला-जगत को व्यापक लाभ मिल सकता है। राष्ट्रीय ललित कला अकादमी के क्षेत्रीय केंद्रों के साथ सहयोग से राजस्थान के कलाकारों को देश के अन्य भागों में भी अवसर मिल सकते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर ललित कला अकादमी प्रदर्शनियों, कार्यशालाओं, व्याख्यानों और कलाकार सहायता कार्यक्रमों के माध्यम से दृश्य कला को प्रोत्साहित कर सकती है।

अकादमी के सामने कुछ चुनौतियाँ हैं। कला-प्रदर्शनियों की संख्या बढ़ाना, पारदर्शी चयन प्रक्रिया बनाए रखना, कलाकारों को समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना, ग्रामीण कलाकारों तक पहुँचना, कला-बाजार से जोड़ना और स्थायी कला-संग्रह विकसित करना समय की आवश्यकता है। अनेक कलाकार अपनी कृतियों का उचित मूल्य प्राप्त नहीं कर पाते। अकादमी को कला-विक्रय, कला-परामर्श और ऑनलाइन प्रदर्शनी के लिए भी व्यवस्था करनी चाहिए। इससे कलाकारों को आजीविका का सहारा मिलेगा और कला-सृजन अधिक व्यापक होगा।

महिला कलाकारों, दिव्यांग कलाकारों, आदिवासी समुदायों और वंचित वर्गों से आने वाले कलाकारों के लिए विशेष अवसर उपलब्ध कराना भी जरूरी है। राजस्थान के जनजातीय अंचलों में अनेक लोककलाएँ और शिल्प परंपराएँ आज भी जीवित हैं। इन कलाकारों की प्रतिभा को मुख्यधारा के कला-मंच से जोड़कर न केवल उन्हें सम्मान दिया जा सकता है, बल्कि प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता को भी मजबूत किया जा सकता है।

राजस्थान ललित कला अकादमी ने प्रदेश की कला-यात्रा में एक महत्त्वपूर्ण आधार तैयार किया है। उसने कलाकारों को मंच दिया, प्रदर्शनियों की परंपरा विकसित की, युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित किया और कला को सार्वजनिक जीवन का हिस्सा बनाया। आज आवश्यकता है कि अकादमी अपने कार्यक्षेत्र को और व्यापक बनाए तथा कला को राजधानी से निकालकर प्रदेश के गाँवों, कस्बों और छोटे शहरों तक पहुँचाए।

कला किसी समाज का मौन इतिहास होती है। वह उन अनुभवों को अभिव्यक्ति देती है जिन्हें शब्दों में कहना कठिन होता है। राजस्थान की कला में यहाँ की रेत, लोकजीवन, संघर्ष, आस्था, उत्सव और मानवीय संवेदना का गहरा रंग दिखाई देता है। ललित कला अकादमी इस रंग-संसार की संरक्षक ही नहीं, बल्कि उसकी नई दिशाओं की खोजी भी है। यदि अकादमी परंपरा और आधुनिकता, लोक और शास्त्र, गाँव और शहर तथा कलाकार और दर्शक के बीच सशक्त संवाद स्थापित करती रहे, तो राजस्थान की कला न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि वैश्विक मंच पर भी अपनी विशिष्ट पहचान और प्रभाव बनाए रखेगी।

–अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार

मतदाता सूचियां, निर्वाचन आयोग और प्रमाण आधारित सार्वजनिक विमर्श : तथ्य, आरोप और कानून

सूर्यप्रताप सिंह राजावत

निर्वाचन आयोग के कामकाज से संबंधित प्रश्नों का परीक्षण संविधान, कानून, नियम, आधिकारिक अभिलेख, न्यायिक निर्णय और उपलब्ध प्रमाणों की कसौटी पर किया जाना चाहिए। मतदाता सूचियों, निर्वाचन आयुक्तों, मतदाता विवरणों और तकनीक को लेकर प्रश्न उठते हैं। इसलिए तथ्यों, लगाए गए आरोपों, कानूनी स्थिति और उपलब्ध प्रमाणों को स्पष्ट रूप से अलग-अलग समझना आवश्यक है।

तथ्य : मतदाता सूची की शुद्धता-मतदाता सूची की शुद्धता स्वयं एक वैधानिक आवश्यकता है। Representation of the People Act, 1950 में मतदाता के पंजीकरण, सामान्य निवास, एक से अधिक स्थानों पर पंजीकरण तथा त्रुटिपूर्ण या अपात्र प्रविष्टियों के सुधार और विलोपन से संबंधित व्यवस्था है। धारा 19 पंजीकरण का आधार प्रदान करती है। कानून एक व्यक्ति के एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में अथवा एक ही निर्वाचन क्षेत्र में एक से अधिक बार पंजीकरण को रोकता है। धारा 22 के अंतर्गत प्रविष्टि के संशोधन, स्थानांतरण या विलोपन से पहले उचित सत्यापन की आवश्यकता है। अतः अपात्र, मृत अथवा डुप्लीकेट प्रविष्टियों को हटाना वैधानिक व्यवस्था का हिस्सा है। साथ ही पात्र मतदाता का नाम गलत तरीके से न हटे, यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है।

आरोप या दावा : सॉफ्टवेयर का संभावित दुरुपयोग-सॉफ्टवेयर के संभावित दुरुपयोग का प्रश्न सार्वजनिक विमर्श में उठाया जाता है। तथ्य यह है कि निर्वाचन आयोग मतदाता सूची और निर्वाचन प्रशासन में तकनीक का उपयोग करता है। ERONET जैसी प्रणालियाँ निर्वाचन सूची प्रबंधन में उपयोग की जाती हैं। लेकिन यह अलग और अधिक गंभीर दावा है कि किसी सॉफ्टवेयर को किसी राजनीतिक दल या हित के पक्ष में जानबूझकर तैयार या संचालित किया गया। उपलब्ध सामग्री इस आरोप को स्थापित तथ्य के रूप में सिद्ध नहीं करती। ऐसे आरोप के लिए विशिष्ट तकनीकी या दस्तावेजी प्रमाण आवश्यक होंगे। इसलिए तकनीक की पारदर्शिता और ऑडिट-योग्यता पर प्रश्न उठाना तथा सॉफ्टवेयर को राजनीतिक रूप से पक्षपाती घोषित करना दो अलग बातें हैं।

तथ्य और कानूनी स्थिति : निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति-Anoop Baranwal v. Union of India (2023) में सर्वोच्च न्यायालय ने संसद द्वारा कानून बनाए जाने तक प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश से संबंधित चयन व्यवस्था निर्धारित की थी। इसके पश्चात संसद ने Chief Election Commissioner and Other Election Commissioners (Appointment, Conditions of Service and Term of Office) Act, 2023 पारित किया। इसकी धारा 7 के अनुसार चयन समिति में प्रधानमंत्री, प्रधानमंत्री द्वारा नामित केंद्रीय मंत्रिमंडल का मंत्री तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता को रखा गया है। यह वैधानिक तथ्य है। इसके विपरीत, यह कहना कि इस परिवर्तन से निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता निश्चित रूप से कमजोर हुई है, एक अलग संवैधानिक दावा है। उसका मूल्यांकन कानून, संस्थागत संरचना, सुरक्षा उपायों और न्यायिक परीक्षण के आधार पर किया जाना चाहिए।

तथ्य और कानूनी स्थिति : निर्वाचन आयुक्तों का संरक्षण-2023 के अधिनियम की धारा 16 मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्तों को उनके आधिकारिक कार्यों के दौरान किए गए कुछ कार्यों, बातों या कृत्यों के संबंध में निर्धारित दीवानी अथवा आपराधिक कार्यवाही से वैधानिक संरक्षण प्रदान करती है। इसे संविधान प्रदत्त प्रत्यक्ष प्रतिरक्षा के बजाय वैधानिक संरक्षण कहना अधिक सटीक है। संरक्षण का अस्तित्व तथ्य है, जबकि उसकी वैधता और सीमा अलग कानूनी प्रश्न हैं। अनुच्छेद 324(5) मुख्य निर्वाचन आयुक्त को विशेष सुरक्षा प्रदान करता है, जबकि अन्य निर्वाचन आयुक्तों के संबंध में मुख्य निर्वाचन आयुक्त की अनुशंसा का महत्व है।

आरोप या दावा : नामों और वर्तनी के आधार पर बहिष्करण-वर्तनी के मिलान में प्रशासनिक कठिनाई दिखाई देती है। निर्वाचन आयोग के SIR 2026 सर्चपोर्टल पर उल्लेख है कि पुराने और वर्तमान मतदाता रिकॉर्ड में नामों की वर्तनी अलग हो सकती है। मतदाताओं को वैकल्पिक वर्तनी से खोज करने की सलाह दी गई है और "Maneesh" तथा "Manish" जैसे उदाहरण दिए गए हैं। नाम और अन्य विवरणों से भी खोज की सुविधा है। यह रिकॉर्ड के मिलान में वर्तनी और लिप्यंतरण की कठिनाई दर्शाता है। लेकिन इन अंतरों का जानबूझकर पात्र मतदाता को बाहर करने के लिए उपयोग किया गया, यह अलग आरोप है। ऐसे मामलों के लिए स्वतंत्र प्रमाण आवश्यक होंगे। केवल वर्तनी का अंतर जानबूझकर बहिष्करण का प्रमाण नहीं है।

तथ्य : प्रवास और सामान्य निवास-Representation of the People Act, 1950 की धारा 20(1A) स्पष्ट करती है कि सामान्य निवास स्थान से अस्थायी अनुपस्थिति मात्र व्यक्ति को सामान्य निवासी नहीं रहने वाला नहीं बनाती। इसलिए रोजगार, शिक्षा अथवा आजीविका के लिए बाहर रहने वाले व्यक्ति को केवल इस आधार पर मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जा सकता कि वह अपने मूल स्थान पर उपस्थित नहीं है। निर्वाचन आयोग ने पंजीकरण, सुधार, निवास परिवर्तन, विलोपन पर आपत्ति और मतदाता सूची में नाम की जांच जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराई हैं। अतः सुधारात्मक व्यवस्था का अस्तित्व एक स्थापित तथ्य है।

आरोप या दावा : वृद्ध मतदाताओं और दस्तावेजी असंगतियों का प्रश्न-दस्तावेजी विवरणों में अंतर से मतदाता को कठिनाई की आशंका व्यक्त की जा सकती है। दस्तावेजी असंगतियों वाले नागरिकों की व्यावहारिक कठिनाइयों की जांच उचित है। लेकिन यह दावा कि वृद्ध मतदाताओं को व्यवस्थित रूप से केवल आयु के दस्तावेजी प्रमाण के कारण बाहर किया जा रहा है, उपलब्ध सामग्री से स्थापित तथ्य के रूप में नहीं कहा जा सकता। प्रशासनिक कठिनाई की संभावना और व्यवस्थित बहिष्करण के आरोप को अलग रखना आवश्यक है।

तथ्य : बिहार SIR पर सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय-बिहार की Special Intensive Revisions से संबंधित सर्वोच्च न्यायालय का 27 मई 2026 का निर्णय, Association for Democratic Reforms v. Election Commission of India, 2026, इस विमर्श में महत्वपूर्ण संदर्भ है। न्यायालय ने मतदाता सूचियों की शुद्धता से संबंधित प्रवास, मृत्यु की सूचना दर्ज न होने और डुप्लीकेट प्रविष्टियों जैसी समस्याओं पर विचार किया। मतदाता सूची की शुद्धता वास्तविक प्रशासनिक और संवैधानिक विषय है। लेकिन किसी समस्या पर न्यायिक विचार का अर्थ यह नहीं है कि निर्वाचन आयोग के विरुद्ध लगाए गए प्रत्येक आरोप स्वतः सिद्ध हो जाते हैं।

पैरा 55 में न्यायालय ने कहा कि SIR ve lees Representation of the People Act और 1960 के Rules से टकराती है और न स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन की संवैधानिक अनिवार्यता से विचलित होती है। न्यायालय ने को R.P. Act की धारा 21(3) को संविधान के अनुच्छेद 324 के साथ पढ़े जाने पर प्राप्त वैधानिक एवं संवैधानिक अधिकार-क्षेत्र से उत्पन्न प्रक्रिया माना। यह न्यायिक निष्कर्ष के विधिक आधार से संबंधित है; इससे सॉफ्टवेयर के राजनीतिक दुरुपयोग या प्रत्येक हटाए गए नाम के अवैध होने जैसे अलग आरोप स्वतः सिद्ध नहीं होते।

निष्कर्ष : तथ्य, आरोप और प्रमाण-मतदाता सूची का पुनरीक्षण अपने आप में अवैध नहीं है; कानून इसकी अनुमति देता है। वास्तविक प्रश्न है कि प्रक्रिया कानून, सत्यापन और सुधार के अवसर के साथ कैसे लागू होती है। निर्वाचन आयोग से संबंधित प्रत्येक आरोप को संविधान, जिोईूंग्दह द्ूप झदर्ज्तं ू, 1950, ुर्ेूग्दह द तंम्दे ल्ते, 1960, लागू नियमों-विनियमों, निर्वाचन आयोग के निर्देशों तथा संबंधित वास्तविक प्रक्रिया के संदर्भ में जांचा जाना चाहिए।

संवैधानिक संस्थाओं की आलोचना आवश्यक है, लेकिन आलोचना और आरोप में अंतर बनाए रखना भी आवश्यक है। तथ्य को आरोप और आरोप को सिद्ध तथ्य बताना सार्वजनिक विमर्श को भ्रमित कर सकता है। इसलिए पहले कानून और नियमों को देखा जाए, फिर प्रक्रिया को समझा जाए, उसके बाद वास्तविक तथ्यों और उपलब्ध प्रमाणों का सत्यापन किया जाए और अंत में निष्कर्ष निकाला जाए। यही प्रमाण-आधारित संवैधानिक विमर्श की अपेक्षा है।

–सूर्यप्रताप सिंह राजावत,
एडवोकेट
राज. हाईकोर्ट, जयपुर

रावल लक्ष्मणसिंह के काल से जुड़ा बाबा रामदेव मंदिर और रामदेसर बेरी, सामने विराजित है डांगरा परिवार की कुलदेवी शेढल माता

अचलदास डांगरा

जैसलमेर दुर्ग केवल पीले पत्थरों से निर्मित एक ऐतिहासिक किला नहीं है, बल्कि इसकी प्रत्येक पोल, चौक, मंदिर, कुआं और हवेली अपने भीतर सदियों पुरानी आस्था, परंपरा और लोकजीवन की कहानी समेटे हुए है। दुर्ग के प्रवेश मार्ग पर स्थित अखेपोल चौक भी ऐसी ही ऐतिहासिक और धार्मिक स्मृतियों का साक्षी है, जहां लोकमान्यताओं के अनुसार रावल लक्ष्मणसिंह के काल से बाबा रामदेवजी की भक्ति, जलसेवा और कुलदेवी आराधना की परंपरा जुड़ी हुई है।

जैसलमेर दुर्ग के प्रथम प्रवेश द्वार के रूप में प्रसिद्ध अखेपोल को पार करते ही जिस चौक में प्रवेश होता है, वहां सबसे पहले दिखाई देने वाले प्राचीन धार्मिक स्थलों में बाबा रामदेवजी का मंदिर प्रमुख है। स्थानीय इतिहास और लोकमान्यताओं में इस मंदिर के निर्माण को रावल लक्ष्मणसिंह के काल से जोड़ा जाता है। रावल लक्ष्मणसिंह का शासनकाल 14वीं-15वीं शताब्दी का माना जाता है और लोकदेवता बाबा रामदेवजी भी इसी कालखंड के महान संत एवं लोकनायक माने जाते हैं।

सामने कुलदेवी शेढल माता का प्राचीन मंदिर- बाबा रामदेवजी मंदिर के ठीक सामने डांगरा परिवार की कुलदेवी शेढल माता का प्राचीन मंदिर स्थित है। स्थानीय परंपरा के अनुसार इस मंदिर का निर्माण डांगरा जयदेव द्वारा संवत 1313 में करवाया गया था। यह मंदिर जैसलमेर के माहेश्वरी समाज के डांगरा, पंसारी और गोलकिया परिवारों की प्राचीन कुलदेवी की आराधना का प्रमुख केंद्र रहा है। इस प्रकार अखेपोल चौक में आमने-सामने स्थित ये दोनों धार्मिक स्थल जैसलमेर की धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत के दो महत्वपूर्ण पक्षों को सामने रखते हैं-एक ओर लोकदेवता बाबा रामदेवजी की लोकआस्था और दूसरी ओर कुलदेवी शेढल माता की पारिवारिक एवं सामाजिक आराधना।

रामदेसर बेरी-आस्था के साथ जलसेवा की परंपरा -अखेपोल चौक की इस धार्मिक परंपरा से जुड़ा एक अन्य महत्वपूर्ण स्मृति-चिह्न है रामदेसर बेरी, जिसे स्थानीय लोग रामदेसर कुएं के रूप में भी जानते हैं।

लोकमान्यता है कि बाबा रामदेवजी के मंदिर की स्थापना के समय श्रद्धालुओं, यात्रियों और चौक के निवासियों के लिए मीठे पानी की व्यवस्था की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इस जलस्त्रोत का निर्माण कराया गया। इसे बाबा रामदेवजी के प्रति श्रद्धा से जोड़ते हुए रामदेसर नाम दिया गया। स्थानीय इतिहास में यह मान्यता भी मिलती है कि रामदेसर बेरी का निर्माण रावल लक्ष्मणसिंह के समय अथवा राजपरिवार के संरक्षण में कराया गया था। हालांकि इस संबंध में उपलब्ध ऐतिहासिक प्रमाणों का स्वतंत्र दस्तावेजी सत्यापन आवश्यक है, लेकिन लोकस्मृति में रामदेसर बेरी और बाबा रामदेव मंदिर का संबंध लंबे समय से जीवित है।

दुर्ग में प्रवेश के साथ ही आस्था का संदेश -जैसलमेर दुर्ग की स्थापत्य योजना में प्रवेश द्वारों का विशेष महत्व रहा है। अखेपोल से भीतर प्रवेश करने वाला व्यक्ति इसी चौक में पहुंचता है। पुराने समय में ऐसे चौक केवल आवागमन के स्थान नहीं थे, बल्कि सुरक्षा, सामाजिक गतिविधियों और धार्मिक जीवन के भी महत्वपूर्ण केंद्र हुआ करते थे। अखेपोल चौक की बनावट और स्थिति को देखते हुए यह स्थान दुर्ग के सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन में महत्वपूर्ण रहा होगा। आज भी यहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए प्राचीन मंदिरों की उपस्थिति जैसलमेर की उस परंपरा का परिचय देती है जिसमें धर्म, जल और लोकजीवन एक-दूसरे से जुड़े हुए थे।

रामदेसर बेरी से जल मंदिर तक-सेवा की परंपरा कायम - समय के साथ दुर्ग के इस हिस्से में परिस्थितियां बदलीं। बाबो भली करे संस्था की देखरेख में बाबा रामदेवजी मंदिर के पुनरुद्धार का कार्य हुआ। मंदिर के सामने स्थित ऐतिहासिक रामदेसर बेरी को श्रद्धालुओं की सुविधा और चौक के विकास की दृष्टि से बंद किया गया तथा यहां विशाल चौक का स्वरूप विकसित किया गया। इसी क्रम में स्वर्गीय बद्री प्रसाद डांगरा की स्मृति में उनके परिवारजनों द्वारा शीतल पेयजल की सुविधा के लिए जल मंदिर का निर्माण कराया गया। यह परिवर्तन केवल एक पुराने जलस्त्रोत के स्थान पर नई व्यवस्था खड़ी करने की कहानी नहीं है। इसे व्यापक अर्थ में देखें तो यह जैसलमेर की उस पुरानी परंपरा की निरंतरता है जिसमें धार्मिक स्थलों के साथ पेयजल और जनसेवा को भी महत्व दिया जाता था।

इतिहास की परतों में दर्ज एक जीवंत चौक -अखेपोल चौक को यदि ध्यान से देखा जाए तो यहां इतिहास की कई परतें एक साथ दिखाई देती हैं-प्राचीन दुर्ग, प्रवेश द्वार, बाबा रामदेवजी का मंदिर, सामने स्थित शेढल माता का मंदिर, रामदेसर बेरी की स्मृति और वर्तमान में निर्मित जल मंदिर। यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। एक ओर रावल लक्ष्मणसिंह के काल से जुड़ी लोकमान्यता है, दूसरी ओर संवत 1313 से जुड़ी शेढल माता मंदिर की परंपरा और तीसरी ओर वर्तमान पीढ़ी द्वारा जलसेवा के रूप में निभाई जा रही सामाजिक जिम्मेदारी। जैसलमेर की ऐतिहासिक विरासत का वास्तविक अर्थ केवल पत्थरों और स्थापत्य को सुरक्षित रखना नहीं है। इन स्थानों से जुड़ी लोकस्मृतियों, धार्मिक परंपराओं, जलस्त्रोतों और जनसेवा की भावना को भी सुरक्षित रखना उतना ही आवश्यक है।

अखेपोल चौक इसी जीवंत विरासत का उदाहरण है-जहां सदियों पुरानी आस्था आज भी वर्तमान की सेवा भावना से जुड़ती दिखाई देती है। 25 साल की स्थानीय पत्रकारिता के अनुभव से देखें तो जैसलमेर दुर्ग की ऐसी छोटी-छोटी स्मृतियां ही उसके बड़े इतिहास को जीवंत बनाती हैं। रामदेसर बेरी की स्मृति और उसके स्थान पर निर्मित जल मंदिर इस बात का उदाहरण हैं कि समय बदल सकता है, व्यवस्थाएं बदल सकती हैं, लेकिन लोकसेवा और आस्था की परंपरा पीढ़ियों तक आगे बढ़ सकती है।

–अचलदास डांगरा,
वरिष्ठ पत्रकार, जेठापाड़ा
जैसलमेर

राशिफल शुक्रवार 9 अक्टूबर, 2026

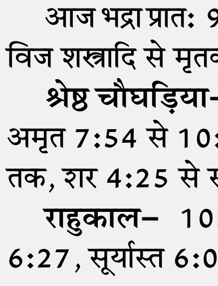

पंडित अनिल शर्मा

अश्विन मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत-2083, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 9:20 तक, ब्रह्म योग रात्रि 11:21 तक, विष्टि करण प्रातः 9:56 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति- सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कर्क, बुध-कन्या, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज भद्रा प्रातः 9:56 तक है। आज चौदस का श्राद्ध, विज शस्त्रादि से मृतकों का श्राद्ध है।

श्रेष्ठ चौघड़िया- चर सूर्योदय से 7:54 तक, लाभ अमृत 7:54 से 10:47 तक, शुभ 12:14 से 1:41 तक, शर 4:25 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल- 10:30 से 12:00 तक, सूर्योदय 6:27, सूर्यास्त 6:02

मेष

परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

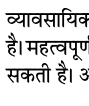

वृष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए समय अच्छा है। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

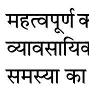

मिथुन

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

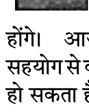

कर्क

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों/परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

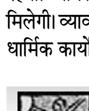

सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आज धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

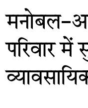

कन्या

मानसिक तनाव दूर होगा। मन:स्थिति में सुधार होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

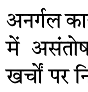

तुला

घर-गृहस्थी के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें।

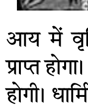

वृश्चिक

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

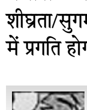

धनु

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

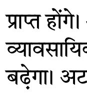

मकर

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक सफलता से आत्मविश्वास बढ़ेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

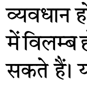

कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

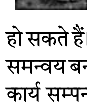

मीन

परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

Hero celebrates art forms of India.
Featuring Warli Art by Dilip Rama Bahotha from Maharashtra.
Hero
AAYA TYOHAAR
HERO PE SAWAAR
PRE-BOOK NOW TO GET DELIVERY
DURING NAVARATRI.
Splendor+
XTEC 2.0
DESTINI
LIMITED PERIOD OFFERS
CASH DISCOUNT UP TO ₹2500~
INSTANT DISCOUNT UP TO ₹10000^ SBI card HDFC BANK pine labs
LOW RATE OF INTEREST 6.99%*
EXCLUSIVE CORPORATE OFFER UP TO ₹3200~
For bulk / institutional inquiries, please write to us at : institutionalsales@heromotocorp.com | Available in CSD
INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply
Hero GoodLife Stand a chance to win 24 Carat Gold Coin and many more assured benefits@
Also Available on: Flipkart amazon.in
Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ~Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only, for a limited time period or till stock lasts. *Finance offer is at the sole discretion of the Financer, subject to its respective T&Cs, Available at select dealerships. ^T&C apply, Offer available only on limited stores. @Limited period offer, T&C apply.
TOLL FREE 1800 266 0018
अधिकृत डीलर: जयपुर: सूर्या हीरो, सीकर रोड़, लेन नं. 8, वीकेआईए, 9289922901, सुप्रीम हीरो, गोविन्द मार्ग, राजापार्क, 9289922197, आकड़ हीरो, अजमेर रोड, 9289922192, शुभम हीरो, सहकार मार्ग, 9289922207, कोटपूतली: चौधरी हीरो, 9289922797, मानपुर: सुखराम हीरो, 9783877225, एसोशिएट डीलर: मानसरोवर: आर.एल. मोटर्स, 9579258884, जगतपुरा: टीनिटी मोटर्स, 8003088062, करबला (जयपुर): सुपर मोटर्स, 8824088678, सिरसी रोड़ मीनावाला: रजत स्पीड जोन, 9261499995, बगरू: लाम्बा मोटर्स, 97728 81888, भांकरोटा: हरितवाल ऑटोमोबाइल्स, 9314013185, चाकसू: नाकोडा ऑटोमोबाइल, 9950560918, बस्सी: वरधानी ऑटोमोबाइल्स, 9414312552, सरफि ऑटोमोबाइल्स, 9414751333, दूदू: श्री गणेश ऑटोमोबाइल्स, 9352727667, शाहपुरा: सत्यम मोटर्स, 8104361919, हरमाड़ा: बी.एल. ऑटोमोबाईल्स, 9314050594, फुलेरा: अग्रवाल ऑटोमोबाइल्स, 9414818930, जमवा रामगढ़: उदय ऑटोमोबाइल्स, 9828090676, जोबनेर: केशव ऑटोमोबाईल्स, 8769505565, पावटा: पंकज मोटर्स, 96104 26700, कानोता: के.पी. ऑटोमोबाइल्स, 9414228404, मनोहरपुर: श्री कृष्णा मोटर्स, 8560000816, 9414643816, अचरोल: हैप्पी ऑटोमोबाइल, 9829321200, 7073888288 आंतेला: सैनी ऑटोमोबाइल्स, 7790999997, जयपुर: हार्दिक मोटर, 9828085118, रेनवाल मांजी: सालासर मोटर्स, 9001094391, मेढ़: किरण मोटर्स, 9314039090, वाटिका: बालाजी मोटर्स, 8875558222, 9549997999, तुंगा: जय बालाजी मोटर्स, 8094528008, 9549652279, कोटखावादा: श्री राम मोटर्स, 9414866716, विराटनगर: बागड़ा मोटर्स, 9928776482, वैशाली नगर: सिद्धिक मोटर्स, 9610444469, कुकस: आदित्य मोटर्स, 9829494009, दौलतपुरा: त्रिवेणी मोटर्स 6377644292, प्रताप नगर: आनंद मोटर्स 9773343232, सांगानेर: मुहाना मोटर्स, 9351591591, रायसर: श्री बालाजी मोटर्स, 9414493720 , झोटवाड़ा: प्राइम मोटर्स, 9358048181, एम आर मोटर्स, 0141-2348111, बेनर रोड: पूनिया मोटर्स, 9928868990, पालड़ी मीणा: बॉर्डर मोटर्स, 9376000602, बोराज: ओम मोटर्स, 9351825554.

सीकर में हिस्ट्रीशीटर सहित 25 बदमाशों ने 'एसपी ग्रुप' के संदीप पिलानिया की हत्या की

बदमाशों ने फावड़े से संदीप पिलानिया के सिर, मुंह और छाती सहित अन्य जगह चोटें मारी

- **हमलावरों ने युवक के साथी आनंद शर्मा का पीछा कर उसके भी हाथ-पैर तोड़ दिए, 25 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया**
- **स्मैक-एमडी व हथियार तस्करी सहित अन्य अवैध कार्यों में दोनों गैंग के बदमाशों के बीच आपसी रंजिश चल रही थी**

सीकर, (निसं)। सीकर में एक बार फिर गैंगवार में विरोधी गैंग ने एसपी गैंग के सरगना संदीप पिलानिया की हत्या कर दी। स्मैक व एमडी तस्करी व हथियार तस्करी सहित अन्य अवैध कार्यों में आपसी रंजिश होने पर बदमाशों ने एसपी गैंग के सरगना संदीप पिलानिया की विरोधी गैंग ने फावड़े से हमला कर हत्या कर दी।

मृतक ने अपने नाम से ही एसपी गैंग बना रखी थी। बदमाशों ने मृतक के सिर मुंह, छाती सहित अन्य जगह चोटें मारी। घटना बुधवार रात एक बजे के बीच रसीदपुरा के पास नायरा पेट्रोल पंप की है। आरोपियों ने युवक के साथी आनंद शर्मा का पीछा कर उसके भी हाथ-पैर तोड़ दिए। परिजन, ग्रामवासी व मृतक संदीप के दोस्त एसके हॉस्पिटल की मोर्चरी के बाहर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरना दे रहे हैं। मामले में मृतक के छोटे भाई कुलदीप पुत्र नेमीचंद निवासी अजीतपुरा ने एक हिस्ट्रीशीटर व छह नामजद आरोपियों सहित करीब 25 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। मृतक के पिता नेमीचंद आर्मी में हवलदार है।

सदर थाना पुलिस के अनुसार मृतक के भाई कुलदीप की ओर से दी एफआइआर में बताया कि संदीप पिलानिया (34) पुत्र नेमीचंद पिलानिया निवासी अजीतपुरा अपने प्रवीण, सोयल, आनंद, मोहित और मुकेश के साथ साथ बुधवार रात 12.30 बजे भढ़ाडर में वर्कशॉप से चला था। बदमाशों ने उनका पीछा करना शुरू कर दिया था। गाड़ी में पेट्रोल डलवाने के लिए वह भढ़ाडर स्थित नायरा पेट्रोल पंप पर गया। वहां गाड़ी घुमाते समय सामने से एक गाड़ी चालक ने टक्कर मारी, जिससे संदीप की गाड़ी बंद हो गई। इतने में तीन गाड़ियां और आई और उन्होंने भी संदीप की गाड़ी के टक्कर मारी। गाड़ियों में 20 से 25 बमाश सवार थे। हमलावरों में हिस्ट्रीशीटर जितेंद्र लोसल, नितेश उर्फ वीरू, उमेश बगड़िया उर्फ पोलक, अरबाज खान लक्ष्मणगढ़, कालू खेड़ी, सुमित सहित अन्य लोग शामिल थे।

संदीप व उसके साथी भागने लगे तो हिस्ट्रीशीटर जितेंद्र लोसल, उमेश बगड़िया उर्फ पोलक सहित अन्य आरोपियों ने संदीप पिलानिया व आनंद शर्मा उर्फ आनंद चैनपुरा को पकड़ लिया और फावड़ा, लाठी, सरियों व रॉड से जमकर मारपीट की। इससे संदीप पिलानिया की मौके पर मौत हो गई। आनंद शर्मा पुत्र रामोतार शर्मा निवासी सिंगनोर, गुढा, झुंझुनूं, हाल निवास पुरोहितजी की ढाणी वार्ड नंबर 46 सीकर पर सरियों व रॉड से जानलेवा हमला कर दिया। आनंद के बाएं पैर तीन फ्रैक्चर है। वहीं बाएं हाथ में कोहनी, कंधा व अंगुली में भी फ्रैक्चर है। उसका सीकर के निजी हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है, वह गाड़ी चलाता है।

शादी का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म का आरोप

मारपीट कर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने का भी आरोप लगाया, मामला दर्ज

अलवर, (निसं)। अलवर के एनईबी थाना क्षेत्र में एक महिला से ब्लैकमेल कर दुष्कर्म करने, मारपीट करने और जबरन धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने का मुकदमा दर्ज हुआ है। कोर्ट के आदेश (इस्तगासा) के बाद थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि मेरे बेटे के दोस्त का भाई मौसम खान मेरे घर आया। आरोपी ने मुझे नौकरी दिलाने का आश्वासन दिया और कहा कि वह उसे अपने साथ सहायक के रूप में काम पर रखेगा। पीड़िता ने बताया कि 12 सितंबर 2024 को मैं अपने बेटे की तलाश में आरोपी के साथ दिल्ली गई थी। वहां दिल्ली के एक होटल में आरोपी ने दो कमरे बुक कराए और चालाकी से मुझे अलग कमरे में रुकने पर मजबूर किया। रात को खाने में नशीला पदार्थ मिलाकर मुझे बेसुध कर दिया और उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान आरोपी ने मेरी अश्लील फोटो भी खींच ली। होश आने पर जब पीड़िता ने विरोध किया तो आरोपी ने फोटो वायरल कर बदनाम करने की धमकी दी। इसके बाद आरोपी लगातार ब्लैकमेल कर दुष्कर्म करता रहा। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी मौसम खान मुझ पर जबरन धर्म परिवर्तन करने के लिए भी दबाव बनाता था। मना करने पर आरोपी ने पीड़िता से मारपीट की और उसके मुंह पर तकिया लगाकर जान से मारने का प्रयास किया। इसके अलावा भी आरोपी ने घर में घुसकर पीड़िता से मारपीट की। मेरे बेटे को जान से मारने और जातिसूचक शब्द कहकर धमकी दे चुका है। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने आरोपी मौसम खान के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच पुलिस उप अधीक्षक मनीषा मीना को सौंपी गई है।

परबतसर क्षेत्र के सीडीयास गांव के जंगल में नर पैंथर का शव मिला

परबतसर, (निसं) क्षेत्र के सीडीयास गांव के जंगल में नर पैंथर का शव मिलने से वन विभाग में हड़कंप मच गया। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को सुरक्षित रेंज परिसर लाया गया। मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाने के बाद अधिकारियों की मौजूदगी में पैंथर का अंतिम संस्कार किया गया।

- **सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को रेंज परिसर लाया गया**
- **मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम के बाद अधिकारियों की मौजूदगी में पैंथर का अंतिम संस्कार किया गया**

परबतसर के सीडीयास गांव के जंगल में पैंथर का शव मिला।

जानकारी के अनुसार क्षेत्रीय वन अधिकारी कार्यालय परबतसर रेंज के अधीन वन क्षेत्र में सीडियास के जंगल में एक नर पैंथर का शव मिला। सूचना मिलते ही रेंजर राकेश मालाकार के नेतृत्व में राहुल सोहन सारण, बलबीर, लक्ष्मण सिंह सहित वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने मौके का जायजा लेने के बाद पैंथर के शव को सुरक्षित तरीके से रेंज परिसर पहुंचाया। वन विभाग के अनुसार प्रथम दृष्टया पैंथर की मौत आपसी संघर्ष के कारण होने की आशंका है। इसके बाद पशु चिकित्सा अधिकारियों के गठित मेडिकल बोर्ड ने रेंज परिसर में मृत पैंथर का पोस्टमार्टम किया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद वन्यजीव संरक्षण नियमों और उच्च अधिकारियों के दिशा-निर्देशों के अनुसार अधिकारियों को मौजूदगी में पैंथर के शव का अंतिम संस्कार किया गया। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार पैंथर की मौत का वास्तविक और सटीक कारण मेडिकल बोर्ड की अंतिम पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा।

अरावली क्षेत्र में लगातार देखी जा रही है मूवमेंट :-परबतसर क्षेत्र पहाड़ी और अरावली की पर्वत श्रृंखला से जुड़ा हुआ है। किनसरिया पहाड़ी से मांडण, हुलदाणी, मेहगांव रोड, पीर साहब की पहाड़ी होते हुए सीडियास-कुंडीयास तक के जंगल एवं पहाड़ी क्षेत्र में अक्सर पैंथर की मूवमेंट देखी जाती है। कुछ दिन पहले भी मेहगांव के आसपास के जंगलों में पैंथरों की मौजूदगी देखी गई थी। इस दौरान पैंथरों ने कई गायों का शिकार किया था, जिसकी सूचना वन विभाग को दी गई थी। ऐसे में क्षेत्र में पैंथर की लगातार मौजूदगी को लेकर ग्रामीणों में भी चिंता बनी हुई है।

जोधपुर में ज्वैलरी दुकान सहित तीन जगहों पर चोरी

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट के तीन पुलिस थाना क्षेत्रों में नकबजनों ने दो दुकानों और एक मंदिर में सैंध लगाकर वहां से ज्वैलरी, सामान और दानपेटी आदि चोरी कर लिए। संबंधित थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अब जांच आरंभ की है।

बनाड़ पुलिस ने बताया कि खसरा नंबर 16 मैन बनाड़ रोड निवासी श्याम सुंदर पुत्र रतनसिंह ने रिपोर्ट दी कि उसकी एक ज्वैलरी शॉप बनाड़ रोड पर नवरतन ज्वैलर्स के नाम से आई है। जहां पर गत रात में चोरों ने दुकान के शटर के ताले तोड़कर चांदी के आभूषण, बर्तन आदि चोरी कर ले गए। बनाड़ पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज से चोरों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। दूसरी तरफ मंडोर पुलिस के अनुसार जूनी बागर महामंदिर निवासी मुकेश पुत्र नारायण सिंह ने रिपोर्ट दी कि उसका एक 100 केवी का जनरेटर सुरपुरा रोड बालाजी नर्सरी पर रखा हुआ था, जोकि अज्ञात चोर चुराकर ले गया। फिलहाल जनरेटर का पता नहीं लगा है। वहीं लूणी पुलिस ने बताया कि कांकाणी निवासी गजेंद्र सिंह पुत्र मोहनसिंह ने रिपोर्ट दी कि रातड़ीनाडी में नागणेच्या माता का मंदिर आया है, जहां पर चोरों ने सैंध लगाकर दानपेटी चोरी कर ली। इसमें एक लाख तक की नगदी भरी थी।

फैक्टरी से 450 टन अवैध बजरी का स्टॉक जब्त

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में चलाये गये विशेष अभियान अवैध बजरी खनन व परिवहन व भंडारण के विरूद्ध पीपलू वृताधिकारी विनोद कुमार के नेतृत्व में पुलिस बरोनी थाना टीम ने कार्रवाई करते हुए एस.एम. सीमेन्ट प्रोडक्टस नामक फैक्टरी पर करीब 450 टन अवैध बजरी भण्डार को जब्त किया गया तथा बुधवार रात्रि के दौरान पहाड़ी गांव के पास से दो ट्रैक्टर-ट्रॉली अवैध बजरी परिवहन करते हुए जब्त किये गये।

- **पहाड़ी गांव के पास से भी अवैध बजरी परिवहन करते हुए दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किये**

बरोनी थानाधिकारी ने बताया कि अवैध बजरी भण्डारण की सूचना पर बरथल तिराहे के पास स्थित एस.एम. सीमेन्ट प्रौडक्टस नामक सीमेन्ट पॉल पाईप फैक्टरी पर फैक्टरी चैकिंग की गई तो फैक्टरी परिसर मे तीन जगह पर करीब 450 टन बजरी का भण्डारण पाया गया, जिसके बाद स्टॉक को जब्त कर फैक्टरी संचालक को नोटिस जारी करते हुए सात दिन में आवश्यक दस्तोवज पेश करने हेतु निर्देशित किया गया। वहीं अन्य टीम ने बुधवार रात्रि के दौरान पहाडी गांव के पास से दो ट्रैक्टर ट्रोली मय अवैध बजरी के जब्त किया गया है।

Rajasthan State Road Development And Construction Corporation Ltd., JAIPUR

No.NIT/2026-27/8158-66 अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 413/2026-27 Date:07.10.2026

निम्नलिखित कार्य के लिए केन्द्र/राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों एवं उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है-

कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (रू.)
Construction of Synthetic Atheletic Track at District Stadium, Dungarpur. UBN: RRC2627WSOB00674	464.52 Lakh
Construction of Multipurpose Indoor Hall at District Stadium, Dungarpur. UBN: RRC2627WSOB00675	304.96 Lakh

निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र में निविदा शुल्क, धरोहर राशि, डाउनलोड करने व खोलने की तारीख सहित सम्पूर्ण विवरण एवं संशोधन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in तथा http://pwd.rajasthan.gov.in/rsrdc पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

महाप्रबंधक

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर

टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001

दुरभाष स. 0294-2421255, 2420013, Helpline no.0294-2426262,

Email:- ceoudr.lsg@rajasthan.gov.in electricalumc50@gmail.com Website :- https://udaipurmc.org/

क्रमांक :-ननिउ / विद्युत / 2026-27 / 542 दिनांक :- 06.10.2026

ई-बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई 10/2026-27

नगर निगम कार्यालय उदयपुर द्वारा विद्युत शाखा से सम्बंधित विभिन्न विकास कार्य जिसकी कुल अनुमानित लागत राशि 159.46 लाख हेतु ई-प्रोक्यूरमेन्ट के माध्यम से ऑनलाईन निविदा दिनांक 20.10.2026 समय सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत जानकरी www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

UBN No. UNP2627WSRC00105

आयुक्त
नगर निगम, उदयपुर

राज.संवाद / सी / 26 / 11514

झालावाड़ केन्द्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड

प्रधान कार्यालय, "सहकार भवन, झालावाड़" एन एच -52, झालरापाटन -326023

क्रमांक :- जेकेएसबी/फा.( )स्टोर/2026-27/ दिनांक :- 06/10/2026

निविदा सूचना

बैंक शाखाओं में OFFICE FURNITURE & STEEL STORAGE ITEMS हेतु NIT NO.-004/2026-27 द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र निर्धारित दिनांक 25 / 10 / 2026 को सायं 02:00 बजे तक निर्धारित निविदा अनुसार बैंक प्रधान कार्यालय, सहकार भवन, NH-52, झालरापाटन-326023 में भिजवाये जा सकते है। विस्तृत जानकारी बैंक की वेबसाईट http://www.ccbjhalawar.bank.in तथा SPPP Portal - http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

NIB Code - JKS2627A0014, UBN NO.- JKS2627GLOB00014

राज.संवाद/सी/26/11498 प्रबंध निदेशक

कार्यालय अधिशाषी अभियंता

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, ग्रामीण खण्ड भीलवाड़ा

पुर रोड, भीलवाड़ा, फोन नं. 01482-240044

कमांक/अअ/भील/ग्रा.खण्ड/2025-26/2586-87 दिनांक :-30.09.2026

निविदा सूचना संख्या 47-50/2026-27

NIB Code: PHE2627A2974, PHE2627A2976

राजस्थान के राज्यपाल महोदय, की ओर से इस कार्यालय द्वारा 04 कार्यो हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ई- टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसका समस्त विवरण वेबसाईट http:/eproc.rajasthan.gov.in व SPPP.rajasthan.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है।

UBN NO: PHE2627WSRC06272, 74, 79-80

अधिशाषी अभियंता
जन स्वा. अभि. विभाग,
ग्रामीण खण्ड भीलवाडा

DIPR/C/17338/2026

जोधपुर में आईटीआई के ऑफिस में आग लगी

जोधपुर, (कासं)। काजरी रोड आईटीआई सर्किल स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में गुरुवार सुबह डिप्टी डायरेक्टर ऑफिस में अचानक आग लग गई। सूचना पर फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची और करीब 20 मिनट में आग पर काबू पा लिया गया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। गनीमत रही कि आग लगने के समय ऑफिस बंद था और वहां कोई मौजूद नहीं था।

जानकारी के अनुसार घटना सुबह करीब 8 बजे की है। आग पहले ऑफिस में लगी थी और फिर वायरिंग के जरिए बरामदे तक पहुंच गई। डिप्टी डायरेक्टर डॉ. जगदीश प्रसाद ने बताया कि आग की सूचना पर संस्थान के अधिकारी एवं कर्मचारी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए। आग के कारण डिप्टी डायरेक्टर ऑफिस में रखे कंप्यूटर, टीवी, फर्नीचर, बिजली उपकरण, मॉडम, सीलिंग, दरवाजे और कैमरा सिस्टम सहित अन्य सामान जल गया है। इसके अलावा मुख्य भवन की बिजली वायरिंग और अन्य कमरों में लगे बिजली उपकरण व एसी आदि को भी नुकसान पहुंचा है।

जोधपुर से पेशी से लौट रहे झाड़ोल एसएचओ की सड़क हादसे में मौत, कॉन्स्टेबल घायल

उदयपुर/जोधपुर, (कास)। उदयपुर जिले के झाड़ोल थाना एसएचओ बुद्धराम विश्नोई की बुधवार देर रात सड़क हादसे में मौत हो गई। वे जोधपुर हाईकोर्ट में पेशी के बाद कार से उदयपुर लौट रहे थे। हादसा जोधपुर के चामू थाना क्षेत्र में रात 12 बजे हुआ। वहीं हादसे में कार ड्राइवर भी घायल हो गया, जिसे एंबुलेंस से प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

- **एसएचओ बुद्धराम विश्नोई जोधपुर हाईकोर्ट में पेशी के बाद कार से उदयपुर लौट रहे थे**
- **जोधपुर के चामू थाना क्षेत्र में सामने की गाड़ी की हेडलाइट आंखों पर पड़ने से खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली से कार टकराई गई थी**
- **बुद्धराम बिश्नोई चामू के ही रहने वाले थे और दो महीने पहले ही उनका ट्रांसफर बांसवाड़ा से उदयपुर के झाड़ोल में हुआ था**

पुलिस के अनुसार थानाधिकारी की कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का बोनट और छत टूटकर बिखर गई। एसएचओ ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि ड्राइवर कॉन्स्टेबल घायल हो गया। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को चामू के सरकारी हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया। घायल कॉन्स्टेबल का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

चामू थानाधिकारी हनुमान बिश्नोई ने बताया जांच में पता लगा है कि उनकी कार अनियंत्रित हुई थी। रात के समय सामने से आ रही गाड़ी की हेडलाइट आंखों पर पड़ने से सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली नहीं दिखी जिससे कार उससे भिड़ गई। बिश्नोई ने बताया कि बुद्धराम बिश्नोई चामू के ही रहने वाले थे और दो महीने पहले ही उनका ट्रांसफर बांसवाड़ा से उदयपुर के झाड़ोल में हुआ था।

कार्यालय अधीक्षक, सुपरस्पेशियलिटी चिकित्सालय

राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं संलग्न चिकित्सालय समूह, रंगबाडी रोड, कोटा (राज.) पिनकोड-324005

क्रमांक : प.()/ लेखा/क्रय/न्यूरोसर्जरी / 2026-27/872 दिनांक: 29.09.2026

ONLINE OPEN BOLI NO: 12/2026-27(E-Tender)

UBN: CMK2627GLO B00167

सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सालय कोटा एवं चिकित्सा महाविधालय कोटा से सम्बद्ध चिकित्सालयों के Neurosurgery Department हेतु Implant, Consumable Items, Aneurysm Clip (Sugita type), Instruments, Electric Drill (Manman) etc. के क्रय हेतु द्विवार्षिक दर संविदा जिसकी अनुमानित लागत राशि रूपये 3.70 करोड़ (अक्षरे तीन करोड़ सत्तर लाख रूपये) अतिरिक्त के मूल निर्माताओं / अधिकृत विक्रेताओं / वितरकों / सदभावी व्यवहारियों से ई-उपापन प्रक्रिया से दिनांक 29.9.2026 प्रातः 10 बजे से दिनांक 29.10.2026 को सायं 5.00 बजे तक ऑन लाइन बोली आमंत्रित की जाती है। समस्त बोली एवं बोली प्रपत्र दिनांक 29.09.2026 सांय 05.00 बजे से दिनांक 29.10.2026 सांय 05.00 बजे तक ऑन लाइन आमंत्रित की जाती है। बोली से संबंधित समस्त विवरण वेबसाइट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.education.rajasthan.gov.in/gmckota एवं sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

अधीक्षक
एस.एस.एच., कोटा (राज.)

DIPR/C/17170/2026

बीकानेर में शुरू होने वाली सिरेमिक लैब को जयपुर ले जाने की तैयारी

बीकानेर के क्ले खान मालिकों को क्ले, अन्य खनिजों और सिरेमिक प्रोडक्ट की जांच के लिए यूपी व गुजरात जाना पड़ता है

बीकानेर, (निसं)। लंबे प्रयासों के बाद बीकानेर में शुरू होने वाली सिरेमिक लैब को जयपुर ले जाने की तैयारी कर ली गई है। सरकार की बजट घोषणा में जयपुर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर माइनिंग एंड मिनरल की घोषणा की गई थी। बीकानेर की सिरेमिक लैब को गुपचुप तरीके से उसी में समाहित किया जा रहा है।

- **सरकार की बजट घोषणा में जयपुर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर माइनिंग एंड मिनरल की घोषणा की गई थी, इस लैब को गुपचुप तरीके से उसी में समाहित किया जा रहा है**

बीकानेर में क्ले की करीब 200 खानें हैं। इन खान मालिकों को क्ले अन्य खनिजों और सिरेमिक प्रोडक्ट की गुणवत्ता की जांच के लिए यूपी के अलीगढ़ में खुर्जा, गुजरात के अहमदाबाद, मोरबी जिलों में जाना पड़ता है। इसे देखते हुए सालों से सिरेमिक लैब शुरू करने की आवश्यकता जताई जा रही थी और वर्ष, 24-25 के बजट में सरकार ने इसकी घोषणा भी कर दी। बीकानेर के बीटीयू में सिरेमिक लैब खोलना तय किया गया और सरकार से इसके लिए बजट की पहली किस्त में करीब 2 करोड़ रुपए का बजट भी मिल गया। लेकिन, अब बीकानेर की सिरेमिक लैब को गुपचुप तरीके से जयपुर ले जाने की तैयारी कर ली गई है। वर्ष, 2025-2026 के बजट में सरकार ने जयपुर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर माइनिंग एंड मिनरल्स की घोषणा की थी। बीकानेर की सिरेमिक लैब को उसी में समाहित किया जा रहा है, जबकि उपयोगिता बीकानेर में ज्यादा है।

इस संबंध में खान एवं भूविज्ञान विभाग की विशिष्ट शासन सचिव नम्रता वृष्णि ने लैब संचालन गवर्निंग काउंसिल के सचिव और खान निदेशक को अवगत करा दिया है। इस दौरान बीकानेर को सिरेमिक लैब के उपकरण खरीदने के लिए मिले दो करोड़ रुपए भी भवन की उपलब्धता नहीं होने के कारण लैप्स हो गए। नए सिरे से बजट के प्रस्ताव भेजे गए जो ठंडे बस्ते में पड़े हैं। गौरतलब है कि बीकानेर में लैब संचालन के लिए गर्वनिंग काउंसिल और एग्जीक्यूटिव कमेटी का गठन भी कर लिया गया था। गवर्निंग काउंसिल में खान एवं पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख शासन सचिव और खान निदेशक अध्यक्ष व सचिव के रूप में शामिल थे।

मेजर उपकरणों के लिए 4.8 करोड़ रुपए के प्रस्ताव भेजे थे : बीकानेर में सिरेमिक लैब शुरू करने के लिए आधुनिक उपकरण खरीदे जाने थे। मेजर उपकरण एक्सआरएफ (एक्स-रे फोरेसेंस), पार्टिकल साइज एनालाइजर, डीएससी और डाइलेटोमीटर की जरूरत होती है। इसके अलावा दो साल की मैनपॉवर के लिए 20-25 लाख रुपये और सिविल वर्क और इलेक्ट्रिक मेंटेनेंस के लिए 15-20 लाख रुपए सहित कुल 4.8 करोड़ रुपए के प्रस्ताव जयपुर भेजे गए थे। सरकार से दो करोड़ रुपए का बजट भी मिला जो लैप्स हो गया था।

के.बी. गुप्ता, सिरेमिक व्यवसायी ने कहा कि बीकानेर में क्ले की करीब 200 खानें हैं। इनका 60-70 प्रतिशत माल मोरबी जाता है। खरीदार, इंडस्ट्रियल खान मालिकों से क्ले की गुणवत्ता की रिपोर्ट मांगते हैं। खान मालिकों को दूसरे राज्यों की लैब से टेस्टिंग करवानी पड़ती है। जहां कहीं सिरेमिक प्रोडक्ट तैयार होते हैं तो उनकी भी लैब में टेस्टिंग रिपोर्ट तैयार की जाती है। बीकानेर के गजनेर में सिरेमिक हब बनना है इंडस्ट्री पनपने की पूरी संभावना है। जयपुर से ज्यादा सिरेमिक लैब की जरूरत बीकानेर में है। बीकानेर में लैब होने से आसपास के राज्य भी अपने प्रोडक्ट की टेस्टिंग यहां करवाएंगे और सरकार को रेवेन्यू मिलेगी।

राजीव कश्यप, एग्जीक्यूटिव कमेटी के सदस्य सचिव और अतिरिक्त निदेशक भूविज्ञान का कहना है कि बीकानेर में सिरेमिक लैब के संबंध में खान निदेशक को पत्र लिखकर मार्गदर्शन मांगा गया है। इस संबंध में अभी कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला है। दुबारा बजट के प्रस्ताव भेजे गए थे, लेकिन जवाब नहीं मिला।

नदबई में डॉक्टर और दलाल रिश्वत लेते ट्रैप

एसीबी की टीम ने वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. शशिकान्त शर्मा और उसके दलाल त्रिलोकचन्द शर्मा को गिरफ्तार किया।

भरतपुर, (निसं)। नदबई से भ्रष्टाचार का बड़ा मामला सामने आया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की धौलपुर चौकी ने ट्रैप कार्रवाई करते हुए राजकीय चिकित्सालय नदबई के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. शशिकान्त शर्मा और उसके दलाल त्रिलोकचन्द शर्मा उर्फ चीनू को 35 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोप है कि रिपोर्ट में हैवी एमएलसी बनाने के नाम पर डॉक्टर ने दलाल के जरिए 35 हजार रुपये की मांग की गई थी।

- **आरोप है कि मेडिकल रिपोर्ट में हैवी एमएलसी बनाने के नाम पर डॉक्टर ने दलाल के जरिए रुपये मांगे थे**

जानकारी के अनुसार परिवादी ने नदबई थाने में मारपीट का केस दर्ज कराया था, जिसमें परिजनों की मेडिकल रिपोर्ट नदबई अस्पताल में होनी थी। आरोप है कि मेडिकल रिपोर्ट में हैवी एमएलसी बनाने के नाम पर डॉक्टर ने दलाल के जरिए 35 हजार रुपये की मांग की। शिकायत पर एसीबी ने गोपनीय सत्यापन कराया, जिसमें आरोप सही पाए गए। इसके बाद एसीबी टीम ने जाल बिछाया। दलाल चीनू को रिश्वत लेते पकड़ा गया और राशि उसकी पैंट की जेब से बरामद हुई, जबकि डॉक्टर को सरकारी आवास से डिटेन किया गया है।

Office of Executive Engineer
PHED, Division Nadbai

No.F()EE/NDB/2026-27/1208 Date: 30/09/2026

Notice Inviting Bid No.40-44/2026-27

NIB No. 40-44 bids for Repair and maintenance works (05 works), Costing Rs 20.8 Lacs is invited on behalf of the Governor of Rajasthan from eligible enlisted in appropriate class contractors of PHED, Rajasthan and meeting eligibility criteria. Contractors enlisted with other departments of Government of Rajasthan and enlisted with CPWD/Postal/ Telecom/ Railway/ MES/ other State Government/ Central Government undertakings/ organization in class equivalent to "A/AA" class of Rajasthan (as applicable) and meeting prescribed eligibility criteria may also apply. Details of this Bid notification can also be seen in NIB exhibited on' web site www. http://sppp.rajasthan.gov.in .Tander selling and receiving date 14.10.2026 up to 4:00pm. & Bids are to be opened at 02:00 PM on 15.10.2026. NIBCode :PHE2627A2865 UBNNO:PHE2627WSOB06061, PHE2627WSOB06062, PHE2627WSOB06064, PHE2627WSOB06066, PHE2627WSOB06067

Avlok Kumar Meena
Executive Engineer
PHED, Division Nadbai

DIPR/C/17208/2026

जयपुर विकास प्राधिकरण

इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004

क्रमांक: जविप्रा/अधि.अभि.जोन-सी-1/2026-27/डी-87 दिनांक : 01.10.2026

बिड सूचना संख्या अधि.अभि.जोन-सी-1/02/2026-27

आयुक्त जयपुर विकास प्राधिकरण की ओर से कार्य **"Fencing work of JDA properties in Zone C-1 area, Jaipur"** कार्य में राशि रू. 24.97 लाख के लिए दिनांक 12.10.2026 सायं 6.00 बजे तक मोहरबन्द निविदा आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण को, जो कि निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है, अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में अथवा राजस्थान सरकार के उपापन पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in एवं जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

(UBN No.: JDA2627A0350)

निविदादाता को निविदा में भाग लेने हेतु आवश्यक है कि :-

1. जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाइट www.jda.rajasthan.gov.in पर पंजीकृत हो। निविदा शुल्क व आर.आई.एल.एल. प्रक्रिया शुल्क केवल ऑन लाईन ही देय होगी। बिड सिक्युरिटी के संबंध में निविदा में भाग लेने हेतु विहित प्रारूप (संलग्न) में घोषणा भर कर संलग्न करें।
2. ऑनलाईन निविदा में भाग लेने हेतु राजस्थान सरकार के पोर्टल www.eproc.rajasthan.gov.in पर पंजिकृत हो

राज.संवाद/सी/26/11484 अधिशाषी अभियन्ता जोन-सी-1

न्यू सांगानेर रोड पर तोड़फोड़ के लिए "लाल निशान" लगाने पर बवाल मचा

व्यापारियों व महिलाओं ने सड़कों पर टायर जलाकर जेडीए कार्रवाई का विरोध किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। न्यू सांगानेर रोड को 100 फीट चौड़ा करने के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की कार्रवाई के विरोध में स्थानीय लोगों और व्यापारियों का प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी रहा। गुरुवार को महिलाओं सहित बड़ी संख्या में लोग सड़क पर जुटे और टायर जलाकर विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों ने जेडीए के नाम से प्रतीकात्मक अर्थी निकाली और नारेबाजी की। प्रदर्शन के कारण सोडाला और न्यू सांगानेर रोड पर यातायात प्रभावित रहा।

ज्ञात रहे कि जेडीए प्रशासन, सोडाला तिराहे से गुर्जर की थड़ी तक सड़क चौड़ी करने के लिए कार्रवाई कर रहा है। जेडीए के अनुसार

- **सोडाला से गुर्जर की थड़ी के बीच न्यू सांगानेर रोड को 100 फीट चौड़ा करने जेडीए ने दिए हैं 210 नोटिस**
- **जेडीए प्रशासन करीब 1.7 कि.मी. दूरी में कार्रवाई की तैयारी में है, उधर लोगों ने दीपावली तक की मोहलत मांगी**

सड़क सीमा में आने वाले निर्माणों को हटाया जाना है। कार्रवाई के दायरे में 210 संपत्तियों को नोटिस दिए गए हैं। इनमें मकान, दुकान, शोरूम, दीवार, रैंप सहित विभिन्न तरह के अतिक्रमण शामिल हैं। स्थानीय लोगों का दावा है कि 200 से अधिक मकान-दुकानें प्रभावित हो सकती है।

5 अक्टूबर को हुई थी 700 मीटर में दूरी में कार्रवाई

जेडीए ने 5 अक्टूबर से न्यू सांगानेर रोड पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की थी। पहले चरण में सड़क के दोनों ओर करीब 700 मीटर हिस्से से रैंप, रेलिंग, फुटपाथ, टिनशेड, सीढ़ियां और बाउंड्रीवॉल सहित निर्माण हटाए गए। अब करीब 1.7 किलोमीटर शेष हिस्से में कार्रवाई की तैयारी है। जेडीए के अनुसार पूरी सड़क पर करीब 260 अवैध निर्माण हटाए जाने हैं। प्रवर्तन शाखा के पुलिस उपाधीक्षक इस्लाम खान ने बताया कि हाईकोर्ट के निर्देश पर डिमार्केशन कराया गया, नोटिस दिए गए और पीटी सर्वे भी कराया गया है। उन्होंने कहा कि आपत्तियों की प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई आगे बढ़ाई जाएगी।

न्यू सांगानेर रोड पर तोड़फोड़ के विरोध में महिलाओं व व्यापारियों ने जेडीए के नाम से प्रतीकात्मक अर्थी निकालकर विरोध किया, जिस पर पुलिस से झड़प भी हुई।

नगर निगम से जुड़ी 124 आपत्तियां लंबित

जेडीए के अनुसार नगर निगम से संबंधित 124 आपत्तियां अभी लंबित हैं। इनमें करीब 100 आपत्तियां नगर निगम के क्षेत्राधिकार से जुड़ी बताई जा रही हैं। जेडीए ने इनके निस्तारण के लिए हाईकोर्ट से चार सप्ताह का समय मांगा है। मामले में करीब दो सप्ताह बाद फिर सुनवाई होनी है। इससे पहले जेडीए ने 6 अक्टूबर को हाईकोर्ट में कार्रवाई की पालना रिपोर्ट भी पेश की थी। इसके बावजूद प्राधिकरण ने 9 अक्टूबर से आगे की कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है।

नगर निगम सिविल लाइंस जोन के उपायुक्त मनोहर लाल जाट ने कहा कि जानकारी मिलने के बाद टीम गठित की गई है और दस्तावेजों का मिलान किया जा रहा है। अशोक नगर में निगम की ओर से कुछ पट्टे जारी किए गए हैं। इनकी संख्या टीम की रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट होगी।

व्यापारी बोले "डिमार्केशन का आधार स्पष्ट नहीं"

न्यू सांगानेर रोड व्यापार मंडल के महामंत्री पंकज शर्मा ने कहा कि व्यापारियों का विरोध डिमार्केशन को लेकर भी है। उनका कहना है कि सड़क चौड़ीकरण का आधार स्पष्ट नहीं हो पा रहा है। स्थानीय लोगों और व्यापारियों ने विवेक विहार और श्याम नगर मेट्रो स्टेशन परिसरों को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि एक ही रोड एलाइनमेंट पर स्थित इन परिसरों को कार्रवाई से अलग रखा गया, जबकि आसपास की निजी संपत्तियों पर लाल निशान लगाए गए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पहले डिवाइडर को सड़क का मध्य बिंदु मानकर दोनों ओर समान कार्रवाई की बात कही गई थी, लेकिन मौके पर निशान लगाते समय गूगल कोऑर्डिनेट के आधार पर अलग-अलग माप किया गया। इससे एक तरफ अधिक और दूसरी तरफ कम हिस्से में लाल निशान लगाए गए।

'पुराने पट्टे हैं, फिर भी अतिक्रमण बताया'

स्थानीय निवासी मनोज कुमावत ने कहा कि जेडीए में उन्हें अलग नक्शा दिखाया गया था, जबकि निशान लगाने के दौरान अलग स्थिति सामने आई। उन्होंने कहा कि वर्षों पुराने प्रतिष्ठानों को अतिक्रमण बताया जा रहा है और कार्रवाई हुई तो कई परिवार सड़क पर आ जाएंगे। संजय शर्मा ने आरोप लगाया कि आपत्तियों के निस्तारण की जानकारी नहीं दी जा रही। उन्होंने 1979 का सोसायटी पट्टा होने का दावा किया। व्यापारियों का कहना है कि उनके पास पुराने पट्टे और दस्तावेज हैं, इसके बावजूद संपत्तियों को अतिक्रमण की श्रेणी में रखा जा रहा है।

व्यापारियों ने दिवाली तक मोहलत की मांग

व्यापारी विजय मोदी ने जेडीए से दीपावली तक कार्रवाई रोकने की मांग की। उनका कहना है कि त्योहार से पहले आनन-फानन में कार्रवाई से कारोबार प्रभावित होगा। स्थानीय महिला पूनम शर्मा ने कार्रवाई का विरोध करते हुए कहा कि इसे रोका जाना चाहिए। अर्चना बालोदिया ने कहा कि कम समय के नोटिस पर कार्रवाई की जा रही है। बलजीत कौर ने मुआवजे और वैकल्पिक व्यवस्था का मुद्दा उठाते हुए कहा कि लोगों के सामने घर और रोजगार का संकट खड़ा हो सकता है। प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों की ओर से आत्मदाह जैसे कदम उठाने की धमकी दिए जाने से स्थिति की संवेदनशीलता भी बढ़ गई। पुलिस जाब्ता तैनात रहा और यातायात को नियंत्रित किया गया।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद हुई कार्रवाई

न्यू सांगानेर रोड के प्रभावित व्यापारियों ने हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का भी रुख किया था, लेकिन उनकी याचिका खारिज हो गई। इसके बाद जेडीए की कार्रवाई का रास्ता साफ हुआ। जेडीए का कहना है कि सड़क चौड़ीकरण की कार्रवाई न्यायालय के आदेश की पालना में की जा रही है और संबंधित लोगों को पहले नोटिस दिए गए हैं। दूसरी ओर स्थानीय लोग अपनी आपत्तियों, पुराने दस्तावेजों और रोजी-रोटी के संकट का हवाला देकर कार्रवाई रोकने की मांग कर रहे हैं।

जयपुर से अपहृत 14 साल की किशोरी को उत्तरप्रदेश से छुडाया

- **आमेर थाना पुलिस ने आरोपी कैफ अली को गिरफ्तार किया**

जयपुर। आमेर थाना पुलिस ने 14 वर्षीय नाबालिग किशोरी के अपहरण के मामले में कार्रवाई करते हुए उसे उत्तर प्रदेश के भदोही जिले से सकुशल दस्तयाब कर लिया। पुलिस ने करीब 900 किलोमीटर तक पीछा करते हुए आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। कार्रवाई "ऑपरेशन खुशी" के तहत की गई। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करन शर्मा ने बताया कि 5 अक्टूबर को परिवादी ने आमेर थाने में अपनी 14 वर्षीय बेटी के बिना बताए घर से गायब होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस मुख्यालय की ओर से गुमशुदा और अपहृत बच्चों की दस्तयाबी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन खुशी- के तहत अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर-प्रथम आलोक सिंघल के निर्देशन और सहायक पुलिस आयुक्त आमेर प्रतीक सिंह के सुपरविजन में थानाधिकारी राजेन्द्र कुमार गोदारा के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। इधर मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। जांच में पता चला कि आरोपी किशोरी को ट्रेन से उत्तर प्रदेश की ओर ले गया है। इसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, ट्रेन की लोकेशन और तकनीकी सहायता के आधार पर उसका पीछा शुरू किया। पुलिस टीम जयपुर रेलवे स्टेशन से भरतपुर, आगरा और वाराणसी होते हुए करीब 900 किलोमीटर दूर भदोही पहुंची। वहां स्थानीय पुलिस की मदद से गोपीगंज थाना क्षेत्र की जंगीगंज सराय चौकी इलाके में तलाशी अभियान चलाया गया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए किशोरी को आरोपी के चंगुल से सुरक्षित दस्तयाब कर लिया। बाद में उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। मामले में कैफ अली (21) निवासी गोपीगंज जिला भदोही, उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर मामले की आगे जांच कर रही है।

सार-समाचार

सकारात्मक नजरिया और सत्यनिष्ठा फोटोजर्नलिज्म की कसौटी : मंत्री खर्रा

जयपुर। यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि सोशल मीडिया और एआई के बढ़ते प्रभाव के दौर में फोटोजर्नलिज्म में सकारात्मक नजरिया और सत्यनिष्ठा बनाए रखना जरूरी है। वे ईमैजिन फोटो जर्नलिस्ट सोसायटी की ओर से आरआईसी में आयोजित 12वें जयपुर फोटोजर्नलिज्म सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जेन जी फोटोजर्नलिस्टों से नकारात्मक नजरिए से दूर रहने का आग्रह किया। सेमिनार में इंडिया टुडे के उपसंपादक रोहित परिहार ने पत्रकारों और फोटोजर्नलिस्टों के लिए आत्मरक्षा को प्राथमिकता देने की बात कही। डॉ. रमा माया सोलंकी ने ईमानदारी और गहन अध्ययन को सफलता का आधार बताया। अयोध्या प्रसाद गौड़ ने एआई से तैयार फर्जी फोटो और समाचार सामग्री से सावधान रहने की सलाह दी। दैनिक भास्कर के स्टेट एडिटर मुकेश माथुर ने कहा कि ग्राउंड रिपोर्टिंग, साक्षात्कार और फोटोग्राफी में मानवीय भूमिका को एआई प्रतिस्थापित नहीं कर सकता। हेमजीत मालू, पुरुषोत्तम दिवाकर, धरम कुलरिया, अंशुमान शास्त्री, नीरू यादव और विशाल स्वामी ने भी फोटोजर्नलिज्म में तकनीकी बदलाव और नए आयामों पर विचार रखे। सोसायटी की डायरेक्टर लीला दिवाकर ने आभार जताया।

वरिष्ठ पत्रकार प्रो.रमेश जैन का निधन

जयपुर। राजस्थान में पत्रकारिता एवं जनसंचार शिक्षा के पुरोधा, शिक्षाविद्, लेखक एवं वरिष्ठ पत्रकार प्रो. रमेश जैन का 84 वर्ष की आयु में बुधवार रात निधन हो गया। गुरुवार को उनके अंतिम संस्कार में पत्रकारिता एवं उच्च शिक्षा जगत से जुड़े लोगों, विद्यार्थियों और गणमान्य नागरिकों ने श्रद्धांजलि दी। प्रो. जैन राजस्थान में पत्रकारिता शिक्षा के प्रथम प्रोफेसर रहे। राजस्थान विश्वविद्यालय तथा वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के अध्यक्ष रहे। उनका पत्रकारिता जीवन 1967 में दैनिक राष्ट्रदूत से शुरू हुआ। इसके बाद हिन्दुस्तान समाचार समिति, जयपुर और नई दिल्ली में समाचार सम्पादक (डेस्क इंचार्ज) के रूप में कार्य किया। वर्ष 1981 से 1988 तक राजस्थान विश्वविद्यालय के पत्राचार अध्ययन संस्थान में पत्रकारिता विभाग के प्रभारी एवं सहायक प्रोफेसर रहे और पत्रकारिता में पीजी डिप्लोमा शुरू कराया। 1988 से 2002 तक वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय में विभागाध्यक्ष रहते हुए बीजेएमसी, एमजेएमसी और पत्रकारिता एवं जनसंचार में पीएचडी पाठ्यक्रम शुरू कराए। प्रो. जैन ने पत्रकारिता एवं जनसंचार पर 35 से अधिक पुस्तकें लिखीं। "जनसंचार विश्वकोश" और "हिन्दी पत्रकारिता का आलोचनात्मक इतिहास" उनकी प्रमुख कृतियां रहीं। उन्हें भारतेन्दु हरिश्चन्द्र राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

एसआईआर की निष्पक्ष जांच की मांग

जयपुर। वेलफेयर पार्टी ऑफ इंडिया, राजस्थान ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया और मतदाता सूची में बदलावों को लेकर पारदर्शिता व जवाबदेही की मांग की है। पार्टी महासचिव ए. सुब्रमणि ने कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र की बुनियाद है और किसी पात्र नागरिक का नाम हटना उसके मतदान के संवैधानिक अधिकार को प्रभावित करता है। उन्होंने एसआईआर के दौरान पुराने दस्तावेज और रिकॉर्ड जुटाने, विशेषकर 2002 की मतदाता सूची के आधार पर पात्रता साबित करने की प्रक्रिया पर चुनाव आयोग से स्पष्ट जवाब मांगा।

सेवानिवृत्त शिक्षिका से 80 लाख रु. साइबर ठगी में एक और बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। अजमेर निवासी सेवानिवृत्त शिक्षिका को डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर 80 लाख रुपए ठगने वाले अंतरराज्यीय साइबर गिरोह के खिलाफ केंद्रीय साइबर पुलिस थाना (आर4सी) जयपुर ने कार्रवाई करते हुए फलोदी निवासी आरोपी बजरंग को गिरफ्तार किया है। वारदात के करीब दो साल बाद हुई इस गिरफ्तारी के साथ पुलिस इस मामले में अब तक गिरोह के 29 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (साइबर क्राइम) विजय कुमार सिंह ने बताया कि महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई की गई। जांच में आरोपी की भूमिका बैंक खातों, सिम और ठगी की रकम के लेनदेन से जुड़ी सामने आई।

पुलिस के अनुसार पीड़िता ने शिकायत में बताया था कि 14 नवंबर 2024 को उसके पास एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया। उसने खुद को पुलिस और साइबर अपराध शाखा का अधिकारी बताया। आरोपी ने महिला को डराया कि उसके पहचान दस्तावेजों का इस्तेमाल कर 25 बैंक खातों में संदिग्ध लेनदेन किया गया है और वह धनशोधन के मामले में फंस सकती है।

इसके बाद आरोपियों ने वीडियो कॉल के जरिए महिला पर लगातार नजर रखी और गिरफ्तारी का भय दिखाकर उसे डिजिटल अरेस्ट कर लिया। फर्जी जांच और मदद का भरोसा देकर आरोपियों ने उसके बैंक खातों की जानकारी हासिल की और आरटीजीएस के माध्यम से 80 लाख रुपए अलग-अलग म्यूल बैंक खातों में ट्रांसफर करवा लिए। आरोपियों ने जब महिला से और रुपए मांगे तो उसे ठगी का शक हुआ। इसके बाद उसने 30 नवंबर 2024 को शिकायत दर्ज कराई। साइबर पुलिस ने मामले की जांच के दौरान कॉल डिटेल रिकॉर्ड, व्हाट्सएप चैट और बैंक लेनदेन की मनी ट्रेल का विश्लेषण किया। जांच में फलोदी निवासी बजरंग की भूमिका सामने आई। पुलिस के अनुसार, बजरंग ने महज 5 हजार रुपए के लालच में अपना केनरा बैंक खाता, एटीएम कार्ड और सिम कार्ड परिचित संदीप को उपलब्ध कराया था। इसी खाते में 26 नवंबर 2024 को पीड़ित शिक्षिका से ठगी गई रकम में से 2 लाख 10 हजार 474 रुपए ट्रांसफर हुए थे। पुलिस के अनुसार रकम को उसी दिन एटीएम और यूपीआई के माध्यम से निकाल लिया गया।

आरआईसी प्रबंधन पर भाई-भतीजावाद के आरोप, हंगामा

जयपुर। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में गुरुवार को कथित अव्यवस्थाओं और प्रबंधन की कार्यप्रणाली को लेकर हंगामा हो गया। कार्यक्रम से जुड़े लोगों ने प्रबंधन पर भाई-भतीजावाद के आरोप लगाते हुए विरोध जताया। इस दौरान व्यवस्थाओं को लेकर भी नाराजगी सामने आई।

विरोध कर रहे लोगों का आरोप है कि सेंटर में कार्यक्रमों के आयोजन, सुविधाओं के आवंटन और अन्य व्यवस्थाओं में पारदर्शिता का अभाव है। कुछ लोगों ने प्रबंधन पर चुनिंदा लोगों को प्राथमिकता देने और नियमों के समान रूप से पालन नहीं करने के आरोप लगाए। इसके चलते सेंटर परिसर में काफी देर तक असहज स्थिति बनी रही। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर जैसे महत्वपूर्ण संस्थान में कार्यक्रमों के संचालन और प्रबंधन में पारदर्शी व्यवस्था होनी चाहिए। उनका कहना था कि किसी भी संस्था में व्यक्तिगत पसंद-नापसंद के बजाय निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं के आधार पर निर्णय लिए जाने चाहिए। हंगामे के दौरान सेंटर की व्यवस्थाओं को लेकर भी सवाल उठाए गए। आरोप लगाया गया कि आयोजन संबंधी समन्वय, प्रवेश व्यवस्था और अन्य सुविधाओं में पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जिससे कार्यक्रमों में आने वाले लोगों को परेशानी होती है।

श्रीपुरम कॉलोनी में सीसी रोड बनाने वाले ठेकेदार ने पानी-बिजली के कनेक्शन तोड़े

किसी के घर की पानी की लाइन फूटी किसी के घर में बिजली नहीं, विरोध करने पर अभद्रता कर रहे हैं श्रमिक : मंजू शर्मा

जयपुर। गुर्जर की थड़ी के नजदीक स्थित श्रीपुरम कॉलोनी में सीमेंट सड़क बनाने पहुंचे पीडब्ल्यूडी के ठेकेदार ने लोगों के पानी-बिजली के कनेक्शन ही खोद डाले। नतीजन पेयजल लाइन टूटने से किसी के घर का पानी बंद हो गया तो किसी के बिजली के तार टूट गए। हैरानी की बात है कि कॉलोनीवासियों के विरोध के बावजूद पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर और ठेकेदार मौके पर नहीं पहुंचे। जबकि ठेकेदार के मजदूर मौके पर महिलाओं से गाली-गलौच व अभद्रता पर उतर आए। इसके बाद से कॉलोनीवासियों में पीडब्ल्यूडी प्रशासन और ठेकेदार के खिलाफ आक्रोश बढ़ गया है।

श्रीपुरम् कॉलोनी के पूर्व अध्यक्ष रघुवीर शर्मा ने बताया कि कॉलोनी के करीब 15 रहवासियों ने लिखित शिकायत पीडब्ल्यूडी प्रशासन को दी है। स्थानीय निवासी मंजू शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को शिकायत देकर निर्माण कार्य की नियमित निगरानी और क्षतिग्रस्त सुविधाओं को तत्काल दुरुस्त कराने की मांग की है।

उन्होंने बताया कि ठेकेदार ने सड़क निर्माण के लिए खुदाई इतनी बेढंग से की, जिससे कई घरों के जल-विद्युत कनेक्शन क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जिन्हें अभी तक ठीक नहीं कराया गया। बिजली के टूटे हुए तार रास्ते में पड़े होने से जानलेवा हादसे का खतरा बना हुआ है। उन्होंने बताया कि सीमेंट सड़क की गुणवत्ता भी बेहद खराब है। मौके पर सड़क का काम देखने के लिए ना तो इंजीनियर आ रहे हैं और ना ही ठेकेदार, सिर्फ मजदूरों से काम करवाया जा रहा है। यह श्रमिक भी वृद्धजनों व महिलाओं से गाली-गलौच पर उतारू है। उन्होंने पीडब्ल्यूडी प्रशासन से मांग की है कि, सीसी रोड में उपयोग की जा रही सामग्री की गुणवत्ता की जांच, निर्धारित तकनीकी मापदंडों के अनुसार निर्माण, क्षतिग्रसत जल-बिजली कनेक्शनों को दुरुस्त कराने तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा रोजाना मौके पर निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए। अगर सड़क निर्माण में अनियमितता अथवा घटिया सामग्री मिलती है तो संबंधित ठेकेदार व जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

"टीबी मुक्त भारत" अभियान से जुड़ेगी युवा शक्ति

जोश टीमों के जरिए घर-घर पहुंचेगा टीबी से बचाव, जांच और इलाज का संदेश

जयपुर। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए सरकार के प्रयासों के साथ युवाओं और समाज की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। नई दिल्ली के भारत मंडपम में जोश (जाइंट स्क्वायड फॉर हेल्थ) टीमों के राष्ट्रीय शुभारंभ अवसर पर उन्होंने कहा कि युवा टीबी के लक्षण, बचाव, समय पर जांच और पूरा इलाज कराने का संदेश समुदाय तक पहुंचाने के साथ भ्रम व भेदभाव दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रथम चरण में देश के 11 राज्यों के 55 जिलों में टीमें शुरू की गई हैं।

कार्यक्रम में केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

प्रमुख शासन सचिव डॉ. गायत्री राठौड़ "जोश" कार्यक्रम में वर्चुअल जुड़ी।

राजस्थान के 7 जिलों में पायलट शुरुआत

राजस्थान में अलवर, बारां, बांसवाड़ा, जयपुर, जोधपुर, उदयपुर और राजसमंद में जोश टीमों का पायलट शुभारंभ हुआ। स्वास्थ्य भवन, जयपुर में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ की अध्यक्षता में अधिकारियों व चिकित्सकों ने राष्ट्रीय कार्यक्रम में वर्चुअल भाग लिया। भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रत्येक ब्लॉक स्तर की जोश टीम में 5 माय भारत वॉलंटियर्स और 5 एनसीसी कैडेट्स होंगे तथा नेतृत्व नामित क्लास-1 अधिकारी करेंगे। टीमें लोगों को टीबी के लक्षण, जांच और उपचार की जानकारी देकर समय पर जांच-इलाज के लिए प्रेरित करेंगी। गायत्री राठौड़ ने युवाओं से संवाद कर टीबी मुक्त भारत का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में टीबी अभियान में सक्रिय सहयोग के लिए माय भारत वॉलंटियर्स को श्रीमती गायत्री राठौड़ एवं निदेशक जन स्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन टी. शुभमंगला, निदेशक एड्स डॉ. सुशील परमार, राज्य टीबी अधिकारी डॉ. पुरुषोत्तम सोनी, डॉ. एस.एन. धोलपुरिया, माय भारत के अधिकारी एवं स्वयंसेवक तथा एनसीसी कैडेट्स मौजूद रहे।

'बेहतर बीज से बढ़ेगी सरसों की उपज'

जयपुर/सीकर। सरसों की बुवाई का समय नजदीक है। ऐसे में किसानों के लिए बेहतर गुणवत्ता वाले बीज का चयन और वैज्ञानिक तरीके से खेती करना उपज व आमदनी बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। एफआईसीसीआई-सीसीएस एनआईएएम की 'भारत के सरसों क्षेत्र की क्षमता का दोहन: प्रौद्योगिकी, उत्पादकता और किसान समृद्धि' रिपोर्ट में राजस्थान और हरियाणा की सरसों खेती का अध्ययन किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार सरसों उत्पादन बढ़ाने के लिए रकबा बढ़ाने के बजाय प्रति हेक्टेयर उत्पादकता बढ़ाने पर जोर देना जरूरी है। राजस्थान में सरसों की उपज 2021-22 में 1716 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर से घटकर 2025-26 में 1552 किलोग्राम रह गई, जबकि हरियाणा में 1914 से बढ़कर 2,146 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर हो गई। राजस्थान के किसानों के अनुभवों में भी संकर बीज के फायदे सामने आए हैं।

महिला सुपरवाइजर भर्ती की ओएमआर शीट में फर्जीवाड़ा करने वाले गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की सुपरवाइजर (महिला अधिकारिता) सीधी भर्ती परीक्षा-2018 के परिणाम में ओएमआर शीट की स्कैनिंग में कथित धांधली कर अंक बढ़ाने के मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कमोद मीना (32), निवासी चाकसू, जयपुर और मनराज मीना (38), निवासी निवाई, टोंक के रूप में हुई है। दोनों को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक विशाल बंसल के अनुसार जांच में सामने आया कि कर्मचारी चयन बोर्ड में ओएमआर शीट की स्कैनिंग और परिणाम तैयार करने का काम करने वाली कंपनी राभव लिमिटेड के कर्मचारियों और बोर्ड के अधिकारियों की कथित मिलीभगत से ओएमआर में कूटरचना की गई।

एसओजी के मुताबिक कमोद मीना की मूल ओएमआर शीट की स्कैनिंग में 35.85 अंक आए थे। आरोप है कि स्कैनिंग कंपनी के कर्मचारियों से मिलीभगत कर अंकों में बदलाव करते हुए इन्हें 183.85 अंक कर दिया गया, जिसके बाद वह चयन सूची में शामिल हो गई। जांच के अनुसार कर्मचारी चयन बोर्ड के तत्कालीन प्रोग्रामर प्रवीण गंगवाल ने परिचित अभ्यर्थियों को चयनित कराने के लिए स्कैनिंग कंपनी के कर्मचारियों विनोद कुमार गौड़ और शादान खान के साथ मिलकर ओएमआर में कूटरचना की। इसके बदले लाखों रुपए लेने का भी आरोप है। एसओजी इस मामले में पूर्व में तत्कालीन एनालिस्ट कम प्रोग्रामर (उप निदेशक) संजय माथुर, प्रोग्रामर प्रवीण गंगवाल, अभ्यर्थी पूनम माथुर, संतोष कुमारी मीना और मीराबाई मीना सहित सात आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

World Egg Day

World Egg Day is celebrated every year to highlight the importance of eggs in our diet and daily lives. Eggs are a rich source of high-quality protein, vitamins, minerals, and healthy fats. They are affordable, easy to cook, and enjoyed by people in many different cultures. This special day also spreads awareness about the nutritional benefits of eggs and their role in supporting healthy growth and development. World Egg Day encourages people to include eggs as part of a balanced diet. It also appreciates farmers and poultry workers who help provide eggs to millions of people around the world.

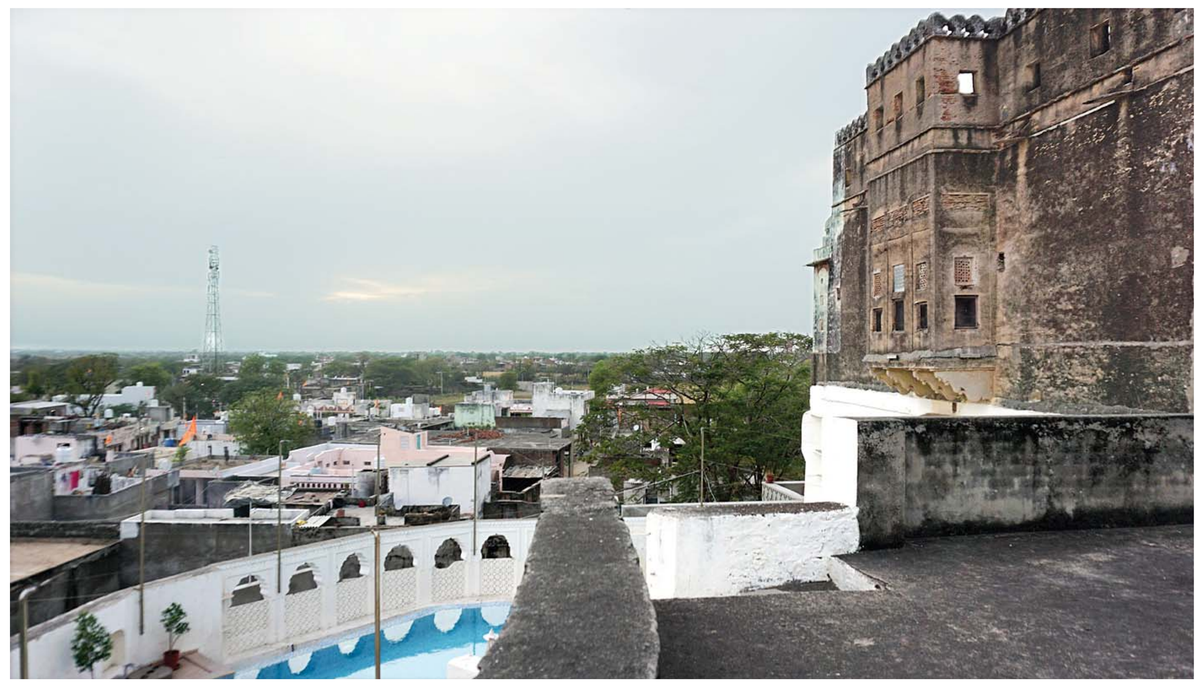

The Wonder Of Travel

At some point, it becomes clear that this is not really about the food at all. Nor, for that matter, about the setting, though both are exceptional. It is about the feeling, increasingly rare in today's version of luxury travel, of being somewhere that has not been staged or constructed for effect. Fort Barli does not try to impress. It simply endures, lived in, cared for, and quietly shared.

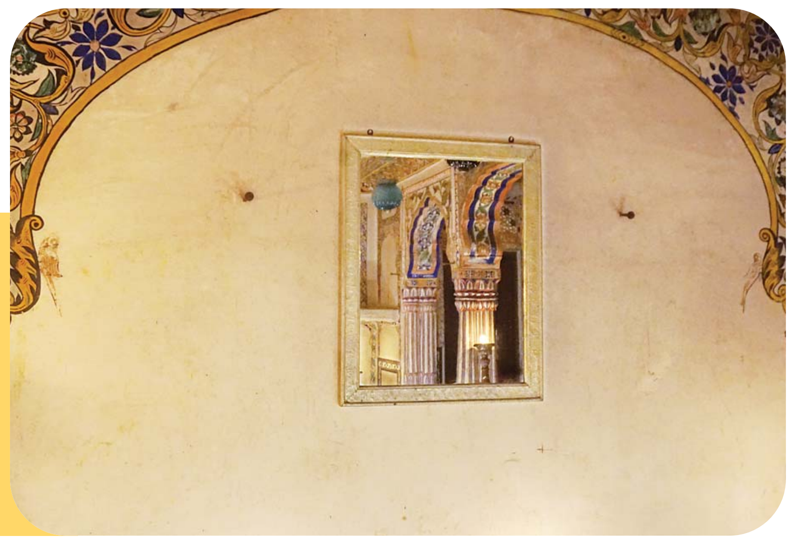

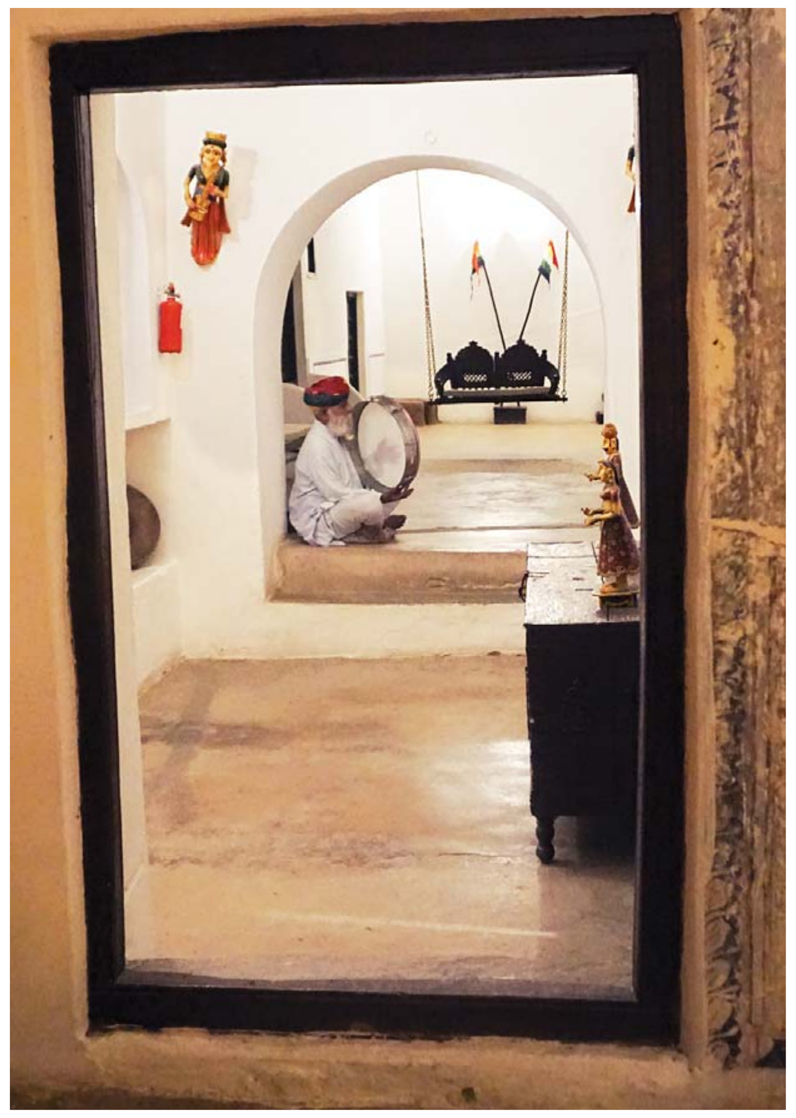

Ranjan Pal
(Adventurer, investment banker, travel writer, www.ranjanpal.com)

Being in the travel writing business does have its occasional perks, one of which is the ability to align work trips with personal milestones. Last year, my wife Saroj and I found ourselves celebrating my birthday at a rather indulgent beachfront resort in Goa. This year, the plan was very different: a long drive out of Gurgaon into the quieter, lesser-travelled heart of Rajasthan.

Rajasthan, of course, has a way of setting expectations. Over time, one gets used to a certain kind of spectacle, forts that rise dramatically from hilltops, palaces that cascade down in terraces, and heritage hotels that present history with a well-rehearsed sense of theatre.

Fort Barli is not that kind of place.

Set about ninety minutes south of Ajmer in what can only be described as proper rural Rajasthan, it appears at first glance almost disarmingly modest, more ancestral home than luxury hotel. But step through its gates, and the distinction becomes immediately clear. This is not a place that has been restored for guests. It is a home that has simply chosen to include them.

> After the long drive and a welcome cooling drink, we are shown to our quarters in the Darbar Mahal. The fort has only ten rooms, and ours is among the largest, so expansive that it requires two air-conditioners to keep it comfortable. The furnishings are unmistakably period, with elaborate zardozi and salma embroidery on raw silk lending the space an understated but unmistakable sense of royalty. The next morning brings with it one of those moments that quietly define a place.

We are greeted by the current generation who run the place, Divyraj and Nityasree, along with their delightful baby daughter. Add to that Sky, an overenthusiastic retriever cross, and Blue, a French bulldog with a mind of his own, and the tone is set almost immediately.

At most heritage hotels, hospitality tends to feel polished and professional. Here, it feels instinctive, less like service, more like being folded into someone's everyday life, with Divyraj himself often taking the lead in showing guests around his home.

After the long drive and a welcome cooling drink, we are shown to our quarters in the Darbar Mahal. The fort has only ten rooms, and ours is among the largest, so expansive that it requires two air-conditioners to keep it comfortable. The furnishings are unmistakably period, with elaborate zardozi and salma embroidery on raw silk lending the space an understated but unmistakable sense of royalty.

The next morning brings with it one of those moments that quietly define a place. I am awakened by the soft, almost ethereal notes of a flute. Drawn by the sound, I find Rajendraji seated cross-legged beneath a lone neem tree in the mardana, playing to no audience in particular. It is a simple scene, almost incidental, and yet deeply evocative. That, in many ways, is Fort Barli: unassuming, and all the more powerful for it.

After breakfast in the Diwan Khana, where ancestral portraits look down with quiet authority, Divyraj leads us through the fort, up narrow staircases into the zenana. Each room tells its own story through its size, layout, and murals, some painstakingly restored, others deliberately left untouched, creating a striking contrast between past and present. Beyond the walls, the village stretches out in the bright sunlight, leading to a tranquil water body fringed with banyan trees from which Barli derives its name.

#FORT BARLI

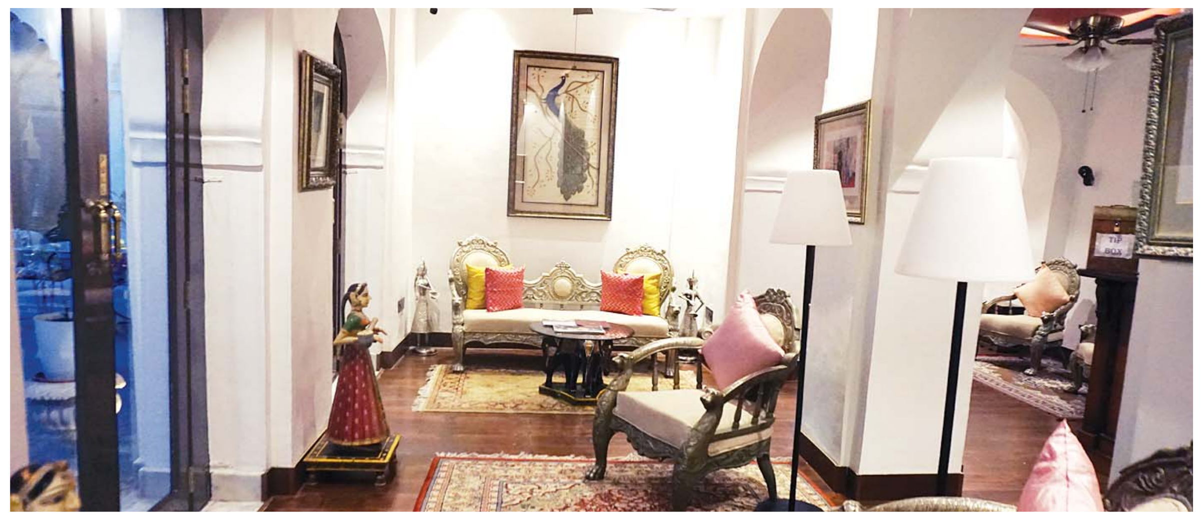

Lunch is a classic Rajasthani affair, dal baati churma, rich, hearty, and steeped in history. As Kesar, who looks after us during the meal, explains, these simple dough balls once sustained Rajput warriors on long campaigns, baked under the desert sun. It is the kind of detail that adds depth to the experience, though here, it is offered without ceremony, as part of a larger, lived-in narrative.

As Divyraj puts it, the idea of Fort Barli is refreshingly simple: to slow down and not feel compelled to do very much at all. After the sensory overload of cities like Jaipur or Jodhpur, this feels less like inactivity than recovery.

And so, for a while, that is exactly what I do, floating in the small pool set on one of the bastions, gazing up at an uninterrupted blue sky occasionally marked by the fading trails of aircraft high above. Time seems to loosen its grip ever so slightly.

For those inclined to explore, the village lies just beyond the fort gates. A walk through its narrow lanes reveals potters at work, cenotaphs with fading frescoes, and stepwells that speak of another era. Guests can also opt for a leisurely bullock cart ride through the village, or even a private picnic set up under ancient trees, experiences that extend the fort's unhurried rhythm into the surrounding landscape.

One feature on the horizon keeps drawing the eye, a solitary hillock rising from the otherwise flat landscape. We head there one evening towards Shikrani Doongar and, after a short scramble to the top, find a small, weathered temple and a sweeping view of the village below, the water catching the last of the fading light. It is a quiet, unhurried sunset, less dramatic than most, but entirely in keeping with the gentle rhythm of the place.

An early morning visit to a nearby lake with our guide, Chunnilal, brings a different kind of stillness. Lapwings skim the surface with sharp, restless calls, a solitary stork stands motionless in the shallows, and a flash of electric blue, the kingfisher, cuts across the water before disappearing just as quickly. It is a quiet, unforced experience, revealing itself only if you are willing to slow down and pay attention.

But what lingers most are the interactions back at the fort. Divyraj and Nityasree join us for meals, their easy conversation adding a layer of warmth that no amount of formal service can replicate. By the end of our stay, it feels less like we have been looked after, and more like we have been included. It becomes increasingly clear that this is Fort Barli's true distinction. Where many heritage hotels impress through scale or design, this one works more quietly, through presence, memory, and an intimacy that cannot be manufactured. For the grand finale on my birthday, the head chef, Ranjeet, prepares what can only be described as a feast fit for a king. A procession of Rajasthani classics arrives on gleaming silver thalis, jeera rice, palak chicken, urad ki dal, dahi baingan, methi papad ki sabzi, ker sangri, each dish rich, robust, and unapologetically indulgent, followed, inevitably, by more desserts than one has any business attempting. Ordinarily, such private dining experiences are set up in the beautifully painted Rani Mahal, its walls alive with vivid frescoes of deities, parrots and peacocks, creating an atmosphere that feels almost ceremonially regal. But the night is too perfect to be spent indoors. We choose instead to dine in the open courtyard, under a sky thick with stars, the fort walls flickering in candlelight as attentive and unobtrusive service ensures that nothing is ever missing.

> Where many heritage hotels impress through scale or design, this one works more quietly, through presence, memory, and an intimacy that cannot be manufactured. For the grand finale on my birthday, the head chef, Ranjeet, prepares what can only be described as a feast fit for a king. A procession of Rajasthani classics arrives on gleaming silver thalis, jeera rice, palak chicken, urad ki dal, dahi baingan, methi papad ki sabzi, ker sangri...

At some point, it becomes clear that this is not really about the food at all. Nor, for that matter, about the setting, though both are exceptional. It is about the feeling, increasingly rare in today's version of luxury travel, of being somewhere that has not been staged or constructed for effect.

Fort Barli does not try to impress. It simply endures, lived in, cared for, and quietly shared.

And as birthdays go, I can think of few better ways to mark the passage of time than in a place that seems, in its own unassuming way, to stand gently outside it.

rajeshsharma1049@gmail.com

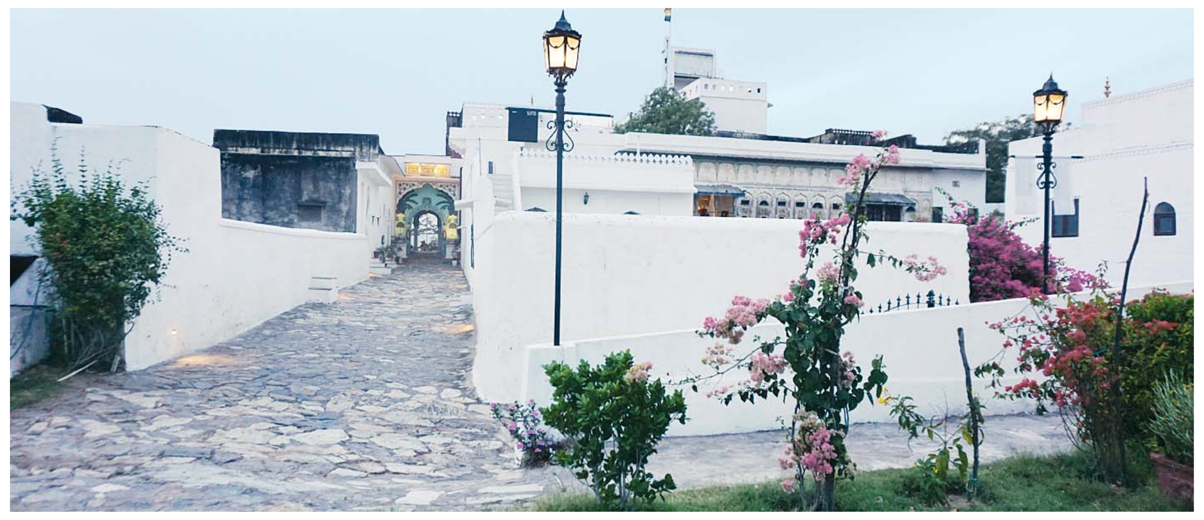

THE WALL

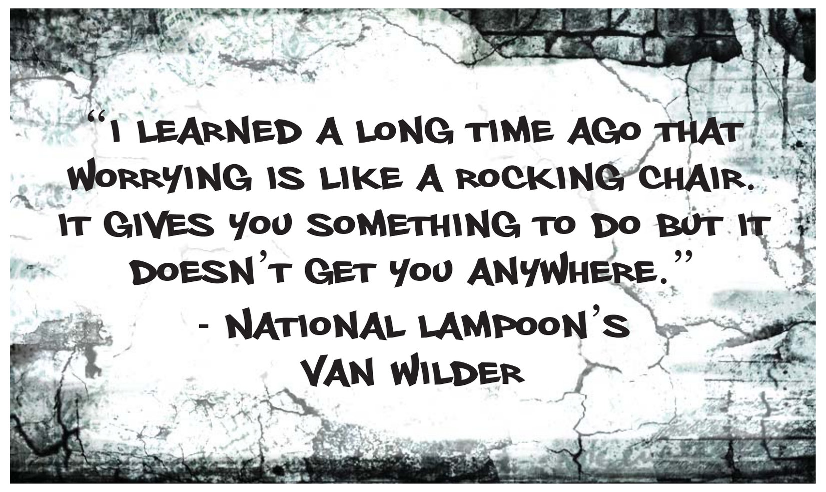

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

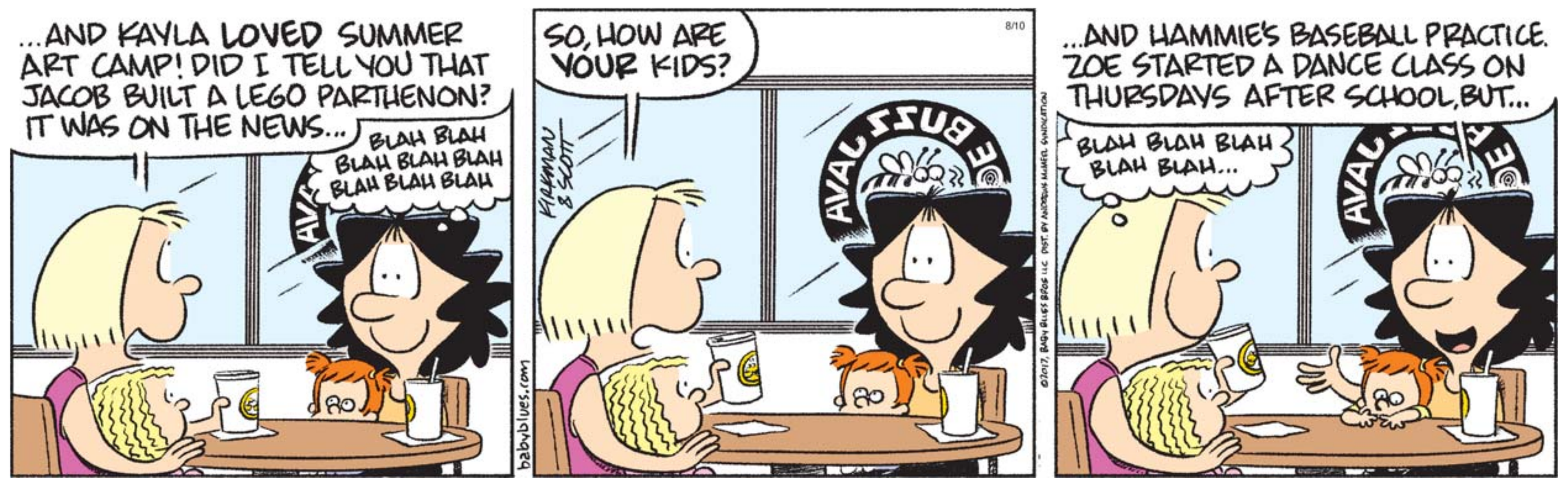

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

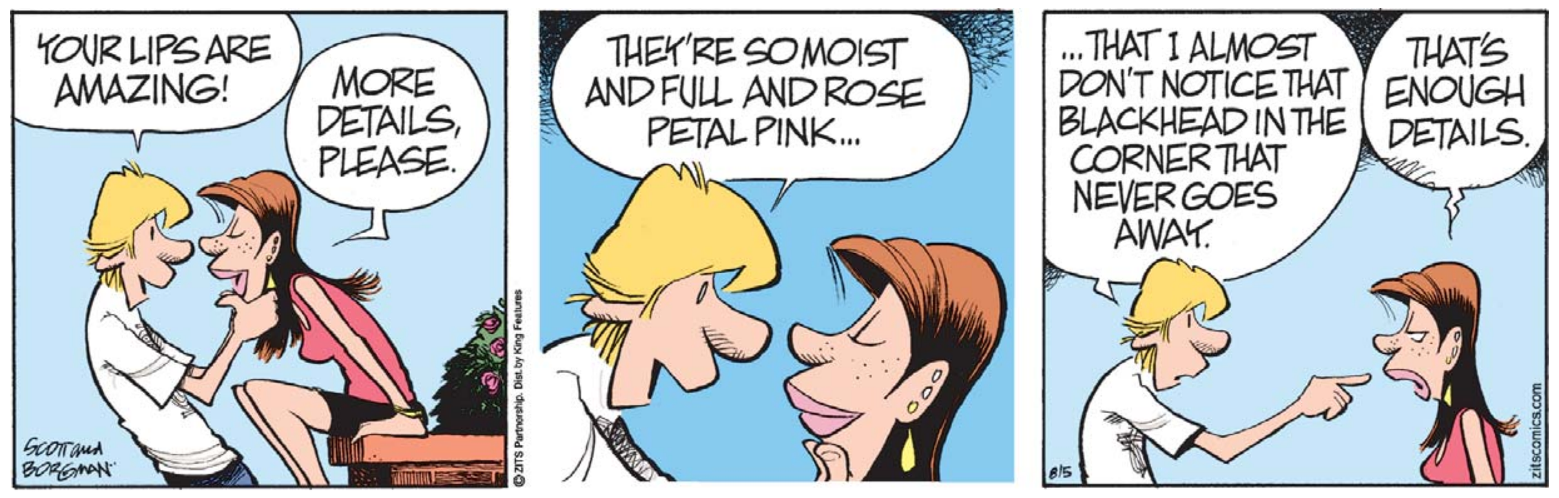

कोटा के आरटीयू हॉस्टल में जयपुर के छात्र की मौत के बाद स्टूडेंट्स का प्रदर्शन

छात्रों का कहना है कि स्टूडेंट की मौत स्नेक बाइट से हुई, वहीं प्रबंधन का कहना है कि छात्र की मौत प्रारंभिक तौर पर कार्डियक अरेस्ट से होना प्रतीत होता है

कोटा, (निसं)। राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय (आरटीयू) में गुरुवार को एक स्टूडेंट की मौत का मामला सामने आया है। स्टूडेंट अपने हॉस्टल में बेहोश मिला था। सूचना के बाद यूनिवर्सिटी के चिकित्सक पहुंचे और उन्होंने एंबुलेंस की मदद से छात्र को अस्पताल में शिफ्ट किया था। जहां पर चिकित्सक ने छात्र को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद स्टूडेंट्स ने यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट पर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। छात्रों का कहना है कि स्टूडेंट की मौत स्नेक बाइट से हुई। वहीं प्रबंधन का कहना है कि छात्र की मौत प्रारंभिक तौर पर कार्डियक अरेस्ट से होना प्रतीत होता है। हालांकि पोस्टमार्टम होने के बाद मौत का सही कारण पता चल पाएगा।

- **स्टूडेंट राहुल चौधरी का कहना है कि यहां सुविधाओं का अभाव है और करोड़ों रुपए का बजट होने के बावजूद भी हॉस्टल पर ध्यान नहीं दिया जाता है, कई बार यहां पर सांप आ जाते हैं**
- **परिजनों के आने के बाद मृतक स्टूडेंट का पोस्टमार्टम होगा, उसके बाद ही मौत का कारण क्लियर हो पाएगा**

राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. निमित्त रंजन चौधरी का कहना है कि घटना सुबह 09.45 बजे हुई थी। छात्र अक्षित शर्मा मूल रूप से जयपुर का रहने वाला था। वह अन्य दो स्टूडेंट के साथ हॉस्टल में रहता था। वीसी डॉ. चौधरी का कहना है कि हमने इस मामले में तत्काल यूनिवर्सिटी के डॉक्टर को भेज दिया था। मैं भी मौके पर पहुंचा था, स्टूडेंट का रूम पहले फ्लोर पर है। ऐसे में स्नेक बाइट की संभावना कम लग रही है। यह कार्डियक अरेस्ट ही लग रहा है। अक्षित के परिजन आने के बाद पोस्टमार्टम होगा और उसके बाद क्लियर हो जाएगा। वहीं स्टूडेंट राहुल चौधरी का कहना है कि यहां सुविधाओं का अभाव है और करोड़ों रुपए का बजट होने के बावजूद भी हॉस्टल पर ध्यान नहीं दिया जाता है। कई बार यहां पर सांप आ जाते हैं। अक्षित का शरीर भी पीला पड़ गया था। इसलिए ऐसा लग रहा है कि उसको सांप ने ही काटा है। जहर फैलने के चलते ही ऐसा हुआ है। छात्र पूरे मामले में जांच की मांग कर रहे हैं और यूनिवर्सिटी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। छात्रों का कहना है कि विश्वविद्यालय ने परिसर को पूरी तरह से जंगल बनाया हुआ है। जबकि परिसर को पूरी तरह से नीट एंड क्लीन रखना चाहिए। सुविधाओं के लिए जिम्मेदार यूनिवर्सिटी प्रबंधन है। सुविधाएं नहीं होने के चलते अक्षित की मौत हुई है। यूनिवर्सिटी के हॉस्टल खंडर बने हुए हैं। डिस्पेंसरी में भी दवा उपलब्ध नहीं है।

स्टूडेंट पारस शर्मा का आरोप है कि जब अक्षित की तबीयत बिगड़ गई थी, तब हॉस्टल के चीफ वार्डन पहुंचे थे, लेकिन उन्होंने अपने पर्सनल व्हीकल से स्टूडेंट को ले जाने से इनकार कर दिया। स्टूडेंट की हालत खराब होने के बावजूद भी उन्होंने एंबुलेंस का इंतजार किया। अस्पताल की डिस्पेंसरी में सामान्य गोली और इंजेक्शन लगाने के लिए सिरिंज भी उपलब्ध नहीं है। वहां जब हम जाते हैं, तो चिकित्सक बजट नहीं होने की बात कहते हैं। हॉस्टल बिल्डिंग में टॉयलेट में लाईट की व्यवस्था नहीं है। जब वहां सुबह अंधेरे में बच्चे जाते हैं, तब सांप नजर आते हैं। डेवलपमेंट चार्ज के नाम पर हमसे फीस ली जा रही है और जब लाईट लगवाई जाती है, तो कुछ दिन ही चलती है, फिर खराब हो जाती है। अच्छी क्वालिटी की लाईट्स भी नहीं लगती है। बिल्डिंग में कई तरह की कमियां है, लेकिन दूर नहीं हो रही हैं। हॉस्टल व कैम्पस अंधेरे में रहते हैं।

बताया जा रहा है कि अक्षित शर्मा ने बुधवार को ब्लड डोनेशन कैंप में पार्टिसिपेट किया था। इसके साथ ही कल्चरल एक्टिविटी में भी शामिल रहा था और इवेंट के चलते रात को वह रात 1 बजे अपने रूम पर पहुंचा था। जहां दूसरा स्टूडेंट सो रहा था, उसने सुबह अक्षित को जगाया नहीं था और वह क्लास में चला गया था। बाद में अक्षित को दूसरे स्टूडेंट्स ने जगाया, तब यह घटनाक्रम होना सामने आया। फिलहाल यह क्लियर नहीं हुआ है कि स्टूडेंट की मौत किस कारण से हुई है। परिजनों के आने के बाद मृतक स्टूडेंट का पोस्टमार्टम होगा। उसके बाद ही मौत का कारण क्लियर हो पाएगा। दूसरी तरफ आरटीयू के अन्य स्टूडेंट्स ने भी प्रोटेस्ट शुरू कर दिया। विद्यार्थी यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट के बाहर बैठ गए। बाद में पुलिस ने बलप्रयोग करके को खदेड़ा।

पुलिस उप अधीक्षक मनीष शर्मा ने बताया कि छात्रों और यूनिवर्सिटी प्रशासन के वार्ता हुई है। छात्रों की कुछ मांगे थी जिन्हें पूरा करने का आश्वासन यूनिवर्सिटी प्रशासन ने दिया है। इसके पश्चात स्टूडेंट्स ने धरना समाप्त कर दिया है।

संत की मौत के मामले में 50 घंटे बाद समाधि से शव निकाला

रतनगढ़, (निसं)। रतनगढ़ तहसील के गांव सांगासर में दो संतों के बीच हुए विवाद के बाद एक संत की मौत के मामले में गुरुवार को करीब 50 घंटे बाद शव को समाधि से बाहर निकालकर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। मृतक के परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार हरियाणा के सिरसा जिले के धौलपालिया निवासी हंसराज ने रिपोर्ट दी कि उसका भाई बन्नानाथ वर्ष 2004 में संन्यास लेकर साधु बन गया था। वह रावतसर स्थित बालकनाथ के आश्रम में रह रहा था। बाद में उसे सांगासर स्थित बजरंगनाथ के पास छोड़ दिया गया। परिजनों का संपर्क नहीं होने पर जानकारी जुटाई गई तो बन्नानाथ की मौत होने की बात सामने आई। रिपोर्ट में मारपीट कर हत्या करने तथा बिना परिजनों को सूचना दिए शव को समाधि देने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने बालकनाथ, बजरंगनाथ, मुकेशनाथ, लूणनाथ, लक्ष्मीनारायण सहित अन्य के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। शव निकालने की मांग को लेकर बुधवार को ग्रामीणों ने सालासर सड़क मार्ग पर जाम भी लगाया था। पुलिस की समझाइश के बाद जाम खुलवाया गया। उपखंड मजिस्ट्रेट के आदेश पर तहसीलदार अंकित मिमानी के निर्देशन में गुरुवार को मेडिकल व एफएसएल टीम की मौजूदगी में शव निकाला गया। अब पोस्टमार्टम कराया जाएगा। मौके पर सीआई संदीप कुमार सहित पुलिस जाप्ता तैनात रहा।

- **शव को समाधि से बाहर निकालकर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया**
- **मृतक के परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की**

सीकर जिले में मकान मालिक ने नाबालिग लड़की से रेप किया

सीकर, (निसं)। सीकर जिले में 15 साल की नाबालिग लड़की से रेप का मामला सामने आया है। रेप करने वाला कोई और नहीं बल्कि मकान मालिक ही है, जिसने 3 दिन तक नाबालिग लड़की को बंधक बनाकर रेप किया। घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। नाबालिग लड़की की मां ने पुलिस में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

15 साल की नाबालिग लड़की की मां ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि वह पिछले करीब 2 साल से सीकर जिले में एक किराए के मकान पर अपनी 15 साल की बेटी के साथ रहती है। हाल ही में उनका मकान मालिक उनकी बेटी को अपने साथ लेकर चला गया था। बेटी उसके चंगुल से बचकर आई। इसके बाद वह सहमी सी रही। इसके बाद जब मां ने उससे पूछा तो उसने बताया कि अंकल उसे अपने साथ लेकर गए और 3 दिन तक बंधक बनाकर एक जगह रेप किया। घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। अब पुलिस ने पॉक्सो सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी मकान मालिक के एक साथी ने भी इस वारदात में उसका सहयोग किया। इसके खिलाफ भी पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। मामले की जांच रैंक के ऑफिसर कर रहे हैं।

किश्त के रुपये लेकर फरार हुआ फाइनेंस कर्मचारी गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। पुलिस ने फाइनेंस कंपनी से धोखाधड़ी के मामले में फरार एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। आरोपी करीब दो महीने से फरार था। उसने कंपनी के ढाई लाख रुपए से ज्यादा की रकम लेकर गबन किया था।

धंबोला थाना पुलिस के अनुसार 21 अगस्त को कमल फिनकेप प्राइवेट लिमिटेड की सीमलवाडा शाखा के क्षेत्रीय प्रबंधक सोनू ने दर्ज रिपोर्ट दर्ज में बताया कि फील्ड स्टाफ वसूली का काम करने वाला कर्मचारी सुशील निवासी डीग-12 अगस्त को सीमलवाडा क्षेत्र से समूह लोन की किश्त के 2,54,247 रुपए वसूल कर बिना जमा कराए फरार हो गया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। थानाधिकारी चंद्रशेखर के नेतृत्व में एक टीम बनाई गई।

मुखबिर की सूचना और तकनीकी सबूतों के आधार पर आरोपी सुशील को कुम्हेर, जिला डीग से पकड़ा गया। पूछताछ में अपराध साबित होने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस आरोपी से आगे की पूछताछ कर रही है।

खंडार उपखंड क्षेत्र की चंबल नदी में डूबने से भाई-बहन की मौत

बौंली-बामनवास, (निसं)। सवाईमाधोपुर एवं कोटा जिले की सीमा पर स्थित खंडार उपखंड के झरेल बालाजी के पास बह रही चंबल नदी में मंदिर में दर्शन करने से पहले नहाने गए भाई और बहन की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार बहरावंडा खुर्द निवासी गणपतलाल सैनी (22) एवं उसकी बहन अंतिमा सैनी (20) दोनों बुधवार को झरेल बालाजी के दर्शन करने गए थे इसी दौरान दर्शन करने से पहले दोनों भाई-बहन चंबल नदी में स्नान करने चले गए एवं दोनों ने वहां पर फोटो और वीडियो बनाई फिर नहाने लगे इसी दौरान बहन अंतिमा का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में डूबने लगी इसको देखकर भाई गणपत ने उसके उसको बचाने के प्रयास में पानी में छलांग लगा दी और वह भी डूब गया। आस-पास मौजूद ग्रामीणोंने उन्हें बचाने का प्रयास किया सफलता नहीं मिलने पर पुलिस को सूचना दी गई सूचना पाकर खंडार तहसीलदार पुष्कर सिंह एवं थाना प्रभारी लक्ष्मणसिंह सिविल डिफेंस टीम को लेकर मौके के पर पहुंचे एवं रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। रात्रि हो जाने के कारण तलाशी अभियान रोका गया। उसे फिर गुरुवार को फिर शुरू किया गया। काफी प्रयास बाद गणपत लाल का करीब बारह बजे एवं अंतिमा का शव करीब तीन बजे सिविल डिफेंस टीम को मिला, जिन्हें प्रशासनिक औपचारिकता पूरी करने के बाद शवों को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। दोनों भाई-बहनों के डूबने परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सिविल डिफेंस टीम की ने मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

तीन भाइयों पर अज्ञात बदमाशों ने हमला किया

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र में बुधवार रात चाय की दुकान पर रुके तीन भाइयों पर अज्ञात बदमाशों ने साइकिल की चेन और लट्ठ से हमला कर दिया। हमले में करावाडा निवासी सुनील रोत गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि उसके भाई मेहुल और दिनेश को बीच-बचाव के दौरान मामूली चोटें आईं। घटना के बाद सुनील को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है।

मामले के अनुसार, शास्त्री कॉलोनी स्थित ओटा में यह वारदात हुई। करावाडा निवासी सुनील रोत अपने दो भाइयों मेहुल और दिनेश के साथ अपनी चचेरी बहन मानसी को लेने के लिए डूंगरपुर आए थे। इसी दौरान तीनों ओटे में एक चाय की दुकान पर चाय पीने के लिए रुक गए। तीनों भाई चाय पी ही रहे थे कि अचानक कुछ अज्ञात बदमाशों ने उन पर साइकिल की चेन और लट्ठ से हमला बोल दिया। अचानक हुए हमले में सुनील गंभीर रूप से घायल हो गया। वहींए भाई मेहुल और दिनेश ने बीच-बचाव किया तो उन्हें भी मामूली चोटें आईं।

आरोपी को पकड़ने आई हरियाणा पुलिस पर हमला

जोधपुर, (कासं)। जिले के ओसियां में साइबर क्राइम के आरोपी को पकड़ने पहुंची हरियाणा पुलिस की टीम पर हमला हो गया। ओसियां थाने से महज 100 मीटर की दूरी पर यह घटना हुई।

पुलिस ने आरोपी को अपने वाहन में बैठा लिया था। तभी थार, फॉरच्यूनर सहित कई वाहनों में आए लोगों ने पुलिस वाहन को घेर लिया। लाठी और पत्थरों से हमला किया। शीशे क्षतिग्रस्त हो गए। बदमाशों ने आरोपी को छुड़ाने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस जैसे-तैसे वाहन को थाने में ले गई। इसके बाद बदमाश फरार हो गए। बदमाशों में शामिल चंद्रप्रकाश ने ड्राइवर साइड के शीशे पर लाठी से वार किया। फिर दूसरी तरफ जाकर बड़ा पत्थर उठाकर वाहन पर मारने लगा। पीछे मौजूद दो युवकों ने पुलिस वाहन का दरवाजा खोलने का प्रयास किया। अंदर बैठे नरपतराम ने भी अंदर से दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन एसआई सुनील कुमार ने उसे रोक दिया। इसी दौरान मौका पाकर पुलिस थाने तक पहुंचने में कामयाब हो गई और हमलावर भाग गए। हरियाणा पुलिस ने मामले को लेकर ओसियां थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

- **थार, फॉरच्यूनर सहित कई वाहनों में आए बदमाशों ने आरोपी को छुड़ाने का प्रयास किया**
- **मौका पाकर थाने तक पहुंचने में कामयाब हो गई पुलिस, हमलावर भाग गए**

कोचिंग के नाम पर 1.37 लाख की ठगी

जोधपुर, (कासं)। शहर के एक युवक से अमेरिकी एग्जाम सीएफए की कोचिंग के लिए शातिर ने फ्रॉड कर 1.37 लाख की धोखाधड़ी की। पीड़ित ने एक नामजद युवक के खिलाफ प्रतानगर सदर थाने में धोखाधड़ी की रिपोर्ट दी है।

प्रतापनगर सदर पुलिस के अनुसार मंडप रेस्टोरेंट के पास नवीं चौपासनी रोड निवासी विशाल पुत्र गजेंद्रराज की तरफ से रिपोर्ट दी गई है। इसमें बताया कि उसका संपर्क अगस्त माह में राघव नाम के शख्स से हुआ था। उसने अमेरिकी एग्जाम सीएफए की कोचिंग और रजिस्ट्रेशन की बात की थी। तब उससे अगस्त-सितंबर में अलग-अलग किश्तों 1.37 लाख रूपए दिए गए। पीड़िता का कहना है आरोपी ने उसका एडमिशन करवा दिया। मगर बाद में पता लगा कि उस नाम का स्टूडेंट है ही नहीं। उसने फर्जी दस्तावेज बनाकर उससे 1.37 लाख का फ्रॉड कर लिया।

शौच के लिए निकली बुजुर्ग महिला पर बदमाश ने हमला कर जेवर लूटे

भीलवाड़ा, (निसं)। उपनगर पुर में बेखौफ बदमाशों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। इलाके में महज एक हफ्ते के भीतर चाकूबाजी और लूट की दूसरी वारदात से हड़कंप मच गया है। ताजा मामला बजरंगपुरा का है, जहां अलसुबह शौच के लिए निकली एक बुजुर्ग महिला पर अज्ञात नकाबपोश लुटेरे ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया और उनके गले से डेढ़ तोले के सोने के आभूषण लूटकर फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार घटना गुरुवार सुबह करीब पांच बजे मंडी के बालाजी के पास की है। पीड़ित छोटू लाल रेगर की मां बापू बाई जब शौच के लिए घर से बाहर गई थीं, तभी घात लगाकर बैठे एक युवक ने उन पर हमला कर दिया। महिला के विरोध करने पर लुटेरे ने चाकू से वार किया, जिससे महिला के होंठ पर गंभीर चोट आई है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी सोने के गहने छीनकर मौके से रफूचक्कर हो गया।

हालांकि, लुटेरे की यह करतूत पास ही लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। फुटेज में आरोपी अपने मुंह पर कपड़ा बांधे नजर आ रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुर थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी कन्हैयालाल के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्ध की पहचान की जा रही है और पुलिस की टीम आरोपी को दबोचने के लिए लगातार दबिश दे रही है।

गौरतलब है कि ठीक एक हफ्ते पहले भी पुर इलाके में इसी तरह एक महिला पर चाकू से हमला कर लूट की वारदात को अंजाम दिया गया था। बार-बार हो रही इन घटनाओं से आक्रोशित ग्रामीणों ने दो दिन पहले ही थाने पर जोरदार प्रदर्शन कर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की थी। इसके बावजूद पुलिस की ढिलाई के चलते लुटेरे ने एक और वारदात को अंजाम दे डाला, जिससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

मोबाइल हैक कर 1.41 लाख रूपये ट्रांसफर किये

जोधपुर, (कासं)। शहर के दइजर करवड़ में एक युवक का मोबाइल हैक कर खाते से 1.41 लाख रूपए ट्रांसफर कर लिए गए। पीड़ित को पता लगने पर उसने बैंक से संपर्क किया। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उसने साइबर पोर्टल पर इसकी शिकायत दी। अब करवड़ पुलिस ने आईटी एक्ट में प्रकरण दर्ज किया है। करवड़ पुलिस ने बताया कि दइजर निवासी लक्ष्मण रैगर की तरफ से मामला दर्ज कराया गया है। उसका कहना है कि कुछ दिन पहले उसका फोन किसी ने हैक कर दिया। बाद में हैकर ने बैंक खाते से 1.41 लाख रूपए ट्रांसफर कर लिए। बाद में उसे पता लगा। करवड़ पुलिस ने अब आईटी एक्ट का प्रकरण दर्ज कर जांच आरंभ की है।

- **पुलिस ने आईटी एक्ट का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरु की**

युवक ने फंदा लगाकर जान दी

जोधपुर, (कासं)। मंडोर पुलिस थाना क्षेत्र शिव नगर, निंबा निंबड़ी में रहने वाले एक युवक ने अपने घर में साड़ी से फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। आत्महत्या का कारण पता नहीं चला है। इस बारे में मृतक के पिता की तरफ से पुलिस में मर्ग की रिपोर्ट दी गई है। मंडोर पुलिस ने बताया कि शिव नगर, निंबा निंबड़ी निवासी 21 साल के पुष्पेंद्र ने अपने घर में साड़ी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। परिजन को पता लगने पर उसे अस्पताल ले गए, मगर डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया।

सोलर प्लेट व सामान चोरी का आरोपी गिरफ्त में

कोटा, (निसं)। ग्रामीण इलाके की बपावर कलां पुलिस टीम ने खेत से सोलर प्लेट सहित अन्य सामान चोरी के दर्ज मामले में कार्रवाई करते हुए शातिर चोर बाबूलाल को गिरफ्तार किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 6 अक्टूबर को फरियादि मांगीलाल ने बपावरकलां थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि कुंआ वाले खेत माल धांसखेड़ा में सौर ऊर्जा वाली झटका मशीन लगा रखी है, जिससे जंगली जानवर खेत में नहीं घुसते हैं। रिपोर्ट में कहा कि जब वह बेटे के साथ खेत पर पहुंचा तो झटका मशीन, सोलर प्लेट एवं उसकी बैटरी लगी हुई नहीं मिली, जिसकी आसपास तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले में कार्रवाई के लिये टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर तकनीकी साक्ष्य एकत्रित किये गये और कार्रवाई की।

अलवर में मांगों को लेकर सफाई कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू

सफाई कर्मचारी भर्ती के लिए अनुभव प्रमाण पत्र जारी नहीं होने का मामला

अलवर, (निसं)। अलवर शहर में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल का मामला बढ़ता जा रहा है। कर्मचारियों ने सफाई कर्मचारी भर्ती के लिए अनुभव प्रमाण पत्र जारी नहीं होने को लेकर गुरुवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी। इससे नगर निगम की सफाई व्यवस्था पर असर पड़ने की आशंका है।

- **सफाई कर्मचारियों ने स्पष्ट किया है कि जब तक अनुभव प्रमाण पत्र जारी नहीं होते, तब तक हड़ताल जारी रहेगी**

अलवर में सफाई कर्मियों ने मांगों को लेकर प्रदर्शन किया।

कर्मचारियों के अनुसार नगर निगम की ओर से पहले 28 सितंबर तक अनुभव प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने का भरोसा दिया गया था। कर्मचारियों को उम्मीद थी कि तय समय में प्रमाण पत्र मिल जाएंगे और वे भर्ती के लिए जरूरी प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। हालांकि 28 सितंबर की समय सीमा निकलने के बाद भी कर्मचारियों को प्रमाण पत्र जारी नहीं किए गए। इसके बाद कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ गई। कर्मचारी लगातार नगर निगम प्रशासन से प्रमाण पत्र जारी करने की मांग कर रहे हैं। अनुभव प्रमाण पत्र की मांग को लेकर सफाई कर्मचारियों ने मंगलवार को अलवर नगर निगम कार्यालय में धरना भी दिया था। कर्मचारियों ने प्रशासन के सामने अपनी समस्या रखी और जल्द प्रमाण पत्र जारी करने की मांग की थी। कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से प्रमाण पत्र का इंतजार किया जा रहा है, इसलिए उनकी मांग है कि प्रमाण पत्र जल्द जारी किए जाएं।

सफाई कर्मचारियों ने स्पष्ट किया है कि जब तक अनुभव प्रमाण पत्र जारी नहीं होते, तब तक उनकी अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगी। हड़ताल के कारण शहर में सफाई व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। नियमित सफाई, कचरा संग्रहण और अन्य सफाई कार्यों पर इसका असर पड़ने की संभावना है। सफाई कर्मचारियों का कहना है कि भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया में फिलहाल अनुभव प्रमाण पत्र नहीं मांगा जा रहा है, लेकिन आगे चलकर अनुभव प्रमाण पत्र की जरूरत होगी। ऐसे में कर्मचारी पहले से ही अपना अनुभव प्रमाण पत्र चाहते हैं, ताकि भर्ती प्रक्रिया के दौरान उन्हें किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

सिंहोड़ पंचायत को नवगठित बबाई पंचायत समिति में शामिल करने का विरोध

सिंहोड़ ग्राम पंचायत को पंचायत समिति खेतड़ी में ही रखने की मांग

खेतड़ी, (निसं)। नवगठित पंचायत समिति बबाई में ग्राम पंचायत सिंहोड़ को शामिल किए जाने के प्रस्ताव के विरोध में राजीविका महिला सदस्यों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों ने मोर्चा खोल दिया है। ग्रामीणों ने जिला कलैक्टर एवं उपखंड अधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपकर सिंहोड़ ग्राम पंचायत को पंचायत समिति खेतड़ी में ही यथावत रखने की मांग की। साथ ही मांग नहीं माने जाने पर आंदोलन की चेतावनी दी।

ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम पंचायत सिंहोड़ वर्तमान में पंचायत समिति खेतड़ी के अधीन आती है। अब नवगठित पंचायत समिति बबाई में सिंहोड़ को शामिल करने का प्रस्ताव सामने आया है। ग्रामीणों का कहना है कि सिंहोड़ को बबाई पंचायत समिति में शामिल करने से क्षेत्र के लोगों की परेशानियां बढ़ जाएंगी। उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने, प्रमाण-पत्र बनवाने तथा पंचायत समिति स्तर के अन्य कार्यों के लिए अधिक दूरी तय करनी पड़ेगी। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने कहा कि सिंहोड़ को बबाई पंचायत समिति में शामिल करने से राजकीय महिला कर्मचारियों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भी आवागमन संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। वर्तमान में खेतड़ी पंचायत समिति से जुड़े होने के कारण ग्रामीणों और कर्मचारियों के कार्य आसानी से हो रहे हैं। बबाई में शामिल किए जाने पर प्रशासनिक कार्यों के साथ-साथ आने-जाने में भी अतिरिक्त परेशानी बढ़ने की आशंका है।

ग्रामीणों ने बताया कि सिंहोड़ ग्राम पंचायत की ओर से इस संबंध में बैठक आयोजित कर प्रस्ताव भी पारित किया गया है। प्रस्ताव में बबाई पंचायत समिति में शामिल किए जाने पर असहमति जताते हुए सिंहोड़ को पंचायत समिति खेतड़ी के अधीन ही यथावत रखने की बात कही गई है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र की सुविधा और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को देखते हुए सिंहोड़ का खेतड़ी पंचायत समिति में रहना ही उचित है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की कि नवसृजित पंचायत समिति बबाई में ग्राम पंचायत सिंहोड़ को शामिल नहीं किया जाए और उसे पंचायत समिति खेतड़ी के अधीन ही रखा जाए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि उनकी मांग पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो ग्रामीण आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। इस दौरान निर्मला देवी, कविता, भावना, संजू, मंजू, मनेश, सुनीता, द्रोपदी, सुशीला, लाली देवी, लक्ष्मी, विद्या देवी, मोनिका, संतरा सहित अनेक ग्रामीण एवं महिला कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व राजीविका महिलाओं ने जिला कलैक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा।

11 अक्टूबर को प्रभात फेरी

पावटा। अग्रवाल महासभा रजि. पावटा की एक महत्वपूर्ण बैठक संरक्षक वीरेंद्र बंसल एवं अध्यक्ष बलदेव गोयल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में समाज के आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में आगामी 11 अक्टूबर को अग्रसेन महाराज का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम, भव्यता एवं शाही लवाजमे के साथ आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में तय कार्यक्रम के अनुसार जन्मोत्सव के अवसर पर प्रातः 5 बजे प्रभात फेरी निकाली जाएगी। इसके पश्चात दोपहर 2 बजे भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा, जो मोदी मंदिर से प्रारंभ होकर आदर्श विद्या मंदिर तक पहुंचेगी।

वहीं शाम 6 बजे प्रतिभा सम्मान समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में जयपुर के प्रसिद्ध कलाकार कृष्णा तिलकधारी द्वारा विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुति दी जाएगी। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली समाज की प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा।

हत्या के मामले का 72 घन्टे में खुलासा, दो आरोपी बालक निरूद्ध

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में पुलिस बनेठा व जिला स्पेशल टीम की साइबर सैल व अलग-अलग टीमों बनेटा थाना क्षेत्र में हुई गत 5 अक्टूम्बर को हत्या कर लूट के मामले में त्वरित कार्यवाही कर दो बाल अपचारियों को निरूद्ध किया जाकर उनके कब्जे से लूट के माल को बरामद किया।

रोशन मीना (आई.पी.एस.) जिला पुलिस अधीक्षक जिला टोंक के निर्देशानुसार रतन लाल भार्गव अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टोंक, कमल जिला पुलिस अधीक्षक ने प्रेस आयोजित कर बताया कि घटना स्थल का एफएसएल टीम व एमआईयु टीम द्वारा मौका निरिक्षण कर सांक्ष्य संकलित करने के बाद मोके मिले वजह सबूत आर्टिकिल जप्त किये गये। जिसके बाद पुलिस टीमों द्वारा लगातार कार्यवाही करते हुए फील्ड इंटेलिजेंस, तकनिकी अंनुसंधान एव अन्य मिली सूचना के

टोंक में हत्या कर लूट के मामले में त्वरित कार्यवाही कर दो बाल अपचारियों को निरूद्ध किया ।

बाद घटना कारित करने वाले दो बाल अपचारीयों को निरूद्ध किया गया। अनुसंधान के दौरान बाल अपचारियों से लूटी गई सोने की मूर्किया बरामद व घटना में प्रयुक्त कुल्हाडी एवं चाकू बरामद किये गये। घटना के दौरानं 5 अक्टूम्बर को थाना बनेठा के ग्राम रूपवास धाबाई की ढाणी के पास कच्चे रास्ते पर एक मोटरसाईकिल गिरने व लहुलुहान हालात में एक व्यक्ति घायल अवस्था में गिरा होने की सूचना पर मौके पर पंहुची बनेठा थाना टीम वएमआईयु, एफएसएल, डीएसटी तथा साईबर सैल टोंक की टीमों ने घायल राजु गुर्जर को

- **बाल अपचारियों से लूटी गई सोने की मूर्किया बरामद व घटना में प्रयुक्त कुल्हाडी एवं चाकू बरामद किये गये**

सआदत अस्पताल टोंक पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरो ने घायल को मृत घोषित कर दिया गया। गठित विशेष टीमों द्वारा घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया, घटनास्थल से फुट प्रिन्ट लिये गये एवं मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया तथा तकनीकी व मानवीय आसूचना के आधार पर संदेह के घेरे में आए दो नाबालिगों को निरूद्ध किया जाकर दोनों बाल अपचारियों से वारदात का सम्पूर्ण खुलासा व लूट की गई दोनो कान की मुर्कियां तथा घटना में प्रयुक्त हथियार कुल्हाडी व चाकू जप्त किया गया है। दोनों विधि से संघर्षरत बालकों ने पूछताछ में बताया कि मृतक राजू गुर्जर को वे पहले से भली-भांति जानते हैं, क्योंकि मृतक उनकी ढाणी में भी प्रतिदिन दूध देने आता था। मृतक के कानों में सोने की मुरकियां (मुर्की) पहनी हुई थीं, जिन्हें लूटने की नीयत से दोनों ने हत्या की योजना बनाई। योजना के अनुसार घटना वाले दिन सुबह दोनों बाल अपचारी धारदार हथियार लेकर रास्ते में छिपकर बैठ गए।

जैसे ही मृतक राजू गुर्जर मोटरसाइकिल से वहां से निकला तो दोनों ने आवाज देकर रोककर कहा कि काका हमें भी आगे तक ले चलो। जैसे ही मृतक ने उन्हें बिठाने के लिए मोटरसाइकिल रोकी तो पीछे बैठते ही एक ने कुल्हाड़ी से सिर पर वार कर दिया। मृतक के गंभीर रूप से घायल होकर गिर जाने पर दोनों ने उनके कानों में पहनी हुई सोने की मुर्कियों को चाकू से काटकर निकाल लिया।

सार-समाचार

35 वार्डों में सफाई-रोशनी का इंतजाम होगा

लालसोट। शारदीय नवरात्रि पर्व नजदीक है और शहर के मंदिरों में तैयारियां तेज हो रही हैं। ऐसे में नगर परिषद के सामने सबसे बड़ी चुनौती शहर के सभी 35 वार्डों में सफाई, स्ट्रीट लाइट और धार्मिक स्थलों पर रोशनी की पुख्ता व्यवस्था करने की है। सवाल यह है कि क्या पर्व से पहले परिषद इन व्यवस्थाओं को धरातल पर उतार पाएगी । उल्लेखनीय है कि नगर परिषद के शहरी क्षेत्र में घाटेश्वर नाथ महादेव, गरीबों के गिरधारी महाराज, गिरधारी महाराज, रघुनाथ मंदिर, बांके बिहारी, महाकाली, मालेश्वर नाथ महादेव और चंद्रेश्वर नाथ महादेव सहित करीब 52 मंदिर हैं, जहां नवरात्रि पर्व हर वर्ष बडे ही हर्षोल्लास और धार्मिक आस्था के साथ मनाया जाता है। नवरात्रि के दौरान इन मंदिरों में श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने के साथ देर रात तक धार्मिक आयोजन होते हैं। ऐसे में मंदिरों के आसपास विशेष सफाई, पर्याप्त स्ट्रीट लाइट और आकर्षक रोशनी की व्यवस्था बेहद जरूरी है। मुख्य मार्गों से लेकर मंदिर परिसरों तक कचरा नहीं रहे और अंधेरे स्थानों पर रोशनी की व्यवस्था हो, यह नगर परिषद की बड़ी जिम्मेदारी बनती है। शहरवासियों की नजर अब नगर परिषद की तैयारियों पर है। सवाल केवल प्रमुख मंदिरों को सजाने का नहीं, बल्कि सभी 35 वार्डों में समान रूप से सफाई और प्रकाश व्यवस्था पहुंचाने का है। कहीं ऐसा न हो कि कुछ चुनिंदा इलाकों में रोशनी की चमक नजर आए और बाकी वार्ड व्यवस्थाओं के इंतजार में रह जाएं। नवरात्रि पर्व नगर परिषद की व्यवस्थाओं की भी परीक्षा लेने वाला है। अब देखना होगा कि पर्व से पहले परिषद 52 मंदिरों और शहर के 35 वार्डों में सफाई एवं प्रकाश व्यवस्था को लेकर कितना गंभीर अभियान चलाती है।

लक्ष्मण-परशुराम संवाद का मंचन देख दर्शक भावविभोर

पावटा। आदर्श रामलीला मंडल पावटा के तत्वावधान में रामलीला मैदान में चल रही रामलीला के पांचवे दिन धनुष यज्ञ की लीला मंचन के दौरान रावण-बाणासुर, लक्ष्मण परशुराम संवाद एवं सीता स्वयंवर की लीला का मंचन कलाकारों द्वारा किया गया। रामलीला के प्रथम दृश्य में सीता जी का गौरी पूजन, राम सीता मिलन व सीता स्वयंवर में देश विदेश से आए राजा जनक के दरबार में पहुंचे। जहां मिथिला के राजा जनक की ओर से आयोजित सीता स्वयंवर में लंकापति रावण समेत दूसरे राजा व भगवान भक्त बाणासुर पहुंचे ।रावण-बाणासुर संवाद के शंखनाद से देश के राजा थर्रा उठे। रावण के जाने के बाद देश देश के राजाओं ने धनुष उठाने का प्रयास किया। राजाओं द्वारा धनुष तोड़ने के हास्य को देखकर लोट-पोट हुए। वही बड़े बड़े योद्धाओं द्वारा धनुष नहीं उठाने पर सभा में सन्नाटा छा गया। राजा जनक ने कहा कि क्या यह पृथ्वी वीरों से हीन हो गई है। जहां आगे आकर श्री राम परशुराम से कहते हैं कि धनुष को आपके ही किसी दास ने तोड़ा होगा। वह स्वयं को मुनि का सेवक बताते हैं तो परशुराम और भी क्रोधित हो जाते हैं और कहते हैं कि सेवक वह होता है जो सेवा करता है। राम बारात में सजीव झांकियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया श्रीराम-सीता विवाह के प्रसंग ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। बेटी की विदाई के भावुक क्षणों में राजा जनक की आंखों से अश्रुधारा बह निकली। विवाह प्रसंग के दौरान पूरा रामलीला मैदान जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। इस दौरान इस दौरान मंडल संरक्षक महेश पारीक, उमेश टांक, वरिष्ठ सदस्य रमाकांत गौड, शंकर शर्मा, अध्यक्ष योगेश शर्मा, डायरेक्टर मोहन गौड, उपाध्यक्ष दीपक पटेल, साँवर मल बोहरा, रामशरण बोहरा, नरेंद्र गौड, सोनू अठावाल, कोषाध्यक्ष विकास पुजारी, ललित शर्मा, सुनील गौड, लक्की भारद्वाज, शुभम शर्मा, मुकेश सोनी, पंकज सैन, बिहारी सोनी, गुड्डू गुप्ता, सुभाष टीलावत, शिवम जोशी, अरविंद जांगिड, अमित बटवाल, आशीष शर्मा, प्रदीप टांक, लोकेश टांक, जीतू कुमावत, गिरिराज,लक्ष्मीकांत शर्मा, सोमदत्त शर्मा, राघव टीलावत, केशव, लक्ष्य, धर्मेंद्र , अमित बटवाल सहित पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

कालूराम मीना एवं दिनेश खंगार सम्मानित

निवाई। एसबीआई बैंक के प्रशासनिक कार्यालय जयपुर में आयोजित सम्मान समारोह में उत्कृष्ट एवं सराहनीय सेवाएं देने वाले ग्राहक सेवा केंद्र संचालक कालूराम मीना नायला व एसबीआई बनस्थली निवाई शाखा के सीएसपी दिनेश कुमार को उप महाप्रबंधक विश्वनाथ यादव द्वारा उनके उत्कृष्ट कार्य, लगन व निष्ठा के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय के प्रबंधक राजकुमार तिवाड़ी ने दोनों सम्मानित सीएसपी कालूराम मीना एवं दिनेश कुमार खंगार के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और उनके प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर एसबीआई बनस्थली शाखा प्रबंधक बीरबल मीणा व रमेशचन्द मीणा सहित कई अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

ब्लॉक स्तरीय प्रबल कार्यक्रम आज

निवाई। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार को सुबह 10 बजे से ब्लॉक स्तरीय प्रबल कार्यक्रम-2026 का आयोजन किया जाएगा। जिसमें मुख्य अतिथि उपखंड अधिकारी गंभीर सिंह होंगे। विशिष्ट अतिथियों में डीवाईएसपी रविकुमार शर्मा व मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मंजू मीणा होंगे। कार्यक्रम संयोजक प्रधानाचार्य गिरिराजप्रसाद गुर्जर व कार्यक्रम की प्रभारी डॉ स्वाति जनकावत ने बताया कि कार्यक्रम में निवाई के समस्त राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों के एक बालक व एक बालिका सहभागिता करेंगे।

स्कूल परिसर में शव का दाह संस्कार करने के मामले में 5 पकड़े

दूदू। नगर पालिका मुख्यालय पर संचालित शिक्षा विभाग के अधीन स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूल परिसर में गेट का ताला तोड़कर शव का दाह संस्कार करने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नगर पालिका के नवनिर्वाचित पार्षद सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

थाना निरीक्षक संजय मीणा ने बताया कि माल की ढाणी निवासी बाबूलाल बागरिया की मृत्यु के बाद बागरिया समाज के कुछ लोगों ने रविवार को सरकारी विद्यालय के गेट का ताला तोड़कर परिसर में शव का दाह संस्कार कर दिया था। इस दौरान स्कूल परिसर में ही चिता स्थल बना दिया गया। घटना के बाद ग्रामीणों एवं अभिभावकों में आक्रोश फैल गया।

- **सरकारी विद्यालय के गेट का ताला तोड़कर परिसर में शव का दाह संस्कार किया था**

विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती सरिता मीणा ने पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने कालूराम बागरिया (पार्षद) गोपीराम, रामसहाय बोदूराम एवं बबलू निवासी माल की ढाणी को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी। पुलिस ने मामले में अन्य आरोपियों की तलाश भी जारी है।

विशाल शनि मेला कल

निवाई। शिवाजी पार्क के बाहर स्थित शनिदेव जी के मंदिर में शनिवार को शनि अमावस्या महोत्सव को लेकर शनि मेले का भव्य आयोजन किया जाएगा। मंदिर के पंडित राधेश्याम पुजारी ने बताया कि 10 अक्टूबर को शनि अमावस्या महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि शनि मेला महोत्सव को लेकर संपूर्ण रात्रि भजन संध्या का आयोजन होगा। जिसमें प्रसिद्ध गायक कलाकारों द्वारा भजनों की प्रस्तुतियां दी जाएगी।

शनिवार को शनिदेव, हनुमानजी एवं भगवान शिवजी की फूल बंगला झांकी सजाई जाएगी एवं सुबह 6 से शाम 4 बजे तक श्री शनि देव जी का सवा किलो तेल से अभिषेक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शनि मेले को लेकर कई धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाएगा।

चुनाव आयोग आयुक्त व भाजपा के खिलाफ कांग्रेस का विरोध-प्रदर्शन

टोंक। राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशन में चलाये जा रहे अभियान लोकतंत्र बचाओ सप्ताह के अंतर्गत जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा गांधी पार्क में गुस्वार को धरना देकर घंटाघर चौराहे तक पैदल मार्च निकाल कर भाजपा की केंद्र सरकार के खिलाफ तथा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने और गिरफ्तार करने की मांग एवं पिछले दो दिनों में कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी प्रियंका गांधी और अन्य नेताओं के साथ की गई बर्बरता पूर्वक कार्यवाही के विरोध में काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया गया।

इस मौके पर निवर्तमान जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा ने कहा कि लोकतंत्र आज खतरे में है, ज्ञानेश कुमार को हटाना ही होगा। उन्होंने कहा कि वोट देकर किसी सरकार को बदलने की शक्ति हमेशा से जनता के पास रही है, मगर यह शक्ति भाजपा और चुनाव आयोग ने कमज़ोर कर दी है उन्होंने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि प्ट की साजिश से बीजेपी के साथ मिलीभगत कर चुनाव आयोग ने 13 करोड़ नाम वोटर लिस्ट से डिलीट कर दिए हैं। उन्होंने आगे कहा कि पीढ़ियों से हिंदुस्तान में रहने वाले लोगों के नाम काट दिए गए,। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष रामविलास चौधरी ने कहा कि दिल्ली जंतर मंतर पर पिछले दो दिनों में कांग्रेस के बड़े नेताओं और राहुल गांधी प्रियंका गांधी के साथ बर्बरता पूर्ण कार्यवाही की जा रही है, विपक्ष का एक डेलिगेशन राहुल गांधी के नेतृत्व में ज्ञानेश कुमार से मिलना चाह रहा था लेकिन सरकार ज्ञानेश कुमार से नहीं मिलने दे रही है। वही ज्ञानेश कुमार का बचाव भाजपा कर रही है, भाजपा और चुनाव आयोग की मिली भगत जनता के सामने आ चुकी है। इस अवसर पर किशन फगोरिया, कैलाशी देवी मीणा, इरशाद बेग, देवकरण गुर्जर, शिवजी राम मीणा, बरकात हसीन, अब्दुल खालिक, रामलाल गुर्जर, युसूफ यूनिवर्सल इम्तियाज़ खान, मनिंदर बेरवा, आकाश बेरवा, पंकज यादव, सीपी श्रीवास्तव, शबाना बी, जर्रार खान फोजू राम मीणा, बजरंग लाल वर्मा, अलका बेरवा, राहुल चंदेल, कमलेश चावला, शिवपाल खण्डवा, राजेश मोड, पार्षद भागचंद गुर्जर, आमिर फारूक, मोहम्मद कमर, हैदर अली इमरान पहलवान आदि के अलावा बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अपात्र लाभार्थियों को हटाने के लिए सर्वे

कोटपूतली । राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में अपात्र लाभार्थियों को चिन्हित कर योजना से बाहर करने तथा पात्र एवं वंचित परिवारों को खाद्य सुरक्षा योजना से जोड़ने के उद्देश्य से गिवअप अभियान के द्वितीय चरण के तहत जिले में अक्टूबर से दिसंबर तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, जयपुर के निर्देशानुसार एवं जिला कलक्टर के निर्देशन में अभियान के तहत डोर-टू-डोर सर्वे कर पात्र एवं अपात्र लाभार्थियों की स्थिति का सत्यापन किया जाएगा। अभियान के तहत विशेष रूप से ऐसे शहरी वार्डों को प्राथमिकता दी जाएगी, जहां जनगणना-2011 के अनुसार 80 प्रतिशत से अधिक आबादी राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ प्राप्त कर रही है। प्रथम चरण में पावटा क्षेत्र एवं नारायणपुर की ग्राम पंचायत जोधपुरा में सर्वे कार्य प्रारंभ किया जाएगा। सर्वे के दौरान ऐसे व्यक्ति एवं परिवारों को चिन्हित किया जाएगा।

पृथक पोलिंग बूथ की मांग को लेकर 7वें दिन भी धरना जारी

कोटपूतली। निकटवर्ती ग्राम करवास के ग्रामीणों द्वारा पृथक पोलिंग बूथ की मांग को लेकर गांधी जयंती 02 अक्टूबर से शुरू हुआ अनिश्चितकालीन धरना गुरुवार को लगातार 7 वें दिन भी ओमप्रकाश आर्य के नेतृत्व व सीताराम प्रजापत की अध्यक्षता में बदस्तूर जारी रहा। धरने में महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिनके चेहरों पर प्रशासन की बेरुखी को लेकर गहरा आक्रोश साफ देखा जा सकता था।

ओमप्रकाश आर्य ने कहा कि यदि तकनीकी कारणों से करवास में स्वतंत्र बूथ नहीं दिया जा सकता, तो बनका पंचायत के ही एक हिस्से 'बालकान की ढ़ाणी' रोड़ पर स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में मतदान केंद्र बनाया जाए। यह स्थान दोनों गांवों के बीच में पड़ता है और इससे ग्रामीणों की समस्या का काफी हद तक समाधान हो सकता है। उन्होंने बताया कि धरने पर

निकटवर्ती ग्राम करवास के ग्रामीणों द्वारा पृथक पोलिंग बूथ की मांग को लेकर धरना दिया।

अभी तक किसी भी राजनीतिक दल का कोई भी प्रतिनिधि नहीं पहुंचा है। ग्रामीण बिना किसी राजनीतिक बैसाखी के अपने दम पर अपने हक की लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं होता, दोबारा निष्पक्ष भौतिक सत्यापन नहीं किया जाता और करवास- बनका मुख्य मार्ग से जलभराव खत्म कर पक्की सड़क नहीं बनती, तब तक यह आंदोलन समाप्त नहीं होगा। आने वाले दिनों में इस आंदोलन को और उठा व व्यापक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रशासनिक अधिकारियों ने जमीनी हकीकत जाने बिना महज 'गूगल मैप्स' के सहारे कागजी खानापूर्ति कर ली है। सरकारी कागजों में करवास से बनका मतदान केंद्र की दूरी को महज 3 से 3.5 किलोमीटर का सीधा और सुगम मार्ग दर्शाया गया है, लेकिन हकीकत में यह रास्ता किसी खौफनाक नदी-नालों के दलदल से कम नहीं है।

यहां 05 से 20 फीट चौड़े नाले हमेशा कीचड़ और गंदे पानी से लबालब भरे रहते हैं। इसके ऊपर से गुजरने वाला स्टेट हाईवे बिना किसी कट, अंडरपास या ओवरब्रिज के एक 'डेथ हाईवे' बन चुका है। अगर प्रशासन का कोई भी अधिकारी इस दिखाए गए रास्ते या पानी की निकासी के लिए बने 5 5 फीट के संकरे ब्लॉक होल से निकलकर दिखा दे तो ग्रामीण अपनी मांग तुरंत छोड़ देंगे।

दो भाईयों ने बाजी मारी

राजगढ़ । क्षेत्र के बबेली ग्राम निवासी दो भाईयों में 70 वी राज्य स्तरीय 17 वर्षीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में गोल्ड एवं सिल्वर मेडल हासिल कर गांव का नाम रोशन किया है। हर्षवर्धन सिंह गोल्ड मेडल एवं जयवर्धन सिंह नरूका सिल्वर मेडल पंचायती राज अतिरिक्त एवं सहायक विकास अधिकारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष बृजेंद्र सिंह बबेली के भतीजे हैं। हर्षवर्धन सिंह का राष्ट्रीय कैंप के लिए चयन हुआ है।

70 वी राज्य स्तरीय 17 वर्षीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता सरवाड़ अजमेर में संपन्न हुई,जिसमें हर्षवर्धन सिंह ने 63 से 66 किलो भार वर्ग में अजमेर की ओर से खेलते गोल्ड मेडल जीता। दूसरी और जयवर्धन सिंह नरूका ने 14 वर्षीय राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता अलवर में 48.50 किलो भार वर्ग में सिल्वर मेडल जीता।

इसका राष्ट्रीय कैंप के लिए चयन हुआ। हर्षवर्धन एवं जयवर्धन सिंह के पिता सुरेंद्र सिंह नार का वर्तमान में रेलवे सीटीआई के पद पर जयपुर में कार्यरत है ।

पावटा-प्रागपुरा पालिका में उपाध्यक्ष सोमवती का मोर्चा

पावटा। नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा की उपाध्यक्ष सोमवती ने कस्बे की बदहाल सड़कों, क्षतिग्रस्त नालियों, अंडरपास में अंधेरे और वर्षों से अधूरे पड़े विकास कार्यों को लेकर पालिका प्रशासन के सामने कड़ा मोर्चा खोल दिया है। उपाध्यक्ष ने अधिशासी अधिकारी को अलग-अलग पत्र भेजकर मौके पर तत्काल कार्रवाई कराने के साथ संबंधित अधिकारियों व एजेंसियों की जवाबदेही तय करने की मांग की है।

उपाध्यक्ष ने वार्ड संख्या 20 में बद्री चौहान की दुकान की गली से राठी कॉलोनी की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग की बदहाल स्थिति का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने से सड़क धंस गई है और जगह-जगह गहरे गड्ढे, कीचड़ व जलभराव की स्थिति बनी हुई है। इससे आमजन, स्कूली बच्चों और दोपहिया वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने तत्काल गिट्टी-मुरम डलवाकर रास्ता सुचारू कराने तथा स्थायी समाधान के लिए सीसी सड़क और पक्की नाली का तकनीकी तखमीना तैयार कराने की मांग की। मुख्य बस स्टैंड स्थित छोटे अंडरपास में पर्याप्त रोशनी नहीं होने का मामला भी उपाध्यक्ष ने उठाया। उन्होंने कहा कि इस संकरे रास्ते से दिन-रात महिलाएं, विद्यार्थी और वाहन चालक गुजरते हैं। अंधेरे के कारण दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। उन्होंने कनिष्ठ अभियंता से मौका निरीक्षण करवाकर अंडरपास में पर्याप्त संख्या में मजबूत एवं वाटरप्रूफ एलईडी लाइटें लगवाने की मांग की। एक अन्य पत्र में छोटे अंडरपास से मुख्य बाजार तक क्षितठास्त नालियों की मरम्मत तथा सुभाष चौक से चमत्कारी चौराहे के रास्ते में खुली गहरी नाली पर फेरो-कवर अथवा मजबूत लोहे की सुरक्षा जाली लगाने की मांग की गई। उपाध्यक्ष ने कहा कि व्यस्त मार्ग पर खुला नाला राहगीरों, बच्चों और दोपहिया वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। उन्होंने दोनों स्थानों पर तकनीकी टीम भेजकर तत्काल कार्रवाई की मांग की। वार्ड 17, 18, 19 और 20 से जुड़े पुराने रोड पर सब्जी मंडी क्षेत्र से एमडीआर सड़क तक बनी सीसी सड़क को पाइपलाइन डालने के लिए खोदे जाने और एक वर्ष से अधिक समय बाद भी मरम्मत नहीं होने पर भी सोमवती ने सवाल खड़े किए हैं।

- **टूटी सड़क, खुली नालियां, अंडरपास का अंधेरा और अधूरे विकास कार्यों पर ईओ को भेजे पत्र**

उन्होंने ईओ से रोड कटिंग की स्वीकृति, जमा कराए गए रोड कटिंग रेस्टोरेशन शुल्क, संबंधित विभाग/ठेकेदार की अनुबंध शर्तों और पूरी पत्रावली दो दिन में उपलब्ध कराने की मांग की। साथ ही सड़क की तत्काल सीसी मरम्मत शुरू कराने तथा आगामी 12 अक्टूबर की साधारण सभा में संबंधित जेईएन एवं विभाग/ठेकेदार के विरुद्ध की गई कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट सदन के समक्ष रखने को कहा है। वार्ड संख्या 20 में शनि मंदिर के पास रतनलाल गुप्ता के मकान के सामने जलभराव की समस्या को लेकर भी उपाध्यक्ष ने गंभीर आपत्ति जताई। पत्र के अनुसार 8 मार्च 2025 को नाली निर्माण के लिए 7.15 लाख की अनुमानित लागत के कार्य का शिलान्यास किया गया था, लेकिन डेढ़ वर्ष से अधिक समय गुजरने के बावजूद निर्माण पूरा नहीं हुआ। उपाध्यक्ष सोमवती मीणा ने स्वीकृत कार्य की वर्तमान स्थिति और वर्क ऑर्डर की पत्रावली उपलब्ध कराने तथा सेवा सेतु अभियान-2026 के तहत तकनीकी टीम भेजकर मौका निरीक्षण कराने और नाली निर्माण शुरू करवाने की मांग की है। उपाध्यक्ष ने मुख्य बाजार स्थित सुभाष चौक पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा एवं स्मारक परिसर की नियमित सफाई और रखरखाव का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय महापुरुष की प्रतिमा पर धूल-मिट्टी जमा है और परिसर में भी सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं है। उन्होंने प्रतिमा की सम्मानपूर्वक धुलाई, परिसर की नियमित सफाई तथा इसके लिए संबंधित सफाईकर्मी की विशेष जिम्मेदारी तय करने की मांग की। उपाध्यक्ष सोमवती ने कहा कि सड़क, नाली, रोशनी और स्मारकों की स्वच्छता जैसे मुद्दे सीधे जनसुविधा और जनसुरक्षा से जुड़े हैं। इसलिए इन मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाना चाहिए। साथ ही लंबित कार्यों में लापरवाही बरतने वालों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए।

कलश यात्राा में उमड़े श्रद्धालु

निवाई। कृषि उपज मंडी में स्थित भगवान लक्ष्मीनारायण जी के मंदिर में कथा वाचक पंडित प्रदीप गिर्राज शास्त्री के सानिध्य में संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञान कथा सप्ताह का विधि-विधान के साथ शुभारंभ हुआ। जिसको लेकर चिंताहरण गणेश जी के मंदिर से विशाल कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा।

कलश यात्रा के शुभारंभ से पूर्व चिंताहरण गणेश जी के मंदिर में पंडित प्रदीप गिर्राज शास्त्री के सानिध्य में यजमानों एवं श्रद्धालुओं द्वारा विधि-विधान व वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत कलश पूजन करके कलश यात्रा को रवाना किया गया। कलश यात्रा में करीब 51 से अधिक महिलाएं सिर पर मंगल कलश धारण कर नाचते गाते हुए रवाना हुई। कलश यात्रा में बैंड-बाजे व डीजे के मधुर भजनों पर श्रद्धालु भक्ति भाव से नाचते गाते हुए चल रहे थे। पूरे रास्ते में जय श्री कृष्णा व राधे-राधे के जयकारों से संपूर्ण वातावरण धर्ममय हो गया। कलश यात्रा का जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा करके स्वागत किया। कलश यात्रा मुख्य मार्गों से होते हुए कथा स्थल कृषि उपज मंडी में स्थित भगवान लक्ष्मीनारायण जी के मंदिर में पहुंची। जहां विद्वान पंडितों के के सानिध्य में शास्त्रोक्त विधि से मंत्रोच्चारण के साथ मंगल कलशों की विधिवत स्थापना की गई। वैदिक मंत्रोच्चार से मंदिर परिसर एवं आस-पास का वातावरण दिव्य व आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो गया। कलश स्थापना के उपरांत विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन संपन्न किया गया। इसके पश्चात दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन हुआ।

कांग्रेस का कलेक्ट्रेट पर केंद्र सरकार का पुतला दहन कर प्रदर्शन

भरतपुर (निसं)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी राजस्थान के निर्देशानुसार भरतपुर जिला मुख्यालय पर अभी हाल ही में चुनाव आयोग से शांतिपूर्वक जवाबदेही की मांग कर रहे कर रहे कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं विपक्ष के नेता राहुल गांधी एवं प्रियंका गांधी के साथ पुलिस द्वारा किए गए दुर्व्यवहार एवं बर्बरता पूर्वक कार्रवाई के विरोध में जिला कांग्रेस एवं शहर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में कलेक्ट्रेट पर केंद्र सरकार का पुतला दहन किया गया। जिला कलेक्ट्रेट पर कांग्रेस सांसद संजना, जिलाध्यक्ष दिनेश सूपा सहित पूर्व विधायक एवं बडे नेता नदारद रहे।

जिला संगठन महासचिव योगेश सिंघल ने बताया कि पुतला दहन से पूर्व अंबेडकर पार्क में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा के समक्ष कार्यकर्ताओं ने एक सभा की, जिसमें वक्ताओं ने चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार एवं भाजपा सरकार पर तीखे आरोप लगाते हुए केंद्र सरकार की कारगुजारियों की कड़े शब्दों में भर्त्सना की। वक्ताओं ने पिछले चुनाव में भाजपा सरकार द्वारा सत्ता के प्रभाव का दुरुपयोग करते हुए निर्वाचन आयोग एवं स्थानीय प्रशासन के माध्यम से जिस तरीके से वोट चोरी करवाई गई एवं जीते हुए पार्षदों की

कांग्रेस कमेटी ने राहुल गांधी के साथ हुए दुव्यवहार के विरोध में केन्द्र सरकार का पुतला जलाया।

भी चोरी करवाई गई। इसकी कड़े शब्दों में भाजपा सरकार की आलोचना की गई। वक्ताओं ने गत दिवस राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे एवं राहुल गांधी तथा इंडिया ब्लॉक के सभी सांसद जब शांतिपूर्वक चुनाव आयोग की जवाब देही तय करने की मांग करने जा रहे थे तो केंद्र सरकार के इशारे पर पुलिस द्वारा बलपूर्वक उन पर लाठी चार्ज कर घायल कर देने को अमानवीय एवं भाजपा सरकार की बौखलाहट बताया। कहा कि भाजपा सरकार देश में जनता की आवाज उठाने वाले नेताओं की आवाज को बलपूर्वक दबाना चाहती है जिसके दूरगामी दुष्परिणाम भाजपा को भुगतने पड़ेगे। आज पूरे देश के जिला एवं ब्लॉक मुख्यालय पर भाजपा सरकार के खिलाफ धरने प्रदर्शन मार्च तथा पुतला दहन के कार्यक्रम आयोजित करके आज का दिन काला दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इसी क्रम में भरतपुर में आज अंबेडकर पार्क में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा के समक्ष आयोजित सभा का आयोजन किया गया, सभा के बाद में अंबेडकर पार्क से कलेक्ट्रेट के मुख्य द्वार तक कार्यकर्ताओं ने पैदल मार्च निकालकर चुनाव आयोग एवं भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

डंपर की टक्कर से बाइक सवार छात्र की मौत

जयपुर। दौलतपुरा थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से बाइक सवार कॉलेज छात्र की मौत हो गई। हादसा पोखरिया वाला पुलिया के पास शाम करीब 5:30 बजे हुआ। डंपर की टक्कर के बाद छात्र सड़क पर गिर गया और डंपर के पिछले पहिए की चपेट में आ गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान प्रशांत जांगिड़ (20) के रूप में हुई है। वह सोनी का बाग, विद्याधर नगर निवासी धर्मेंद्र कुमार जांगिड़ का पुत्र था और एमिटी यूनिवर्सिटी में बीबीए का छात्र था।दौलतपुरा थानाधिकारी महेंद्र सिंह यादव ने बताया कि हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और डंपर व मोटरसाइकिल को कब्जे में ले लिया। दुर्घटना के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया।

नाम परिवर्तन

वर्तमान में मेरे पुत्र का नाम अमन कसाना है भविष्य में अमन गुर्जर पुत्र श्योदान गुर्जर के नाम से जाना पहचाना जावें।, निवासी-187डी, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नगर, बी-ब्लॉक, गोपालपुरा बाईपास रोड, बदरवास, हीरापूरा, जयपुर

मैं अनीता(40) पत्नी जयराम सिंह शेखावत निवासी प्लाट नं.146, श्याम सरोवर, कालवाड़ रोड पिथावास, हाथोज जयपुर की मूल निवासी हूं मेरे सभी दस्तावेज में अनीता बाई गलती से दर्ज हो गया। सही नाम अनीता है। मुझे भविष्य में इसी नाम से जाना व पहचाना जावे।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किला नाजरा पत्नी अनवर नि0- ए-46-बी, बेनीवाल कांटा, हुसैन कॉलोनी, रामगढ मोड, जयपुर का पुत्र आमिर व बहु तरन्नुम दोनो आपस में झगड़े करते है तथा मेरी मुवक्किला व परिवार के अन्य सदस्यों के साथ भी गाली गलोच व झगड़ा कर मेरी मुवक्किला को मकान से बाहर निकालकर मकान पर कब्जा करके वेचान करने करने की धमकी देते है है तथा जिस कारण मेरी मुवक्किला ने अपने पुत्र आमिर व बहु तरन्नुम को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से एवं अपने परिवार व जीवन से बेदखल कर दिया है और मेरी मुवक्किला के पुत्र, बहु से सभी संबंध समाप्त कर दिये है, जो कोई व्यक्ति मेरी मुवक्किला के पुत्र आमिर, बहु तरन्नुम से किसी भी तरह का सव्यवहार या संबंध करेगा उसका वह स्वयं जिम्मेदार होगा। कृपया सूचित रहे। (बलवीर सिंह) एडवोकेट
दिनांक-8/10/2026 मो. न. 9351903390

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई–निविदा सूचना
डी.आर.एम./बिजली, उ. प. रे. जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के वास्ते एवं मंडल की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा आंमत्रित करते है। **1. सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट का पता : http://www.ireps.gov.in 2. ई–निविदाएं प्रस्तुत करने की तिथि व समय : 29.10.2026** को **15.00** बजे तक **3. ई–निविदाएं खोलने की तिथि व समय : 29.10.2026** को **15.00** बजे के बाद **निविदा संख्या : 09R2/2026-27 कार्य का विवरण** : Electrical work in c/w provision of S&T service building for interlocking of 08 Nos. of manned LC gates i.e. LC-143, 147A, 147, 137 in MTD-JU Section, LC-25, 18,16 in LN-MJ section and LC-80 in RTGH-DNA section over Jodhpur Division. **अनुमानित लागत** : रू. 2173257.76 विस्तृत जानकारी हेतु कृपया http://www.ireps.gov.in पर विजिट करें।
1446-DE/26
हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई–निविदा आमन्त्रण सूचना
मंडल रेल प्रबन्धक, इंजीनियरिंग, उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से ई–निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमो के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्रो में निविदा निम्न कार्यो के लिए क्रमानुसार आमंत्रित की जाती है– **ई– निविदा सूचना सं० 2026–27** : 152 of 2026-27 **कार्य का नाम व स्थान** : Samdari-Barmer Increasing Sleeper Density-128.104 T Km. **अनुमानित लागत रूपये** : 205106200.66 **बयाने की राशि रूपये**: 4102100.00 निविदा सूचना संख्या 152of2026-27 (निविदा प्रस्तुत करने की तिथि **30.10.2026** को 15:00 बजे तक है। वेबसाइट का विवरण जहॉ पर ई–निविदा देखी व भरी जा सकती है – **www.ireps.gov.in** **1445-DE/26**
हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम
राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक : 3530 **जाहिर आम सूचना** दिनांक : 31.08.2026
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/फ्लैट संख्या 265/53 (LIG) का आवंटन श्री घनश्याम पुत्र स्व. श्री गोपीराम को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 8883 दिनांक 09.12.2005 को जारी किया गया था। जिसका नियमितिकरण पत्र क्रमांक 2740/3429 दिनांक 27.06.2010 के द्वारा श्रीमती कौशल्या बागीआ पत्नी श्री लालचन्द बागीआ के पक्ष में किया गया। इनके पक्ष में पंजीयन पत्रों निष्पादन दिनांक 30.06.2010 को कर दिया गया। श्रीमती कौशल्या बागीआ द्वारा श्री चांद मोहम्मद पुत्र श्री जुम्मा शाह को दिनांक 23.08.2012 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री चांद मोहम्मद द्वारा मुख्त्यारआम की हैसियत से उक्त आवास को दिनांक 30.01.2013 को श्रीमती कंचन महावर पत्नी श्री रोशन महावर को विक्रय कर उनके पक्ष में विक्रय पत्र उप पंजीयक अष्टम् जयपुर के यहां पंजीकृत करवाया गया। क्रेती श्रीमती कंचन महावर पत्नी श्री रोशन महावर द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास पर अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए कि मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं हैं, श्रीमती कंचन महावर पत्नी श्री रोशन महावर का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा। सम्पदा प्रबन्धक
वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

नम्बर मिलाइए
8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

झालाना का "राणा" कहां गया?

12 दिन बाद भी वन विभाग के हाथ खाली, सर्च ऑपरेशन जारी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। झालाना लेपर्ड सफारी की पहचान बन चुके लेपर्ड राणा के लापता होने के 12 दिन बाद भी वन विभाग को उसका कोई सुराग नहीं मिला है। बुधवार को वन विभाग की टीमें दिनभर झालाना जंगल के अलग–अलग हिस्सों में राणा की तलाश करती रहीं, लेकिन कोई ठोस संकेत नहीं मिला।

- झालाना के जंगलों में उगी घनी घास में राणा की तलाश मुश्किल हुई, अब अतिरिक्त कैमरों से होगी निगरानी

लगातार तलाश के बावजूद राणा का पता नहीं चलने से वन्यजीव प्रेमियों की चिंता बढ़ गई है।राणा की तलाश के लिए डीएफओ आशीष व्यास, एसीएफ जितेंद्र सिंह शेखावत और रेंजर विजयपाल यादव के नेतृत्व में टीम ने जंगल के संभावित क्षेत्रों में सर्च ऑपरेशन चलाया।

एमएनआईटी के आसपास के क्षेत्र में भी वन विभाग की टीमें निगरानी कर रही हैं। विभाग अब राणा की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए अतिरिक्त कैमरा ट्रैप लगाने की तैयारी कर रहा है।

झालाना के जंगलों में लेपर्ड "राणा" की तलाश में वन विभाग की टीमें जुटी हुई हैं।

बारिश के बाद बढ़ी घास बनी चुनौती

डीएफओ आशीष व्यास के अनुसार हाल में हुई बारिश के बाद झालाना जंगल में घास काफी बढ़ गई है। घनी और ऊंची घास के कारण लेपर्ड की तलाश चुनौतीपूर्ण हो गई है। जंगल का क्षेत्रफल बड़ा होने के कारण प्रत्येक हिस्से की निगरानी में भी समय लग रहा है। ऐसे में कैमरा ट्रैप और अन्य निगरानी माध्यमों से राणा की मौजूदगी का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

निगरानी और स्टाफ पर सवाल

राणा के लगातार लापता रहने के बीच झालाना जंगल की निगरानी व्यवस्था और स्टाफ की कमी का मुद्दा भी उठ रहा है। वन्यजीव प्रेमियों का कहना है कि जंगल में निगरानी व्यवस्था मजबूत करने के साथ स्टाफ की कमी दूर करने की जरूरत है। वहीं सफारी ट्रैक के रखरखाव का काम भी किया जाना है। वन विभाग के अनुसार झालाना में निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है। राणा की तलाश के लिए अतिरिक्त कैमरे लगाए जाएंगे। साथ ही स्टाफ की कमी दूर करने की दिशा में भी कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

झालाना की पहचान बन चुके राणा के 12 दिन से दिखाई नहीं देने के बाद वन विभाग लगातार सर्च ऑपरेशन चला रहा है। जंगल के विभिन्न हिस्सों के साथ एमएनआईटी क्षेत्र में भी निगरानी की जा रही है। कैमरा ट्रैप के जरिए उसकी गतिविधियों का पता लगाने का प्रयास जारी है। फिलहाल राणा का कोई ठोस सुराग नहीं मिला है।

जर्जर बालगृह में रह रहे 80 बच्चों को अन्यत्र शिफ्ट करने की मांग

पीडब्ल्यूडी ने भवन को "उपयोग के लिए असुरक्षित" बताया, हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर

जयपुर। सेठी कॉलोनी स्थित सरकारी ऑब्जर्वेशन होम, प्लेस ऑफ सेफ्टी और स्पेशल होम की जर्जर इमारत में रह रहे करीब 80 बच्चों की सुरक्षा का मामला राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ में पहुंच गया है। एडवोकेट वैष्णवी के माध्यम से अनंत मिश्रा ने जनहित याचिका दायर कर बच्चों को तत्काल सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने की मांग की है। मामले में एडवोकेट वैष्णवी और एडवोकेट अनुतोष मिश्रा पिटीशनर की ओर से काउंसिल हैं। इस प्रकरण पर 5 अक्टूबर को न्यायाधीश महेन्द्र गोयल व न्यायाधीश भुवन गोयल ने सुनवाई की थी। अदालत ने इस मामले में राज्य सरकार से जवाब तलब किया है।

ज्ञात रहे कि अनंत मिश्रा अक्टूबर 2024 से डीएलएसए जयपुर में असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल हैं। उन्होंने 15 सितंबर 2026 को सात लॉ इंटर्न्स के साथ परिसर का निरीक्षण किया था। याचिका के अनुसार परिसर में ऑब्जर्वेशन होम, प्लेस ऑफ सेफ्टी, स्पेशल होम और जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड–1 व 2 संचालित हैं। यहां करीब 80 चिल्ड्रन इन कॉन्फ्लिक्ट विद लॉ रहते हैं।

पीडब्ल्यूडी रिपोर्ट में दरारें, कमजोर नींव और खुली सरिया

याचिका में 26 मई 2026 की पीडब्ल्यूडी कमेटी की निरीक्षण रिपोर्ट का हवाला दिया गया है। इसमें भवन की स्ट्रक्चरल कंडीशन गंभीर बताते हुए कई हिस्सों में दरारें, कमजोर फाउंडेशन, जंग लगी खुली सरिया, बारिश के पानी का रिसाव तथा जर्जर प्लास्टर व टाइल्स का उल्लेख है। दीवारों में करीब डेढ़ से दो इंच तक चौड़ी दरारें भी बताई गई हैं। सीवर, टॉयलेट और बाथरूम की खराब स्थिति से सफाई व स्वास्थ्य को लेकर भी चिंता जताई गई।

10 जून 2026 की रिपोर्ट में भवन को डिलैपिडेटेड और स्ट्रक्चरल रूप से वीक बताते हुए उपयोग के लिए असुरक्षित बताया गया। इसके बाद 11 जून को ऑब्जर्वेशन होम के सुपरिंटेंडेंट ने संबंधित विभाग को पत्र लिखकर बच्चों की सुरक्षा के लिए इसे दूसरी जगह शिफ्ट करने का अनुरोध किया और दुर्घटना की आशंका जताई।

अधिकारियों को शिकायत देने के बाद हाईकोर्ट पहुंचे

याचिका के अनुसार 18 सितंबर 2026 को एडिशनल चीफ सेक्रेटरी और कमिश्नर, डायरेक्टोरेट ऑफ चाइल्ड राइट्स को भी रिप्रेजेंटेशन देकर बच्चों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने की मांग की गई, लेकिन प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।

याचिका में जुवेनाइल जस्टिस एक्ट, 2015 के तहत बच्चों के बेस्ट इंटरेस्ट, सुरक्षा, गरिमा और सुरक्षित वातावरण के प्रावधानों तथा राजस्थान हाईकोर्ट के 27 जनवरी 2016 के निर्देशों का हवाला दिया गया है। हाईकोर्ट से तीनों संस्थानों को तत्काल सुरक्षित और उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित करने तथा सुनवाई के दौरान अंतरिम रूप से बच्चों को सुरक्षित जगह शिफ्ट करने के निर्देश देने की मांग की गई है।

'पीएम-जनमन से जनजातीय क्षेत्रों में विकास को गति'

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम–जनमन) के तहत आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। बारां जिले के किशनगंज, शाहबाद सहित 8 ब्लॉकों में सहरिया पीवीटीजी समुदाय को आवास, सड़क, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और आंगनबाड़ी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। राजस्थान में सहरिया पीवीटीजी की आबादी करीब 1.30 लाख है, जो बारां की 149 ग्राम पंचायतों के 324 राजस्व गांवों में निवास करती है।पीएम–जनमन के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण में 14,671 आवास पूर्ण हो चुके हैं। 4 हजार से अधिक परिवारों को नल कनेक्शन और 16 हजार से अधिक पात्र वंचित परिवारों को विद्युत कनेक्शन जारी किए गए हैं। जनजातीय क्षेत्रों में सड़क संपर्क मजबूत करने के लिए 22 सड़कों का काम भी पूरा हो चुका है।

पीएम–जनमन के तहत 15 मल्टीपर्पज सेंटर, 51 आंगनबाड़ी केंद्र और 51 वन–धन केंद्र संचालित हैं। दो छात्रावासों का कार्य पूरा हो चुका है, जबकि 19 अन्य छात्रावास जून 2027 तक पूरे किए जाएंगे। आरएसएलडीसी ने 621 लोगों को कौशल विकास प्रशिक्षण दिया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की 8 मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) दूरस्थ जनजातीय क्षेत्रों में सेवाएं दे रही हैं।

कांग्रेस का चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन सुर्खियों में बने रहने की कोशिश : मदन राठौड़

जयपुर, । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने दिल्ली में कांग्रेस के चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन को लेकर कहा कि यदि कांग्रेस को आयोग से शिकायत है तो निर्धारित प्रक्रिया के तहत 5 से 7 लोगों का प्रतिनिधिमंडल समय लेकर अधिकारियों से मिल सकता है। इसके बजाय 300–400 लोगों को लेकर प्रदर्शन करना केवल राजनीतिक नौटंकी और सुर्खियों में बने रहने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रदर्शन से न तो निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई होगी और न चुनाव प्रक्रिया पर कोई प्रभाव पड़ेगा। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस लोकतांत्रिक और संवैधानिक संस्थाओं पर विश्वास रखते हुए निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपनी बात रखे। उन्होंने आरोप लगाया कि विरोध प्रदर्शनों के जरिए जनता में भ्रम पैदा करने और उसे भड़काने का प्रयास किया जा रहा है।

- भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि, "300-400 लोगों के साथ प्रदर्शन राजनीतिक नौटंकी है।" उन्होंने राहुल गांधी के द्वारा महिला पुलिसकर्मी से व्यवहार पर भी सवाल उठाए।

राहुल गांधी के व्यवहार पर सवाल

राठौड़ ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के महिला पुलिसकर्मी के साथ व्यवहार को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में रहने वाले नेताओं से मर्यादित और गरिमापूर्ण आचरण की अपेक्षा होती है। महिला पुलिसकर्मी की पीठ पर हाथ रखने को उन्होंने निंदनीय बताते हुए कहा कि ऐसा व्यवहार संस्कारों और मर्यादा के अभाव को दर्शाता है।

राठौड़ कांग्रेस की एकजुटता पर निशाना साधा

कांग्रेस नेताओं के एकजुटता के दावों पर मदन राठौड़ ने कहा कि "हम सब एक हैं" कहने की जरूरत उसी को पड़ती है, जिसके मन में संदेह होता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता एक फोटो फ्रेम के लिए साथ खड़े हो रहे हैं, जबकि उनके बयानों और गतिविधियों से पार्टी के भीतर की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो रही है। रंधावा द्वारा सचिन पायलट से बयान देने की बात और मना करने पर उन्हें पकड़कर लाने की चर्चा का हवाला देते हुए उन्होंने सवाल किया कि क्या कांग्रेस नेता सचिन पायलट को बच्चा समझते हैं।

300 कि.मी. पीछा कर दो वाहन चोर दबोचे

जयपुर। आमेर पुलिस ने वाहन चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने करीब 150 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने के बाद चोरी किए गए महिंद्रा ट्रैक्टर–टैंकर का करीब 300 किलोमीटर तक पीछा किया और भीलवाड़ा से दोनों आरोपियों को दबोच लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी का ट्रैक्टर–टैंकर बरामद कर लिया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करन शर्मा ने बताया कि आमेर थाना पुलिस ने वाहन चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए पीयूष खोयर (32) निवासी रामगंज जयपुर तथा कैलाश मीणा (41) निवासी आमेर जयपुर को गिरफ्तार किया गया है।

समक्ष न्यायालय अपर सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम 3 जयपुर महानगर द्वितीय जयपुर
उज्जवल घीया व अन्य बनाम ताराचन्द व अन्य
प्रतिनिधित्व वाद (नोटिस अन्तर्गत आदेश -1 नियम-8 सीपीसी)
वादीगण ने म. न. 1201, ठाकुर मंदिर रामकंवरजी, घाटगेट, बाजार, जयपुर के संदर्भ में वादीगण ने एक प्रतिनिधित्व वाद प्रस्तुत किया है जिस कारण सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यदि कोई भी व्यक्ति उक्त वाद में पक्षकार बनना चाहता है तो वह पेशी 29/10/26 को प्रातः 10.00 ए.एम. बजे इस न्यायालय में उपस्थित होकर पक्षकार के रूप में संयोजित हो सकते है भविष्य में कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आदेश आज दिनांक 06.10.26 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की की मुद्रा से जारी किया गया है।
प्रस्तुतकार
अपर सिविल न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-3 जयपुर महानगर द्वितीय
मोहर अदालत

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 23/2026
मजिस्द-ए-अलादीन जरिये मुतवल्ली सलीम खान V/s हर आम खा व वगै.
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम मजिस्द-ए-अलादीन जरिये मुतवल्ली सलीम खान S/o श्री छुट्टन खां, निवासी-ढाणी डूडीयान, खो-नागोरियान, जिला जयपुर राजस्थान
विवाद स्थान ......
मृतक ईदू खां की वसीयत दिनांक 18.03.2026 की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक-.....
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम ईदू खां पुत्र अल्लादिन जाति मुसलमान निवासी ढाणी-डूडीयान का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 05 माह 12 सन् 2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 08 माह 10 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
रीडर
अपर जिला एवं सैंशन न्यायाधीश संख्या-11 जयपुर महानगर प्रथम मुख्यालय सांगानेर
मोहर अदालत

शिखर सम्मेलन में शामिल हुईं उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी

नई दिल्ली। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने नई दिल्ली में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी की अध्यक्षता में आयोजित विभागीय शिखर सम्मेलन में सहभागिता की। इस दौरान उन्होंने राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों में महिला सशक्तिकरण, बाल कल्याण, बालिका शिक्षा, पोषण एवं आंगनबाड़ सेवाओं के क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों और नवाचारों को साझा किया।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में मातृशक्ति को सशक्त बनाने, बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने तथा बच्चों के स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य के निर्माण के लिए निरंतर प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने राजस्थान सरकार की प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए कहा कि प्रदेश की हर बेटी को शिक्षा और आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध कराना सरकार का संकल्प है। साथ ही प्रत्येक महिला और बच्चे के लिए सुरक्षित, स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। शिखर सम्मेलन में महिला एवं बाल विकास से जुड़े विभिन्न विषयों, योजनाओं, नवाचारों और राज्यों में किए जा रहे कार्यों पर चर्चा हुई।

शोक जताया

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने भारतीय फिल्म अभिनेता नाना पाटेकर के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। बागडे ने कहा कि नाना पाटेकर केवल अभिनेता ही नहीं थे वह समाज को जागरूक करने, राष्ट्र प्रेम जगाने से जुड़े अहम व्यक्तित्व थे। उनका निधन हिंदी और मराठी फिल्म जगत की अपूरणीय क्षति है।

आम सूचना जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांक: F-JDA/Zone -A/2026/D-37
आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 289634 दिनांक 28.03.2026 को निम्नांकित भूखण्ड का Change in Land Use जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स.स./निजी/खातेदारी/जविप्रा योजना	योजना का नाम	भू-उपयोग परिवर्तन का विवरण: पट्टा अनुसार भू-उपयोग	प्रस्तावित भू-उपयोग
1	Prabhavati Vaidh S/o Ghanshyam Vaid एवं Mahendra kumar Vaidh S/o GhanshyamVaidh एवं Kamal Kumar S/o Ghanshyam Vaidh	242	640.45 Sq. Yrds	JDA	Malviya Nagar Sector/ Block-A	Residential	Mix Use

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Change in Land Use जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

कार्यालय नगर निगम जयपुर
(पण्डित दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर–15)
क्रमांक :– जसअ/2026/252 दिनांक: 05.10.2026
ई–बोली सूचना सं. 02/2026–2027
नगर निगम जयपुर में फोटो स्टेट पेपर रिम ए–4 तथा एफ.एस. (लीगल) साईज की आपूर्ति/क्रय कार्य हेतु पंजीकृत/रजिस्टर्ड फर्म/संस्था/कम्पनी/एजेन्सी/अनुभवी संवेदक से दिनांक 16 अक्टूबर 2026 को दोपहर 01.00 बजे तक ई–बोली आमंत्रित की जाती है। फोटो स्टेट पेपर रिम ए–4 तथा एफ.एस. (लीगल) साईज इत्यादि सामान की अनुमानित लागत, बोली अमानता राशि, बोली प्रपत्र शुल्क, आर.आई.एस.एल. शुल्क एवं अन्य सम्बन्धित सूचना/निविदा शर्तो आदि का सम्पूर्ण विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in, www.jaipurmc.org, & www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी एवं डाउनलोड की जा सकती है।
UBN No.:-JMC2627GLOB00521
उपायुक्त (स्टोर) नगर निगम जयपुर।
राज.संवाद/सी/26/11515

सूचना
डॉ0 आकिल हुसैन,
तत्का. चिकित्सा अधिकारी
सामु. स्वा. केन्द्र, दूदू (जयपुर)
निवास पता- मकान नं. 53 पॉल्ट्रीफार्म इंजनियरिंग कॉलेज के पास श्रीनाथपुरम्, सी-सेक्टर अकेलगढ कोटा
यह है कि आपके विरूद्ध विभागीय जॉच सीसीए नियम-16 अन्तर्गत कार्मिक विभाग के पत्र कमांक प. (24) का. / 2014 दिनांक 13.01.2025 व 15.09.2026 जो आपके नाम सम्बोधित है में उल्लेखित अनुसार कार्मिक द्वारा जारी ज्ञापन दिनांक 23.08.2017 में अधिरोपित आरोप को प्रकरण में नियुक्त जॉच अधिकारी द्वारा प्रमाणित माना गया है। जॉच अधिकारी द्वारा प्रेषित जॉच प्रतिवेदन प्राप्त करते हुए प्रमाणित आरोप के संबंध में आप अपना अभिकथन सूचना प्रकाशित के पश्चात् 03 दिवस में कार्मिक या संबंधित विभाग को प्रस्तुत कर देवें अन्यथा लम्बित प्रकरण में आप द्वारा अपना अभ्यावेदन प्रस्तुत नहीं करने पर नियमानुसार एक तरफा कार्यवाही कर ली जावेगी।
(डॉ. रवि प्रकाश शर्मा)
निदेशक (जन स्वास्थ्य)
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, राजस्थान जयपुर
DIPR/C/17406/2026

एसआईआर और "वोट चोरी" के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

10 अक्टूबर को 50 हजार कार्यकर्ता करेंगे दिल्ली कूच : डोटासरा

जयपुर (कासं)। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित गड़बड़ी और वोट चोरी के आरोपों के खिलाफ कांग्रेस के देशव्यापी आंदोलन के तहत गुरूवार को प्रदेशभर के जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन हुए। जयपुर में शहर कांग्रेस की ओर से कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन में समाजवादी पार्टी और वामदलों के कार्यकर्ताओं ने भी हिस्सा लिया।

प्रदर्शन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, प्रदेश प्रभारी पुखराज पाराशर, पूर्व मंत्री बीडी कल्ला, विधायक रफीक खान सहित कई कांग्रेस नेता मौजूद रहे। करीब डेढ़ घंटे तक केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई। प्रदर्शन के चलते कलेक्ट्रेट के आसपास यातायात प्रभावित रहा और जाम की स्थिति बन गई।

प्रदर्शन के बाद डोटासरा और जूली ने कार्यकर्ताओं से 10 अक्टूबर को दिल्ली कूच करने का आ ान किया। डोटासरा ने कहा कि दिल्ली में आंदोलन कर रहे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ सम्मानजनक व्यवहार नहीं किया जा रहा है। राहुल गांधी केवल कथित वोट चोरी की जांच और दोषियों को हटाने की मांग कर रहे हैं। उनकी बात सुनी जानी चाहिए।

डोटासरा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन के सांसद मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलने जा रहे थे, लेकिन उन्हें मिलने नहीं दिया जा रहा और सड़कों पर घसीटा जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस गांधीवादी तरीके से आंदोलन करेगी। डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस ने देश की आजादी के लिए अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी और उन्हें देश से बाहर किया, ऐसे में मोदी–शाह क्या चीज हैं।

उन्होंने कहा कि 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर–मंतर पर बड़ा आंदोलन होगा। डोटासरा ने दावा किया कि राजस्थान से करीब 50 हजार कार्यकर्ता दिल्ली कूच करेंगे। उन्होंने कहा कि आंदोलन इतना बड़ा होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस्तीफा तक देना पड़ा सकता है।

एसआईआर में कथित गड़बड़ी और वोट चोरी के आरोपों के खिलाफ कांग्रेस ने जयपुर कलेक्ट्रेट पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका।

'क्या चुनाव आयुक्त विदेशी हैं?'

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि देश के नेता प्रतिपक्ष के साथ मारपीट और धक्का–मुक्की की जा रही है तथा उन्हें सड़कों पर घसीटा जा रहा है। उन्होंने सवाल किया, क्या चुनाव आयुक्त विदेशी हैं, जो उनसे नहीं मिल सकते? जूली ने कहा कि देश का आम जनप्रतिनिधि और आम नागरिक भी चुनाव आयोग जाकर मिल सकता है।

जूली ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार गुंडागर्दी कर रही है और विरोध करने वालों के चारों तरफ पुलिस का पहरा लगा दिया जाता है। उन्होंने कहा कि संविधान ने लोगों को विरोध करने का अधिकार दिया है। जब सरकार लोगों की बात नहीं सुनती तो जनता को मजबूती से सड़कों पर उतरना पड़ता है।

'राहुल गांधी से बात करें चुनाव आयुक्त'

पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि उन्होंने पहले कभी नहीं देखा कि देश के नेता प्रतिपक्ष को सड़कों पर घसीटा जा रहा हो और उनके साथ धक्का–मुक्की की जा रही हो।

उन्होंने सवाल उठाया कि सरकार की जिम्मेदारी नहीं है कि नेता प्रतिपक्ष की सुरक्षा बढ़ाई जाए। खाचरियावास ने कहा कि सरकार किसी की बात नहीं सुन रही है, ऐसे में देश कैसे चलेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि जंतर–मंतर पर भी किसी को खड़ा नहीं होने दिया जा रहा। उन्होंने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी है कि कोई मंत्री राहुल गांधी से जाकर बात करे। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भी राहुल गांधी से बात करनी चाहिए और नेता प्रतिपक्ष को विश्वास में लिया जाना चाहिए।

आम सूचना जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांक: F-JDA/Zone -A/2026/D-37
आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 289634 दिनांक 28.03.2026 को निम्नांकित भूखण्ड का Change in Land Use जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स.स./निजी/खातेदारी/जविप्रा योजना	योजना का नाम	भू-उपयोग परिवर्तन का विवरण: पट्टा अनुसार भू-उपयोग	प्रस्तावित भू-उपयोग
1	Prabhavati Vaidh S/o Ghanshyam Vaid एवं Mahendra kumar Vaidh S/o GhanshyamVaidh एवं Kamal Kumar S/o Ghanshyam Vaidh	242	640.45 Sq. Yrds	JDA	Malviya Nagar Sector/ Block-A	Residential	Mix Use

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Change in Land Use जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

मैंने तत्काल प्रभाव से श्रीलंका की टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ दी है।मेरी ईमानदार राय है कि अब यह जिम्मेदारी अगली पीढ़ी को सौंप दी जानी चाहिए। - धनंजय डी सिल्वा

श्रीलंकाई टेस्ट कप्तान, अपने संन्यास को लेकर बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी ▶ **कगिसो रबाडा**

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की मौजूदा विजेता दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार से डरबन में शुरू होने वाले पहले टेस्ट के लिए अपनी अंतिम एकादश घोषित कर दी है। तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा को टीम में जगह नहीं मिली है, जबकि एनरिक नॉर्टजे की टेस्ट क्रिकेट में वापसी हुई है। रबाडा चोट से उबरने और अपनी फिटनेस हासिल करने की प्रक्रिया में हैं। उन्होंने इस वर्ष मई के अंत में इंडियन प्रीमियर लीग में गुजरात टाइटंस की ओर से खेलने के बाद से किसी भी स्तर पर क्रिकेट नहीं खेला है।

क्या आप जानते हैं ?... एशियाई खेलों में 5 भारतीय खिलाड़ियों ने पदकों की हैट्रिक लगाई, जबकि 23 खिलाड़ियों ने 2-2 पदक जीते।

अंडर-19 एशिया कप में भारत-पाक 8 नवंबर को

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। एशियन क्रिकेट काउंसिल ने अंडर-19 एशिया कप 2026 का शेड्यूल जारी कर दिया है। टूर्नामेंट 5 नवंबर से ओमान में शुरू होगा और 14 नवंबर को फाइनल खेला जाएगा। इस बार 8 टीमें खिताब के लिए उतरेंगी और सभी मुकाबले मस्कट स्थित ओमान क्रिकेट अकादमी के ग्राउंड-1 और ग्राउंड-2 पर खेले जाएंगे। भारत अपने अभियान की शुरुआत 6 नवंबर को नेपाल के खिलाफ करेगी। इसके दो दिन बाद 8 नवंबर को पाकिस्तान से मुकाबला होगा। ग्रुप स्टेज में भारत का आखिरी मैच 10 नवंबर को यूएई के खिलाफ होगा। टूर्नामेंट 50-ओवर फॉर्मेट में होगा और कुल 15 मुकाबले खेले जाएंगे। भारत को ग्रुप-ए में पाकिस्तान, यूएई और नेपाल के साथ रखा गया है। वहीं ग्रुप- बी में बांग्लादेश, अफगानिस्तान, श्रीलंका और मलेशिया शामिल हैं।

5 नवंबर को श्रीलंका-मलेशिया से शुरुआत

टूर्नामेंट का पहला मुकाबला 5 नवंबर को श्रीलंका अंडर -19 और मलेशिया अंडर -19 के बीच होगा। इसी दिन ग्रुप- बी में बांग्लादेश और अफगानिस्तान की टीमें भी आमने-सामने होंगी। दोनों मुकाबले सुबह 10:30 बजे शुरू होंगे। श्रीलंका-मलेशिया मैच ओमान क्रिकेट अकादमी ग्राउंड-2 और बांग्लादेश-अफगानिस्तान मैच ओमान क्रिकेट अकादमी ग्राउंड-1 पर खेला जाएगा।

हीरानंद बने भारतीय वुशू संघ के निर्विरोध राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

जयपुर, 8 अक्टूबर। राजस्थान वुशू संघ के अध्यक्ष एवं जयपुर निवासी हीरानंद कटारिया को भारतीय वुशू संघ का निर्विरोध राष्ट्रीय उपाध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। मेरठ में 8 अक्टूबर को आयोजित भारतीय वुशू संघ की वार्षिक साधारण सभा में एक्ट-2025 के तहत चुनाव संपन्न हुए। चुनाव अधिकारी अजय वी. नायक की देखरेख में सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ। भारतीय वुशू संघ के अध्यक्ष पद पर भूपेंद्र सिंह बाजवा, महासचिव पद पर सुहेल अहमद और कोषाध्यक्ष पद पर मुरलीधर चौधरी निर्विरोध निर्वाचित हुए। भारतीय ओलंपिक संघ के ऑब्जर्वर के रूप में अमिताभ शर्मा मौजूद रहे। कटारिया के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनने पर राजस्थान वुशू संघ के मुख्य संरक्षक विनोद सिंह शेखावत, संरक्षक राजाराम मील, गोपाल सैनी, राजकुमार शर्मा, भगवान सहाय जाटवा, चेयरमैन के.सी. घुमरिया, महासचिव ममता वर्मा, कोषाध्यक्ष विजय सिंह शेखावत सहित संघ के पदाधिकारियों ने बधाई दी।

सीनियर पुरुष राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए 18 सदस्यीय टीम घोषित

जयपुर, 8 अक्टूबर। झांसी (उत्तर प्रदेश) में आयोजित होने वाली 16वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राजस्थान की टीम दमखम दिखाएगी। हॉकी राजस्थान के अध्यक्ष महिपाल सिंह ने बुधवार को प्रतियोगिता के लिए राजस्थान की टीम की घोषणा की।अलवर के मनीष चौधरी को टीम की कमान, जबकि हनुमानगढ़ के लवीश को उपकप्तान बनाया गया है। हॉकी राजस्थान के महासचिव देवेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि टीम में लवीश, कुणाल कोंडल, अनुराग सुथार, मयूर टांक, साहिल राजोरिया, हरप्रीत सिंह, शैलेश पंचोली, अंकित रावत, गौरव भारद्वाज, मनीष गहलोत, आमिर, पवन कुमार यादव, हर्षवर्धन सिंह, नवीन, पुनीत, महिपाल सिंह, मनीष चौधरी और अभिषेक श्रोत्रिय को शामिल किया गया है। टीम के कोच रीतेश सैनी और मैनेजर चंद्रांश शर्मा होंगे।

पीयूष की घातक गेंदबाजी, देवेंद्र शेखावत क्रिकेट क्लब ने जीता मुकाबला

जयपुर, 8 अक्टूबर। अंडर-14 मानसून कप क्रिकेट प्रतियोगिता में देवेंद्र शेखावत क्रिकेट क्लब ने जानकीनंदन क्रिकेट अकादमी को 86 रन से हराकर मुकाबला अपने नाम किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए देवेंद्र शेखावत क्रिकेट क्लब ने 37.5 ओवर में 191 रन बनाए। लोकेश ने 43 और आयुष प्रजापत ने 42 रन की उपयोगी पारियां खेलीं। जानकीनंदन क्रिकेट अकादमी की ओर से फरदान अली ने तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जानकीनंदन क्रिकेट अकादमी की टीम 36.2 ओवर में 105 रन पर ऑलआउट हो गई। युवराज ने सर्वाधिक 28 रन बनाए। देवेंद्र शेखावत क्रिकेट क्लब की ओर से पीयूष सैनी और मुदित मीणा ने तीन-तीन विकेट लेकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। शानदार गेंदबाजी के लिए पीयूष सैनी को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

भुवनेश्वर कुमार की टीम इंडिया में वापसी

सितांशु कोटक ने अनुभव और आईपीएल फॉर्म को बताया वजह

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। सहायक कोच सितांशु कोटक ने बृहस्पतिवार को यहां कहा कि भुवनेश्वर कुमार के अपार अनुभव और पिछले दो आईपीएल सत्र में उनकी शानदार फॉर्म ने उन्हें न्यूजीलैंड सीरीज के लिए भारत की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में वापस जगह दिलाई है। छत्तीस वर्षीय अनुभवी तेज गेंदबाज आखिरी बार नवंबर 2022 में न्यूजीलैंड सीरीज में भारत के लिए खेले थे। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए शानदार प्रदर्शन के बाद भुवनेश्वर ने राष्ट्रीय टीम में वापसी की। उन्होंने 2025 और 2026 में आरसीबी की लगातार खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने इन दो सत्र में 45 विकेट लिए थे (2025 में 17 और 2026 में 28)। भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ जारी पांच मैच की सीरीज के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेलेगी। कोटक ने संकेत दिया कि चयनकर्ताओं को शायद युवा गेंदबाजी ग्रुप में अनुभव जोड़ने की जरूरत महसूस हुई होगी। कोटक ने यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की पूर्व संध्या पर मीडिया से बातचीत में कहा, ''चयनकर्ताओं पर निर्भर करता है। लेकिन मैं आपको अपनी सोच के आधार पर जवाब दे सकता हूं।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर वेदराल्ड के सिर में चोट, दिमाग पर असर

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। ऑस्ट्रेलिया के ओपनर जेक वेदराल्ड के सिर में चोट लगी है। वे शेफील्ड शील्ड ट्रॉफी के पहले मैच में विक्टोरिया के खिलाफ फील्डिंग के दौरान बाउंड्री पर मेटल बोर्ड से टकरा गए। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में बुधवार को टक्कर के बाद वेदराल्ड ठीक थे। उन्होंने दिनभर फील्डिंग भी की। लेकिन, रात में सिर की चोट गंभीर हो गई। सुबह मेडिकल टेस्ट के बाद उन्हें मैच से बाहर कर दिया गया।

खेल मंत्रालय ने आईयूएसएफ को दी राष्ट्रीय खेल महासंघ के रूप में अस्थायी मान्यता

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। खेल मंत्रालय ने भारत में विश्वविद्यालय खेलों के विकास के लिए भारतीय यूनिस्पोर्ट्स महासंघ को अस्थायी मान्यता प्रदान कर दी है। नवगठित संस्था के लिए संबद्धता की शर्तों में ढील दी गई है। इससे भारतीय विश्वविद्यालय संघ पर प्रश्नचिह्न लग गया है जिसको प्रशासनिक खामियों के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। आईयूएसएफ को राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप अपने संविधान में संशोधन करने और अगले छह महीनों में एफआईएसयू से मान्यता हासिल करने का निर्देश दिया गया है।

अंडर-19 वीनू मांकड़ ट्रॉफी में राजस्थान के यथार्थ भारद्वाज का शानदार शतक

जयपुर, 8 अक्टूबर। बीसीसीआई की अंडर-23 वीनू मांकड़ ट्रॉफी में राजस्थान को मध्य प्रदेश के खिलाफ बेहद करीबी मुकाबले में 6 रन से हार का सामना करना पड़ा। राजकोट में खेले गए मुकाबले में मध्य प्रदेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 9 विकेट पर 351 रन बनाए। अर्णव शारदा ने 60 और सेजल भाड़े ने 51 रन बनाए। राजस्थान की ओर से अभिषेक मूंड और सुमित सैनी ने तीन-तीन तथा कुशाग्र ओझा ने दो विकेट लिए।

जवाब में राजस्थान की टीम 50 ओवर में 8 विकेट पर 345 रन ही बना सकी।यथार्थ भारद्वाज ने शानदार 119 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि कुशाग्र ओझा ने 83 रन बनाए। अभय शर्मा और रजत बघेल ने 38-38 रन का योगदान दिया। अभिषेक मूंड 20 और सुमित सैनी 13 रन बनाकर नाबाद रहे। मध्य प्रदेश के सृजन दह्यत ने दो विकेट लिए।

सीके नायडू ट्रॉफी के लिए राजस्थान टीम घोषित

राजस्थान सीनियर चयन समिति ने राष्ट्रीय अंडर-23 सीके नायडू ट्रॉफी के लिए राजस्थान की 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है।सिकर के हिमांशु नेहरा को टीम की कमान, जबकि आयुष अमेरिया को उपकप्तान बनाया गया है। टीम में अमोल चेलानी और मीनाफ शेख विकेटकीपर के रूप में शामिल हैं। राजस्थान अपना पहला मुकाबला 12 से 15 अक्टूबर तक हिमाचल प्रदेश के खिलाफ हिमाचल प्रदेश में खेलेगा। इसके बाद 19 से 22 अक्टूबर तक जयपुर में बंगाल से मुकाबला होगा।

राजस्थान अंडर-23 टीम घोषित : हिमांशु नेहरा कप्तान, आयुष अमेरिया उपकप्तान, सौरभ गोदारा - अलवर, अमोल चेलानी (विकेटकीपर) - अलवर, दीपेंद्र सिंह - बाड़मेर, सचिन कैथ - भरतपुर, सर्वज्ञ पानेरी - भीलवाड़ा, जयवर्धन सिंह गेहलोत - भीलवाड़ा, आयुष अमेरिया (उपकप्तान) - जयपुर, पुरोहित चगन सिंह - जालोर, राजीव दुकतावा - जोधपुर, प्रणमय चपलोत - राजसमंद, पार्थ यादव - सीकर, अंकित रोहिल्ला - सीकर, हिमांशु नेहरा (कप्तान) - सीकर, करण सिंह राणावत - उदयपुर, मीनाफ शेख (विकेटकीपर) - उदयपुर।

दिल्ली में राजस्थान के निशानेबाजों का कमाल, जीते स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक

इंडिया ओपन शॉटगन शूटिंग चैम्पियनशिप में प्रदेश के खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

जयपुर, 8 अक्टूबर। नई दिल्ली स्थित डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में 5 से 13 अक्टूबर तक आयोजित 11वीं इंडिया ओपन शॉटगन प्रतियोगिता एवं बरेटा गोल्ड कप-2026 में राजस्थान के निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक अपने नाम किए हैं। क्ले पिजन स्कीट जूनियर एवं यूथ पुरुष वर्ग में तनुज राज सिंह ने दो रजत पदक जीते, जबकि महिला स्कीट स्पर्धा में प्रमदा राठौड़ ने रजत पदक हासिल किया। क्ले पिजन ट्रैप एनआर यूथ एवं जूनियर महिला वर्ग में इनाया यादव ने स्वर्णिम प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक जीते। जूनियर पुरुष ट्रैप वर्ग में युगांधर देव सिंह ने रजत तथा यूथ पुरुष वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया। वहीं यूथ पुरुष वर्ग में सदव्यदक्ष ने स्वर्ण पदक जीतकर राजस्थान का गौरव बढ़ाया। पुरुष ट्रैप स्पर्धा में प्रिंस नंदवानी ने कांस्य और सूबी खान ने रजत पदक जीता। मास्टर्स पुरुष वर्ग में भवानी सिंह कालवी ने रजत तथा जितेंद्र सिंह सिसोदिया ने कांस्य पदक हासिल किया। राजस्थान राइफल एसोसिएशन ने सभी पदक विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

एशियन पैरा गेम्स में 111 से अधिक पदकों का लक्ष्य, भारतीय पैरा एथलीट्स को दिया गया विदाई संदेश

नई दिल्ली/जयपुर, 8 अक्टूबर। एशियन पैरा गेम्स 2026 के लिए भारतीय पैरा एथलीट्स के दल का विदाई समारोह नई दिल्ली स्थित आईटीसी मौर्या होटल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने भारतीय खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए एशियन पैरा गेम्स में देश का गौरव बढ़ाने के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया, डॉ. नरेंद्र सिंह, इंडिया पैरा एथलेटिक्स फेडरेशन के अध्यक्ष, एम3एम फाउंडेशन की ट्रस्टी डॉ. पायल कनोड़िया, कैप्टन एवं फ्लाइंग-बेयरर प्रमोद भगत सहित कोच, स्पोर्ट्स एडमिनिस्ट्रेटर्स और खेल मंत्रालय के अधिकारी उपस्थित रहे।

खाकी अब घोड़े पर सवार, पोलो के मैदान में राजस्थान पुलिस की एंट्री

उद्घाटन मैच में ब्लू टीम ने रेड को 6-2 से हराया

जयपुर, 8 अक्टूबर। राजस्थान पुलिस ने खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए अपनी नवगठित घुड़सवारी पोलो टीम की शुरुआत की। राजस्थान पुलिस अकादमी के हॉकी ग्राउंड में गुरुवार को आयोजित समारोह में पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने बॉल रोलिंग कर टीम और उद्घाटन मुकाबले का शुभारंभ किया। इसके बाद टीम रेड और टीम ब्लू के बीच प्रदर्शन मैच खेला गया, जिसमें घोड़ों की रफ्तार और खिलाड़ियों के कौशल ने दर्शकों का रोमांच बढ़ाया। टीम ब्लू ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए टीम रेड को 6-2 से हराया। डीजीपी शर्मा ने कहा कि टीम को नियमित प्रशिक्षण और सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे तथा भविष्य में विभिन्न प्रतियोगिताओं में उतारा जाएगा। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एवं मुख्य खेल अधिकारी रूपिंदर सिंह ने बताया कि टीम को नियमित अभ्यास के जरिए बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया जा रहा है। समारोह में राजस्थान पुलिस ऑर्केस्ट्रा बैंड की भी शुरुआत की गई। इस अवसर पर डीजीपी यातायात मालिनी अग्रवाल, राजस्थान पोलो क्लब के सचिव दिग्विजय सिंह, पूर्व पोलो खिलाड़ी कर्नल कुलदीप सिंह सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

आर्कटिक ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची पी.वी. सिंधु, तन्वी शर्मा बाहर

वांता (फिनलैंड), 8 अक्टूबर। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने गुरुवार को जापान की रिको गुंजी को हराकर आर्कटिक ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया, जबकि तन्वी शर्मा को शीर्ष वरीयता प्राप्त थाईलैंड की रत्चानोक इंतानोन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

छठी वरीयता प्राप्त सिंधु ने गुंजी के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए 21-9, 21-12 से आसान जीत दर्ज की। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त इंतानोन से होगा। इस मुकाबले की विजेता खिलाड़ी सेमीफाइनल में जगह बनाएगी।

इंतानोन ने दूसरे दौर के मुकाबले में तन्वी शर्मा को 21-18, 21-7 से हराया। तन्वी ने पहले गेम में चुनौती पेश की, लेकिन दूसरे गेम में इंतानोन ने दबदबा बनाते हुए सीधे गेम में मुकाबला अपने नाम कर लिया।

सिंधु और इंतानोन के बीच आमने-सामने के रिकॉर्ड में थाई खिलाड़ी का पलड़ा भारी है। दोनों के बीच अब तक 14 मुकाबले हुए हैं, जिनमें इंतानोन ने 10 और सिंधु ने चार मुकाबले जीते हैं। दोनों खिलाड़ियों की पिछली भिड़ंत 2022 में इंडोनेशिया मास्टर्स में हुई थी, जहां इंतानोन ने सिंधु को 21-12, 21-10 से हराया था।

देशभर के 500 खिलाड़ी जोधपुर में खेलेंगे साइकिल पोलो

जोधपुर, 8 अक्टूबर। जोधपुर में 15 से 18 नवम्बर तक राष्ट्रीय साइकिल पोलो प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता में देश के 20 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों से करीब 500 खिलाड़ी, प्रशिक्षक, प्रबंधक एवं खेल अधिकारी भाग लेंगे। शिवराज सिंह के निर्देशन में आयोजित होने वाला यह आयोजन देश के सबसे बड़े साइकिल पोलो खेल आयोजनों में शामिल होगा। प्रतियोगिता में विश्व विजेता भारतीय पुरुष खिलाड़ी भी हिस्सा लेंगे।

बीसीसीआई के मुख्य चयनकर्ता पद से हटे अगरकर

भारत की सफलता का श्रेय अगरकर और सिलेक्शन कमेटी को : चेतन

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। भारत के पूर्व क्रिकेटर चेतन शर्मा ने अजीत अगरकर को बधाई दी, जब 4 अक्टूबर को बीसीसीआई की सीनियर पुरुष चयन समिति के चेयरमैन के तौर पर उनका कार्यकाल आधिकारिक रूप से समाप्त हो गया। गौरतलब है कि अगरकर ने जुलाई 2023 में यह जिम्मेदारी संभाली थी और उन्होंने कार्यकाल बढ़ाने की मांग नहीं की थी। चेतन शर्मा, जो खुद बीसीसीआई सिलेक्शन कमिटी के चेयरमैन रह चुके हैं, ने अजीत अगरकर के कार्यकाल की तारीफ़ की। उन्होंने भारत की सफलता का श्रेय अगरकर और सिलेक्शन कमिटी को दिया और एक शानदार कार्यकाल के बाद यह पद छोड़ने पर उन्हें बधाई दी। मैं कहूंगा कि अजीत ने बहुत अच्छा काम किया है। असल में यह पूरी टीम की कोशिश है। पांच सेलेक्टर होते हैं, इसलिए मैं उन सभी पांचों सेलेक्टर को बधाई देना चाहता हूं जो वहां थे, और खासकर चीफ सेलेक्टर को, जिनकी इसमें अहम भूमिका थी। मेरी शुभकामनाएं उनके साथ हैं। उन्होंने आगे कहा कि देखिए, लोग आते हैं और जाते हैं। किसी की भी कुर्सी पक्की नहीं होती, लेकिन जब आप उस कुर्सी पर होते हैं और अच्छा काम करके जाते हैं, तो बहुत खुशी होती है। इसलिए अजीत अगरकर को बधाई और मैं उन्हें उनकी अगली पारी के लिए शुभकामनाएं देता हूं, चाहे वह किसी भी क्षेत्र में हो। अगरकर के कार्यकाल में भारत ने तीन आईसीसी ट्रॉफ़ी ट्रॉफी - 2024 में आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप, 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफ़ी और 2026 में आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप।

पंजाब किंग्स के हेड कोच रिकी पोंटिंग की बढ़ी चुनौती, जेम्स होप्स और ब्रैड हैडिन ने छोड़ा पद

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। जेम्स होप्स और ब्रैड हैडिन ने इंडियन प्रीमियर लीग में पंजाब किंग्स के फ़ास्ट-बॉलिंग कोच और फ़ील्डिंग कोच के पद से इस्तीफ़ा दे दिया है। होप्स के हाल ही में क्वींसलैंड और ब्रिस्बेन हीट के हेड कोच बनने और हैडिन के न्यू साउथ वेल्स का हेड कोच बनने के बाद उनके जाने की उम्मीद पहले से ही थी।

इन इस्तीफ़ों के बाद पंजाब किंग्स के हेड कोच रिकी पोंटिंग के सामने अपने सपोर्ट स्टाफ़ में कई खाली पद भरने की चुनौती होगी। इन बदलावों के बीच, साईराज बहुतुले, जो आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स के स्पिन-बॉलिंग कोच थे, अब भारतीय पुरुष टीम के साथ यही भूमिका निभाने के लिए चले गए हैं। पंजाब किंग्स के लिए आईपीएल 2026 का सफ़र निराशाजनक रहा। कप्तान श्रेयस अय्यर और हेड कोच रिकी पोंटिंग की अगुवाई में टीम ने सीज़न के शुरुआती आधे हिस्से में पॉइंट्स टेबल पर दबदबा बनाए रखा-लगातार छह मैच जीते और लगभग एक महीने तक टॉप पर रही-लेकिन बाद के हिस्से में टीम का प्रदर्शन गिर गया।

शुरुआत में छह जीत, एक नो रिजल्ट और लगातार सात मैचों में बिना हारे रहने के रिकॉर्ड के साथ, पंजाब किंग्स 13 पॉइंट्स लेकर टेबल में सबसे ऊपर थी। हालाँकि, बल्ले और गेंद दोनों से खराब रणनीतिक फैसलों और कई कैच छोड़ने की वजह से टीम का फॉर्म खराब हो गया, जिससे लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जीत दर्ज करने से पहले उन्हें लगातार छह हार का सामना करना पड़ा।

राज्य विजेता जयपुर अंडर-17 बालिका टीम का सम्मान

जयपुर, 8 अक्टूबर। हाल ही में जोधपुर में संपन्न हुई 70वीं राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में जयपुर की अंडर-17 बालिका टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में जयपुर की टीम ने मेजबान जोधपुर को 2-1 से पराजित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, अंडर-19 बालिका वर्ग में भी जयपुर टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और कांस्य पदक हासिल किया। जयपुर लौटने पर विजेता अंडर-17 टीम के खिलाड़ियों का जयपुर जिला बैडमिंटन संघ द्वारा स्वागत एवं सम्मान किया गया। संघ के सचिव मनोज दासोत एवं सिलेक्शन कमेटी के वाइस चेयरमैन अतुल गुप्ता ने खिलाड़ियों का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम की सभी खिलाड़ियों को प्रोत्साहन स्वरूप योनेक्स टी-शर्ट एवं मोमेंटो भेंट किए गए।

जयपुर अंडर-17 बालिका टीम: पर्ल पारीक, ओजस्विता दुबे, प्रियांशी चौधरी, मानसी सैनी, रक्षणदा बिष्ट। जयपुर जिला बैडमिंटन संघ के पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं।

खिताब से एक कदम दूर वयम-श्रेयांष की जोड़ी

अंडर-15 डबल्स के फाइनल में कर्नाटक की जोड़ी को हराकर मचाया धमाल

जयपुर, 8 अक्टूबर। राजस्थान के वयम लाम्बा और श्रेयांष चौधरी की जोड़ी ने ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन प्रतियोगिता के अंडर-15 बालक युगल वर्ग के फाइनल में जगह बना ली। दूसरी वरीयता प्राप्त वयम-श्रेयांष ने सेमीफाइनल में कर्नाटक के तीसरी वरीयता प्राप्त गौतम एस. नायर और सिद्धार्थ एस. नायर की जोड़ी को 16-14, 15-13 से शिकस्त दी। इससे पहले क्वार्टर फाइनल में उन्होंने झारखंड के समविथ रमेश और महाराष्ट्र के आदित्य योल की जोड़ी को तीन गेम के रोमांचक मुकाबले में 15-17, 15-11, 16-14 से हराया।

एकल वर्ग में वयम लाम्बा का सफर क्वार्टर फाइनल में थम गया। तेलंगाना के छठी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने उन्हें 15-10, 15-13 से पराजित किया। वहीं राजस्थान के आनंद मदेरणा और युवराज सिंह की जोड़ी को भी क्वार्टर फाइनल में गौतम-सिद्धार्थ की जोड़ी ने 15-12, 15-7 से हराया। अंडर-17 मिश्रित युगल में आर्यन भट्टा और जोयल राना ने राजस्थान के अंशुमान चौधरी और महाराष्ट्र की सरायू रंजाने को 15-9, 3-15, 15-12 से मात दी।

अंडर-15 बालिका एकल में केरल की शीर्ष वरीयता प्राप्त एलिसा ने आंध्र प्रदेश की लक्ष्मी साई को 15-8, 18-16 से हराया, जबकि पंजाब की तीसरी वरीयता प्राप्त इनायत गुलाटी ने पश्चिम बंगाल की दूसरी वरीयता प्राप्त आर्यमा चक्रवर्ती को 20-21, 15-11, 15-11 से शिकस्त दी। अंडर-17 बालिका सेमीफाइनल में तमिलनाडु की लक्षा धनेश ने पंजाब की महविश कौर को 15-9, 15-8 से हराया। अंडर-15 बालक एकल के सेमीफाइनल में तमिलनाडु के लिनेश वैभव और तेलंगाना के चिन्मय वानखेड़े ने जीत दर्ज की। अंडर-17 बालक एकल में तमिलनाडु के मोहित दर्शन महेश कुमार ने तेलंगाना के श्रीचेतन शौर्य को 15-11, 15-11 से पराजित किया।

सेमीफाइनल में हारने वाले खिलाड़ियों को भारतीय हैंडबॉल संघ के सचिव एवं साउथ एशियन हैंडबॉल कमेटी के चेयरमैन तेजराज सिंह, एसडीएमएच के प्रशासनिक अधिकारी जॉर्ज थॉमस तथा राजस्थान बैडमिंटन संघ के उपाध्यक्ष एवं जिला बैडमिंटन संघ के सचिव मनोज दासोत ने पदक प्रदान किए। वयम लाम्बा और श्रेयांष चौधरी पिछले छह वर्षों से सवाई मानसिंह स्टेडियम में कोच यादवेंद्र सिंह शेखावत से प्रशिक्षण ले रहे हैं।

टेबल टेनिस : मानुष शाह और मानव ठक्कर चीन स्मैश के सेमीफाइनल में

बीजिंग, 8 अक्टूबर। भारत के मानुष शाह और मानव ठक्कर ने गुरुवार को डब्ल्यूटीटी चीन स्मैश 2026 के पुरुष युगल सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। भारतीय जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में चीन के लियांग जिंगकुन और शियांग पेंग को सीधे गेमों में 3-0 से हराया। दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने 19 मिनट तक चले मुकाबले में 11-9, 11-5, 11-4 से जीत दर्ज की। मानुष और मानव ने मुकाबले के आगे बढ़ने के साथ अपना दबदबा बढ़ाया और लगातार तीन गेम जीतकर अंतिम चार में जगह बनाई। अब सेमीफाइनल में उनका सामना स्वीडन के एंटोन कालबर्ग और क्रिस्टियन कार्लसन तथा दक्षिण कोरिया के लिम जोंगहून और ओ जुनसोंग की जोड़ी के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। मानुष शाह गुरुवार को मिश्रित युगल सेमीफाइनल में भी उतरेंगे। वह दिया चिताले के साथ मिलकर चीनी ताइपे की लिन युन-जू और चेंग आई-चिंग की जोड़ी का सामना करेंगे।

स्टर्नहेगन का पोलो में दमदार दांव, मेफेयर को हराकर फाइनल में एंट्री

सवाई मान गार्ड कप के पहले सेमीफाइनल में 10-8 से जीत, जोशुआ स्ज़ासार ने दागे 7 गोल

जयपुर, 8 अक्टूबर। वार्षिक जयपुर पोलो सीजन 2026 के तहत खेले जा रहेसवाई मान गार्ड कप (8 गोल)में टीम स्टर्नहेगन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश कर लिया। पीपीसी ग्राउंड पर खेले गए पहले सेमीफाइनल में स्टर्नहेगन ने मेफेयर पोलो को रोमांचक मुकाबले में10-8 से पराजितकिया। स्टर्नहेगन की जीत के नायक डेनजोशुआ स्ज़ासाररहे, जिन्होंने अकेले7 गोलदागकर टीम को जीत दिलाई। एलन शॉन माइकल ने 2 और डीनो धनखड़ ने 1 गोल किया। टीम में अशोक चांदना भी शामिल रहे। मेफेयर पोलो की ओर से शमशीर अली ने 7 और हुर्र अली ने 1 गोल किया। टीम में लोकेंद्र सिंह धीरावत और प्रताप सिंह कानोता भी खेले। आज रात दूसरा सेमीफाइनल : सवाई मान गार्ड कप का दूसरा सेमीफाइनल'इवोक 2026' एग्जीबिशन मैचके रूप में शुक्रवार को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर रात 7 बजे खेला जाएगा। इसमें टीम जयपुर और टीम नेवी पोलो आमने-सामने होंगी। टूर्नामेंट का फाइनल शनिवार, 10 अक्टूबर को शाम 7 बजे राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर फ्लडलाइट्स में होगा।

उदयपुर की दीर्घकालीन जल सुरक्षा की महत्वपूर्ण कड़ी है, देवास तृतीय व चतुर्थ- भजनलाल

देवास-चतुर्थ के तहत 390 एमसीएफटी क्षमता के बांध तथा 4.15 किमी लंबी टनल का निर्माण हो रहा है

जयपुर, 8 अक्टूबर। उदयपुर की दीर्घकालीन जल सुरक्षा की दिशा में बेहद अहम, देवास परियोजना के तृतीय और चतुर्थ चरण के अन्तर्गत बांध एवं टनल का निर्माण कार्य तेजी से जारी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व में इस अंतर-बेसिन जल हस्तांतरण परियोजना के अन्तर्गत, साबरमती बेसिन का जो अमूल्य जल व्यर्थ बहकर अरब सागर में चला जाता था, उसे बनास बेसिन की ओर अपवर्तित कर उदयपुर की जल व्यवस्था से जोड़ने का अभिनव प्रयोग किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बताया कि देवास के तृतीय व चतुर्थ चरण से उदयपुर शहर के लिए प्रति वर्ष लगभग 1000 एमसीएफटी अतिरिक्त जल उपलब्ध होगा। इससे शहर की बढ़ती पेयजल आवश्यकता की पूर्ति के लिए पिछोला एवं फतह सागर झीलों में जल स्तर बनाए रखने में सहायता मिलेगी।

देवास-चतुर्थ परियोजना के अंतर्गत, गोगुंदा तहसील के अंबावा गांव के पास 390 एमसीएफटी क्षमता के बांध तथा 4.15 किलोमीटर लंबी टनल का निर्माण किया जा रहा है। यहां से जल का अपवर्तन देवास-तृतीय परियोजना की ओर किया जाएगा। इसी प्रकार नाथियाथल गांव के पास 703 एमसीएफटी क्षमता के देवास-तृतीय बांध का निर्माण किया जा रहा है। इस बांध से जल को 10.50 किलोमीटर लंबी टनल के माध्यम से मौजूदा देवास-द्वितीय (आकोदड़ा बांध) तक आवश्यकतानुसार पिछोला झील में अपवर्तित किया जाएगा।

इस परियोजना के तृतीय एवं चतुर्थ चरण से उदयपुर शहर के लिए प्रतिवर्ष लगभग 1000 एमसीएफटी अतिरिक्त जल उपलब्ध होगा। इससे शहर की बढ़ती पेयजल आवश्यकता को पूरा करने के साथ ही, पिछोला एवं फतहसागर झीलों में जल स्तर बनाए रखने में भी सहायता मिलेगी। साथ ही, इससे पर्यटन गतिविधियों, ईको-टूरिज्म से जुड़ी आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

राज्य सरकार के संवेदनशील निर्देशों के क्रम में परियोजना से प्रभावित परिवारों को निकटस्थ ही पुनर्वासित करने के प्रयास किये जा रहे हैं। इन परिवारों के लिए आवासीय भूखंड एवं आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की सुविधा भी सुनिश्चित की जा रही है, ताकि उनका सुरक्षित एवं व्यवस्थित पुनर्वास हो सके।

उल्लेखनीय है कि उदयपुर की जल सुरक्षा के लिए 1974 में देवास का प्रथम चरण शुरू हुआ था। इसके बाद देवास-द्वितीय वर्ष 2015 में पूर्ण हुआ, जिसके अंतर्गत आकोदड़ा बांध एवं सुरंग प्रणाली के माध्यम से गुरूत्व प्रभाव द्वारा जल को उदयपुर की पिछोला झील तक पहुंचाने की व्यवस्था विकसित हुई। इसी दीर्घकालीन जल सुरक्षा की महत्वपूर्ण कड़ी देवास-तृतीय एवं देवास-चतुर्थ परियोजनाएं हैं।

गुरुग्राम का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिकारी रिंकू दुग्गा का तबादला अरुणाचल प्रदेश कर दिया गया था।

दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम के खिलाड़ियों ने भी वहां होने वाले संगीत कार्यक्रमों के कारण अभ्यास में बार-बार होने वाली परेशानी की शिकायत की है। अक्टूबर 2024 में दिलजीत दोसांझ के कन्सर्ट के बाद एथलेटिक्स ट्रैक 10 दिनों तक बंद रहा। इस दौरान सफाई और मरम्मत का काम चलने के कारण, खिलाड़ियों को वॉर्म-अप ट्रैक पर अभ्यास करना पड़ा।

2025 में यह मामला फिर सामने आया, जब खिलाड़ियों और कोचों ने स्टेडियम के इस्तेमाल को लेकर स्पष्टता मांगी, क्योंकि उस समय स्टेडियम को ट्रैविस स्कॉट के कन्सर्ट के लिए तैयार किया जा रहा था। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इण्डिया ने जेएलएन स्टेडियम में गैर-खेल आयोजनों के लिए सख्त स्टैण्डर्ड ऑपरेटिंग प्रोजीजर एस.ओ.पी. लागू किए। इनमें यह सुनिश्चित करने के प्रावधान भी शामिल थे कि ऐसे आयोजनों से खिलाड़ियों के अभ्यास या प्रतियोगिताओं पर असर न पड़े।

'पुरानी भारतीय कम्पनियाँ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ऑथराइज़ेशन के साथ यूनिफाइड लाइसेंस हैं: स्टारलिंक सैटेलाइट कम्युनिकेशंस, जियो सैटेलाइट कम्युनिकेशंस और वनवैब इंडिया कम्युनिकेशंस (भारती समर्थित यूटेलसैट वनवैब)। लाइसेंस की शर्तों के तहत, यूज़र्स और डेटा की सुरक्षा के लिए तीनों कंपनियों की सुरक्षा जांच एक साथ चल रही है। जांच पूरी होने के बाद हर कंपनी स्पेक्ट्रम आवंटन के लिए आवेदन कर सकती है। अभी तक किसी ने यह प्रक्रिया पूरी नहीं की है, इसलिए कोई भी कमर्शियल तौर पर लॉन्च नहीं कर सकता। तकनीकी रूप से, ये तीनों अंतरराष्ट्रीय या हाइब्रिड कंपनियां मुख्य रूप से लो-अर्थ-ऑर्बिट (एलईओ) सिस्टम पर निर्भर हैं। इनकी डेटा पहुंचने की गति पारंपरिक जियोस्टेशनरी सैटेलाइट की तुलना में बेहतर होती है। स्टारलिंक सबसे बड़ा सैटेलाइट नेटवर्क संचालित करता है। इसके हजारों सैटेलाइट लगभग 480 से 570 किलोमीटर की ऊंचाई पर हैं। यह आम तौर पर 25 से 220 एमबीपीएस की इंटरनेट स्पीड देता है। इसमें सैटेलाइट के बीच लेजर लिंक और छोटे यूजर टर्मिनल हैं, जो डायरैक्ट-टु-होम इस्तेमाल के लिए उपयुक्त हैं।

वनवैब एक छोटा एलईओ फ्लीट (लगभग 1200 कि.मी. की ऊँचाई पर 650 सैटेलाइट्स) ऑपरेट करता है, जिसे मुख्य रूप से एंटरप्राइज, समुद्री, एविएशन और सरकारी इस्तेमाल के लिए ऑप्टिमाइज़ किया गया है: इसमें मास मार्केट टर्मिनल्स पर कम ज़ोर दिया गया है। जियो सैटेलाइट, जो शुरु में एसईएस की मल्टी-ऑर्बिट क्षमता (एमईओ सहित) का इस्तेमाल कर रहा है, लगभग 650 कि.मी. की ऊँचाई पर करीब 1600 सैटेलाइट्स का एक स्वदेशी एलईओ कॉस्टलेशन विकसित कर रहा है, जिसका लक्ष्य पूरे भारत में बड़ी क्षमता वाली सेवा देना है।

तीनों एलईओ तकनीकें पुराने जीईओ सिस्टम से कहीं बेहतर हैं। इसलिए, सैटेलाइट ब्रॉडबैंड को, जमीनी ब्रॉडबैंड का पूरी तरह से विकल्प मानने के बजाय, मुख्य रूप से ग्रामीण, दूरदराज और आपदा संभावित क्षेत्रों के लिए मौजूदा इंटरनेट सेवाओं के पूरक के रूप में देखा जा रहा है।

यह विवाद दिखाता है कि घरेलू प्रतिस्पर्धा के बीच भारत विदेशी सैटेलाइट सिस्टम को लेकर सावधानी से आगे बढ़ रहा है। जब तक सुरक्षा जांच पूरी नहीं होती और स्पेक्ट्रम आवंटित नहीं किया जाता, तब तक सभी लाइसेंसधारकों की व्यावसायिक सेवा शुरू करने पर रोक रहेगी।

नाहरगढ़ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ले चुका था और इसके बाद 20 हजार रुपए की मांग कर रहा था। वहीं, शिवकिशोर 30 हजार रुपए मांग रहा था। शिकायत के सत्यापन के बाद पुलिस अधीक्षक एसीबी जयपुर पीयूष दीक्षित के सुपरविजन में टीम गठित की गई। टीम ने गुरुवार को ट्रेप कार्रवाई करते हुए, श्याम सिंह को 20 हजार और शिवकिशोर को 30 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया।

जेडीए आयुक्त और उपायुक्त ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिकारियों को गिरफ्तार कर 12 अक्टूबर को पेश किया जाए। आयोग ने ये आदेश कृष्णा के अवमानना परिवाद पर सुनवाई करते हुए दिए।

परिवाद से जुड़े अधिवक्ता उमेश श्रृंगी ने बताया कि परिवादी ने जेडीए की निलय कुंज आवास योजना में आवेदन किया था, जिसकी लॉटरी में उसे भूखंड संख्या 454 आवंटित किया गया, लेकिन एक साल में भी भूखंड का कब्जा नहीं देने पर परिवादी ने जिला उपभोक्ता आयोग पर परिवाद पेश किया। चार साल की सुनवाई के बाद साल 2016 में उपभोक्ता आयोग ने जेडीए को आदेश दिए कि वह परिवादी को आवंटित भूखंड का कब्जा पत्र जारी करे। इस आदेश को जेडीए ने पहले राज्य आयोग और उसके बाद नेशनल कमीशन सहित, सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, लेकिन किसी स्तर पर जेडीए को राहत नहीं मिली। दूसरी ओर, आदेश की पालना नहीं होने पर परिवादी की ओर से साल 2020 में जिला आयोग के समक्ष अवमानना याचिका पेश कर कार्रवाई की गुहार की गई। परिवादी के अधिवक्ता ने बताया कि आयोग ने जिस भूखंड संख्या 454 को आवंटित करने का आदेश दिया था, जेडीए ने उसे किसी अन्य व्यक्ति को आवंटित कर दिया। इसके बाद परिवादी को भूखंड संख्या 194 आवंटित करने का आश्वासन दिया, लेकिन इसे भी बाद में किसी अन्य व्यक्ति को आवंटित कर दिया। वहीं परिवादी को निलय कुंज योजना फेज-द्वितीय में भूखंड संख्या 7 आवंटित किया गया। जिसकी संपूर्ण राशि परिवादी ने जमा करा दी, लेकिन जेडीए ने उसकी आगे से चौडाई को काटकर स्वरूप ही बदल दिया, जिससे परिवादी को वास्तविक व पूर्ण कब्जा प्राप्त नहीं हो सका।

भारी मुनाफे के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

था। इसके बाद विदेश में कारोबार होने और भारी मुनाफा दिलाने का झांसा देकर मुंह-मांगे दाम पर बड़ी मात्रा में कीमती पत्थर खरीद लेता था। माल हासिल करने के बाद उसे सस्ते दाम में बेच देता और प्राप्त राशि का कुछ हिस्सा व्यापारी को देकर शेष रकम अपनी अय्याशी, महंगी पार्टियों और विदेश यात्राओं पर खर्च करता था।

थानाधिकारी छगन डांगी ने बताया कि अमृतपुरी, एलेक्जेंडर कॉलोनी निवासी व्यापारी शुजात अंसारी पुत्र मोहम्मद इस्लाम ने आदर्श नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि रामगंज निवासी अलजेब खान उससे तुरमलीन स्टोन, पन्ना, तंजानाइट और सुनहेला जैसे कीमती पत्थर खरीदता था। आरोपी ने अच्छा मुनाफा देने का झांसा देकर व्यापारी से करीब 1 करोड़ 61 लाख रुपए के कीमती पत्थर खरीद लिए और बाद में ठगी कर फरार हो गया। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम गठित की गई। टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है कि उसने व्यापारी से ठगे गए कीमती पत्थर किन लोगों को और कितनी कीमत में बेचे।

फिल्म अभिनेता नाना पाटेकर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हस्तियों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए, उनके निधन को अपूरणीय क्षति बताया है। नाना के करीबी मित्र गणेश थोराट ने बताया कि पुणे के बाहरी इलाके में स्थित फार्महाउस में नाना का अंतिम संस्कार किया जाएगा। नाना का असली नाम विश्वनाथ पाटेकर था। उनका जन्म 1 जनवरी 1951 को महाराष्ट्र के मुरुड-जंजीरा में हुआ था। उन्होंने मुंबई के प्रसिद्ध सर जेजे इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड आर्ट से पढ़ाई की। फिल्मों में आने से पहले उन्होंने थिएटर में अपनी पहचान बनाई और आगे चलकर हिंदी तथा मराठी सिनेमा के दिग्गज कलाकार बने। उन्होंने अभिनय के साथ निर्देशन और लेखन में भी हाथ आजमाया। अपने शानदार अभिनय के लिए उन्हें तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों सहित, कई प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा गया। वर्ष 2013 में उन्हें पद्मश्री से अलंकृत किया गया था।

परिंदा, क्रांतिवीर, अग्निसाक्षी, तिरंगा, अब तक छप्पन, वेलकम और नटसम्राट जैसी फिल्मों में उनके यादगार किरदार हमेशा याद किए जाएंगे।

जयपुर कलैक्टर दो साल से सूरज मैदान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विवाद को लेकर पेश अभ्यावेदन पर दो साल से निर्णय क्यों नहीं किया गया। जस्टिस महेन्द्र गोयल और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश पत्रकार कॉलोनी व श्रीराम एरिया विकास समिति की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि यदि कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित पीएलपीसी की ओर से इस संबंध में लिया गया निर्णय पेश कर दिया जाता है तो कलेक्टर को पेश होने की जरूरत नहीं है। सुनवाई के दौरान, एएजी भुवनेश शर्मा की ओर से मामले में पब्लिक लैंड प्रोटेक्शन सेल की ओर से लिए गए निर्णय को पेश करने के लिए समय मांगा गया। इस पर अदालत ने समय देते हुए निर्णय पेश नहीं करने पर कलेक्टर को तलब किया है। अपील में अदालत को बताया गया कि तत्कालीन यूआईटी ने आदर्श नगर योजना बनाते समय यहां पार्क के लिए आरक्षित जगह छोड़ी थी। वहीं जेडीए के अस्तित्व में आने के बाद, इस जगह को खेल मैदान घोषित कर दिया गया। आदर्श नगर को जयपुर नगर निगम को हस्तांतरित किये जाने के बाद इस जगह का स्वामित्व निगम के पास आ गया। इस सूरज मैदान से सटा आदर्श विद्या मंदिर स्कूल है, जो अपने विद्यार्थियों के खेलकूद के लिए इस मैदान का उपयोग करने लगा। स्कूल की प्रबंध समिति अब बिना किसी अधिकार और स्वामित्व के इस मैदान को शादियों और व्यावसायिक इवेंट के लिए दे रही है और इसके बदले समिति भारी धनराशि चंदे के रूप में ले रही है।

'चुनाव आयोग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और "अराजक तत्वों" को बढ़ावा मिल सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि "लोकतंत्र की असली ताकत जनता का भरोसा ही है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908